जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Battles of Tomorrow Will Begin in the Skies | A fundamental truth has been reiterated during the recent conflicts in Ukraine and Gaza- He, who owns the skies, controls the battle below | **Jhumka That Fell... and Rose Again** | **Nature's Giants** A Look at the Largest Flowers on Earth

संशोधित वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट आज अंतरिम निर्णय सुनायेगा

मुख्य न्यायाधीश की बैंच ने लगातार सुनवाई के बाद 22 मई को आदेश सुरक्षित रखा था

नई दिल्ली, 14 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को तीन प्रमुख मुद्दों पर अपना अंतरिम फैसला सुनाएगा। इनमें एक मुद्दा यह है कि क्या वक्फ घोषित संपत्तियों को अदालतें वक्फ की सूची से हटा (डिनोटिफाई) सकती हैं या नहीं। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि क्या कोई संपत्ति उपयोग के आधार पर वक्फ (वक्फ बाय यूजर) या किसी दस्तावेज के जरिए वक्फ (वक्फ बाय डीड) घोषित की जा सकती है। ये सभी मुद्दे वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान उठे थे।

■ इस केस में एक बड़ा मुद्दा यह है कि अगर किसी जमीन को पहले अदालत ने वक्फ घोषित कर दिया तो क्या सरकार बाद में उसे वक्फ की सूची से हटा सकती है।

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने 22 मई को इन तीनों पर दोनों पक्षों की दलीलों को सुना था, जिसके बाद अंतरिम अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया गया था। शीर्ष कोर्ट की वेबसाइट पर 15 सितंबर की कार्य सूची के मुताबिक, कोर्ट सोमवार को इस मामले पर अपना आदेश सुनाएगी।इन मुद्दों में एक बड़ा मुद्दा यह है कि अगर किसी जमीन को पहले अदालत ने वक्फ घोषित कर दिया हो, तो क्या सरकार बाद में उसे वक्फ की सूची से हटा सकती है या नहीं। यह मामला वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 से जुड़ा है।

आदेश सुरक्षित रखने से पहले बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई की थी, जिसमें संशोधित वक्फ कानून को चुनौती देने वाले वकीलों और केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनी गईं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पहले ही इन तीन प्रमुख मुद्दों की पहचान कर ली थी, जिन पर याचिकाकर्ताओं ने रोक लगाने की मांग की थी और जिन पर कोर्ट अब अंतरिम आदेश देने जा रही है।

याचिका दाखिल करने वालों ने डिनोटिफिकेशन के मुद्दे के अलावा राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के ढ ांचे पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इन संस्थाओं को सिर्फ मुसलमानों द्वारा ही चलाया जाना चाहिए, सिर्फ वे लोग छोड़कर जो अपने सरकारी पद की वजह से अपने-आप सदस्य बनते हैं। तीसरा मुद्दा एक ऐसे प्रावधान से जुड़ा है, जिसमें कहा गया है कि यदि जिला कलेक्टर यह जांच कर रहा हो कि कोई संपत्ति सरकारी जमीन है या नहीं, तो उस समय उस संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित हुई

जम्मू, 14 सितंबर। श्री माता वैष्णो देवी मंदिर तीर्थयात्रा खराब मौसम के मद्देनजर रविवार को पुनः स्थगित कर दी गयी। यह यात्रा 19 दिनों के लंबे अंतराल बाद रविवार से शुरू होने वाली थी।

मंदिर बोर्ड के अधिकारी ने बताया,"श्री माता वैष्णो देवी यात्रा जो रविवार से शुरू होने वाली थी, भवन और मार्गों पर लगातार बारिश के कारण अगले आदेश तक पुनः स्थगित की गई है।" उन्होंने कहा श्रद्धालुओं से निवेदन है कि आधिकारिक संचार तंत्र के जरिये जानकारी प्राप्त करते रहें। 26 अगस्त को अधकुवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश से आये भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी, जिसमें अधिकतर श्रद्धालु थे और कई अन्य घायल हो गये थे।

■ नवरात्रि के दौरान निर्बाध तीर्थ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त बैठक।

कटरा के आध्यात्मिक विकास केंद्र में 13 सितंबर को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में एक संयुक्त बैठक की गयी, जिसमें 22 सितंबर से चलने वाली नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के दौरान निर्बाध तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गयी। वैश्य ने कहा कि नवरात्रि निकट है और ऐसे में बोर्ड को तीर्थस्थल और कटरा स्थित आधार शिविर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है इसलिए नवरात्रि पर्व के दौरान सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने आने वाले दिनों में बिना किसी परेशानी के तीर्थयात्रा के लिए विभिन्न मोर्चों पर कार्रवाई करने का भी आव्हान किया।

डिवाइडर से टकरा कर रिंग रोड से कार नीचे गिरी, सात की मौत

हरिद्वार में अस्थी विसर्जन कर लौटते समय कार सवारों के साथ यह हादसा हुआ

जयपुर, 14 सितंबर। शिवदासपुरा थाना इलाके में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रिंग रोड से नीचे गिर गई। हादसे में कार में सवार दो परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं। हादसा थाना इलाके में प्रहलादपुरा के पास शनिवार देर रात हुआ।

रविवार दोपहर को जब लोगों को अंडरपास में भरे पानी में क्षतिग्रस्त कार उलटी पड़ी दिखाई दी उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाल कर कार में फंसे सातों लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया तथा मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई।

■ शिवदासपुरा थाना इलाके में प्रहलादपुरा के पास अंडर पास के पानी में उलटी पड़ी कार को पुलिस ने क्रेन से बाहर निकाला तो कार में सवार सातों मृत पाये गये।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज वर्मा, एसीपी चाकसू सुरेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि रिंग रोड से नीचे अंडरपास में भारी जलभराव के कारण कार नाले में पलट गई।

एसीपी चाकसू सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि वाटिका सांगानेर निवासी रामराज वैष्णव (38), पत्नी मधु (36) और बेटे रुद्र (14 महीने) और फुलियाकलां (भीलवाड़ा) निवासी उनके रिश्तेदार अशोक वैष्णव उर्फ कालूराम (47), उनकी पत्नी सीमा देवी (45), बेटे रोहित (23) और पोते गजराज (3) की मौत हो गई। हादसे में मारे गए सभी लोग हरिद्वार में अस्थियां विसर्जन करके घर लौट रहे थे।

थानाधिकारी सुरेंद्र सैनी ने बताया कि शिवदासपुरा इलाके में प्रहलादपुरा के पास रिंग रोड पर तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और रिंग रोड से 16 फीट नीचे अंडरपास में भरे पानी में गिर गई। पुलिस ने बताया कि रिंग रोड पर डिवाइडर के बीच करीब 20 फीट खाली जगह है। इसके बीच में से कार नीचे पानी में गिरी थी। हादसा इतना भीषण था कि सभी की मौके पर ही मौत हो गई।

बीस सीटें नहीं दीं, तो 100 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

केन्द्र सरकार में मंत्री जीतनराम मांझी की घोषणा ने एनडीए में खलबली मचाई

गयाजी, 14 सितंबर। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने बिहार की राजनीति में खलबली मचा दी है। लोकसभा चुनाव के कुछ समय पहले महागठबंधन से निकल कर एनडीए में लौटे जीतन राम मांझी ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीट बंटवारे को लेकर बड़ा बयान दिया है। मांझी ने कहा कि उनकी पार्टी को अगर 20 सीटों पर मौका नहीं दिया गया तो वह 100 प्रत्याशियों को मैदान में उतारेंगे।

■ मांझी ने कहा कि वे चाहते हैं, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा हर हाल में बिहार में मान्यता प्राप्त दल बने। इसके लिए विधानसभा में 8 सीटें या कुल मतदान का 6 प्रतिशत वोट चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि वह एनडीए के प्रति समर्पित हैं और लोकसभा चुनाव में भी हर बात स्वीकार की थी। इस गठबंधन में प्रतिष्ठा मिली है, लेकिन हमारे मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की भी कुछ उम्मीदें हैं। यह उम्मीदें पूरी करने का बिहार विधानसभा चुनाव एक मौका है और हम एनडीए को जिताने के लिए हर तरह से ताकत झोंकने को तैयार भी हैं। लेकिन, इस बार चुनाव में एनडीए के अंदर हमें बिहार की 20 सीटें चाहिए। हमने यह मांग रखी है। बात कर रहे हैं। लेकिन, अगर बात नहीं बनी तो 100 सीटों पर भी प्रत्याशी उतार सकते हैं।

मांझी ने कहा कि अगर मान लिया जाए हमको हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा अधिकृत करता है, तो हम जरूर फैसला लेंगे। फैसला में हमारा एक ही चीज है कि हम चाहते हैं, हमारा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा हर हालत में मान्यता प्राप्त कर ले। मान्यता प्राप्त करने के लिए हमको 8 सीट विधानसभा में चाहिए या पोलिंग का 6 प्रतिशत टोटल वोट चाहिए। हमारे साथ दो परिस्थिति हैं। आठ सीट जीतने के लिए हमको काम से कम 15 से 20 सीट मिलेगा तभी ना हम इस दायरे में आ सकते हैं। हम सभी सीट तो जीत जाएंगे, ऐसा तो है नहीं। अगर 60 प्रतिशत स्कोरिंग सीट माना जाए तो भी कहा जाएगा। तब 15 सीट की बात आती है। अगर 15 सीट हमको मिलेगा और 8 सीट जीत जाएंगे तो एक प्रावधान यह है।

नहीं तो हम भी 50 या 100 सीट पर लड़ेंगे। बिहार में हर जगह हमारा दस हजार और 15 हजार वोटर है। जीत करके 6 प्रतिशत हम वोट ले आएंगे और हम मान्यता प्राप्त कर लेंगे। दस वर्ष हमारी पार्टी का हो गया। निबंधित पार्टी रहने में हम अपमानित समझते हैं। इसलिए इस बार करो या मरो का लोगों का यह मुद्दा है।

सेवानिवृत्त आईएएस अमित खरे उपराष्ट्रपति के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली, 14 सितंबर। कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने सेवानिवृत्त आईएएस अमित खरे को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के सचिव के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी है। खरे 1985 बैच के झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने रविवार को आदेश जारी किया है, जिसके मुताबिक, खरे की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल के लिए अनुबंध के आधार पर होगी। खरे की छवि एक ईमानदार अधिकारी की रही है और उन्हें चारा घोटाले का पर्दाफाश करने में उनकी भूमिका के लिए भी जाना जाता है। इस नियुक्ति से पहले खरे 12 अक्टूबर 2021 से प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय में सामाजिक क्षेत्र से संबंधित मामलों को संभाल रहे हैं। खरे ने केंद्र और राज्य सरकारों में कई प्रमुख पदों पर भी कार्य किया है।

■ वर्तमान में वे प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

अमित खरे को 31 मई 2018 को भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण सचिव के पद पर नियुक्त हुए और इसके बाद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव और उच्च शिक्षा सचिव के रूप में कार्य किया। खरे राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को तैयार करने और लागू करने वाली मुख्य टीम का हिस्सा थे।

मराठा आरक्षण के विरोध में ओबीसी-बंजारा व आदिवासी एकजुट हुए

मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने से अनुसूचित जाति-जनजाति व ओबीसी वर्ग चिन्तित

जालना, 14 सितंबर। महाराष्ट्र में अब मराठा आरक्षण का विरोध तेज हो गया है। मराठों को आरक्षण देने के लिए जारी सरकारी आदेश के विरोध में जालना जिले में ओबीसी-बंजारा और आदिवासी संगठन ने विरोध प्रदर्शन की तैयारी की है। संगठनों का कहना है कि राज्य सरकार जब तक मराठा आरक्षण गवरमैंट रैजोल्यूशन (जी.आर.)को वापस नहीं लेती, तब तक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र और कोटा प्राप्त करने की अनुमति देने वाले हैदराबाद राजपत्र के कार्यान्वयन से अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। कुनबी एक कृषि प्रधान समुदाय, महाराष्ट्र में ओबीसी वर्ग का हिस्सा है।

■ धाराशिव निवासी बंजारा स्नातक ने शनिवार को एसटी आरक्षण की मांग पर आत्महत्या की। ओबीसी नेताओं ने 10 अक्टूबर को नागपुर में एक विशाल मोर्चा निकालने का संकल्प लिया है।

बंजारा संगठन गोर सेना के अध्यक्ष संदेश चव्हाण ने कहा कि हमें अनुसूचित जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया था और हैदराबाद राज्य में आरक्षण प्राप्त था। हम चाहते हैं कि हमारे समान अधिकार बहाल हों।

धाराशिव निवासी 32 वर्षीय बंजारा स्नातक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। उसने अपने पीछे एसटी आरक्षण की मांग करते हुए एक नोट छोड़ा था। ग्यारह सितंबर से बंजारा युवा जालना कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। जबकि वरिष्ठ नेता हरिभाऊ राठौड़ ने 15 सितंबर को जालना और बीड में मार्च निकालने की घोषणा की है।

आदिवासी संगठनों ने बंजारा समुदाय की मांग का विरोध किया है और दावा किया है कि बंजारा समुदाय को विमुक्त जाति और घुमंतू जनजाति (वीजेएनटी) खंड के तहत पहले से ही 3 प्रतिशत कोटा का लाभ मिल रहा है। ओबीसी कार्यकर्ता नवनाथ वाघमारे और सतसुंग मुंधे ने चेतावनी दी कि आरक्षण बढ़ाने से ओबीसी श्रेणी में पहले से सूचीबद्ध 374 जातियों के अधिकार खतरे में पड़ जाएंगे। ओबीसी नेताओं ने 10 अक्तूबर को नागपुर में एक विशाल मोर्चा निकालने का संकल्प लिया है।

वहीं मराठा क्रांति मोर्चा के राज्य समन्वयक संजय लाखे पाटिल ने भी जारंगे के खिलाफ बोलते हुए दावा किया है कि उन्हें हैदराबाद राजपत्र के बारे में कोई गहन जानकारी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल कुनबी रिकॉर्ड वाले मराठों को ही लाभ मिलेगा। सरकार मराठों को धोखा दे रही है।

मराठवाड़ा क्षेत्र हैदराबाद के निजाम के अधीन था। उनके प्रशासन ने राजपत्र में जातियों और व्यवसायों का दस्तावेजीकरण किया था। 1918 में मराठों को शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण दिया गया था। जो एक ऐसी मिसाल है जिसका इस्तेमाल अब उनके ओबीसी दावे के समर्थन में किया जा रहा है। उस समय निजाम का शासन 17 जिलों पर था, जिनमें से पांच, औरंगाबाद, बीड, नांदेड़, परभणी और उस्मानाबाद, बाद में महाराष्ट्र का हिस्सा बन गए।

'संगीतकार इलैयाराजा को भारत रत्न दें'

चेन्नई, 14 सितंबर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्र सरकार से महान संगीतकार इलैयाराजा को भारत रत्न से सम्मानित करने का आग्रह किया है।

राज्य सरकार द्वारा रविवार को चेन्नई में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा "मैं यह अनुरोध केवल फिल्म उद्योग में इलैयाराजा के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नहीं कर रहा हूं, मैं ऐसा तमिलनाडु के लोगों की ओर से भी नहीं, बल्कि विश्व भर में उनके प्रशंसकों की ओर से भी कर रहा हूं।"

■ मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र सरकार से आग्रह किया।

उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार संगीत के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले युवा संगीतकारों के लिए उनके नाम पर एक वार्षिक अवार्ड "इसैग्नानी इलैयाराजा पुरस्कार" देगी। संगीतकार की महानता को याद करते हुये मुख्यमंत्री ने जिक्र करते हुए कहा कि वे इलैयाराजा के लंदन दौरे से पहले उनके घर उन्हें सम्मानित करने गये थे। गौरतलब है इलैयाराजा ने लंदन के प्रसिद्ध रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा में अपनी प्रस्तुति दी थी। उन्होंने कहा " आम तौर पर मुख्यमंत्री से अनुरोध किया जाता है। लेकिन मैं इलैयाराजा से एक अनुरोध करना चाहता हूँ कि वे संगम की शास्त्रीय रचनाओं को संगीत के माध्यम से जीवित करें। इससे इन प्राचीन कृतियों को अगली पीढ़ ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।" इस अवसर पर अभिनेता रजनीकांत और कमल हासन के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने संगीतकार इलैयाराजा की प्रशंसा की, जिन्होंने इस अवसर पर एक संगीत प्रस्तुत दी।

सेमीकंडक्टर, बायोएथनॉल तथा ईंधन संयंत्रों से असम का विकास होगा : मोदी

प्रधानमंत्री ने रिफायनरी संयंत्र के उद्घाटन के बाद विशाल जनसभा को संबोधित किया

नुमालीगढ़ (असम), 14 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि असम का विकास उनकी सरकार की प्राथमिकता है और राज्य में सेमीकंडक्टर संयंत्र, बायोएथेनॉल तथा ईंधन संयंत्रों के जरिये असम को देश के विकास का आधार बनाया जाएगा।

■ प्रधानमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे समुद्री क्षेत्र में ईंधन का भंडार है और उसके दोहन के लिए हम तेजी से कदम उठा रहे हैं।

■ मोदी ने कहा कि वाराणसी के बाबा विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तरह माता कामाख्या मंदिर का कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है।

मोदी ने पूर्वोत्तर के दो दिन के दौरे के आखिर दिन रविवार के यहां रिफाइनरी संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए आज के दिन को असम के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि असम को आज 18 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं दी गई हैं। असम में जहां प्लास्टिक के समान को आधुनिक तरीके से तैयार करने के लिए पोलीप्रोपाईलीन संयंत्र दिया गया है वहीं बायोएथानाल तथा रिफाइनरी को आधुनिक बनाने के संयंत्र दिए गए हैं। उनका कहना था कि सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में असम को विकास के आधार का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाया जा रहा है।

मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत तेजी से विकसित हो रहा है उसके लिए गैस, बिजली, ईंधन की जरूरत बढ़ेगी। इसलिए हम अब ईंधन क्षेत्र में और स्वच्छ ऊर्जा के लिए अपने सामर्थ्य को नई दिशा दे रहे हैं। हमारे समुद्री क्षेत्र में विशेषज्ञों के अनुसार ईंधन का भंडार है उसके दोहन लिए हम तेजी से कदम उठा रहे हैं। सौर ऊर्जा के मामले में हम तेजी से आगे बड़े हैं और हम दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि असम में जो बायोएथनॉल संयंत्र लगाया गया है उससे यहां किसानों को फायदा होगा और किसानों को खेती करने में मदद मिलेगी। उनका कहना था कि असम में हर साल 200 करोड रुपए किसानों के हित में खर्च किये जाएंगे।

उन्होंने कामाख्या मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि माता कामाख्या के मंदिर में कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। यह कॉरिडोर ठीक उसी तरह से होगा जैसा वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। इससे श्रद्धालुओं को माता के दर्शन में आसानी होगी। पॉलीप्रोपाईलीन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे प्लास्टिक का सामान बनता है जो हर घर में इस्तेमाल होता है। केंद्र सरकार ने असम को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोलाघाट में पोलीप्रोपाइलीन संयंत्र बनाया जा रहा है जिससे आधुनिक तकनीकी से इसका यहां निर्माण होगा। मोदी ने गोलाघाट में पालीप्रोपाइलीन संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन भी किया।

समारोह को पेट्रोलियम मंत्री हरजीत सिंह तथा असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने भी संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया

नई दिल्ली, 14 सितंबर। असम के उदलगुरी में रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के डर से लोग अपने घरों को छोड़कर बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने यह जानकारी दी।

एनसीएस के मुताबिक, भूकंप रविवार शाम 4 बजकर 41 मिनट पर आया और इसका केंद्र 5 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं।

■ रविवार शाम 4:40 बजे आये भूकंप में कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

एनसीएस के मुताबिक भूकंप के झटके असम के साथ-साथ बंगाल और भूटान में भी महसूस किए गए है।

कांस्टेबल भर्ती : भतीजे की जगह परीक्षा देने पहुँचा चाचा गिरफ्तार

जयपुर, 14 सितंबर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान पुलिस की कांस्टेबल भर्ती-2025, के तहत एक डमी कैंडिडेट को गिरफ्तार किया है, जो अपने भतीजे की जगह पुलिस कांस्टेबल भर्ती का पेपर देने पहुंचा था। आरोपी बायोमेट्रिक जांच के दौरान पकड़ा गया। आरोपी चाचा भूपेंद्र और भतीजे धर्मवीर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अपने भतीजे की जगह डमी कैंडिडेट बनकर पहले भी कई प्रतियोगिता परीक्षा दे चुका है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

■ पुलिस जाँच के अनुसार, आरोपी अपने भतीजे की जगह पहले भी कई प्रतियोगी परीक्षा दे चुका है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) ने बताया कि मुरलीपुरा के शहीद हिम्मत सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती का परीक्षा सेंटर था। जिसमें आरोपी भूपेंद्र गुर्जर का रोल नंबर व सेंटर कोड व सेंटर का नाम सहित बायोमेट्रिक कैप्चर व फोटो पाया गया। बायोमेट्रिक में पाया गया कि वह महावीर वर्धमान ओपन यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित परीक्षा में अन्य नाम से सम्मिलित हुआ है। इसके बाद भूपेन्द्र से पूछताछ की गई। तकनीकी सहायता से 1 जून-2025 को अपनी बायोमेट्रिक अपने भतीजे धर्मवीर के नाम पर प्री डी एल एड (डिप्लोमा इन एलिमेंटरी एजुकेशन) परीक्षा में यूज की थी। भतीजे की जगह डमी कैंडिडेट बैठकर उसको प्रतियोगिता परीक्षा पास करवाई थी। जिससे धर्मवीर बिना परीक्षा के ही वर्तमान में केबीएम टीचर ट्रेनिंग कॉलेज बोंली सवाई माधोपुर में बेसिक स्कूल ट्रेनिंग कोर्स कर रहा है।

विचार बिन्दु

श्वास की क्रिया के समान हमारे चरित्र में एक ऐसी सहज क्षमता होनी चाहिए। जिसके बल पर जो कुछ प्राप्य है वह अनायास ग्रहण कर लें और जो त्याज्य है वह बिना क्षोभ के त्याग सकें। –टैगोर

बेहतर कल की तरफ बढ़ता हमारा देश

भारत में हर दस बरस में जनगणना होती रही है। जनगणना से जो जानकारियां प्राप्त होती हैं उनका उपयोग देश की अद्यावधि प्रगति का आकलन करने के लिए तथा भावी योजनाओं के निर्माण के लिए होता है। हमारे देश में अब तक आखिरी दफा जनगणना सन् 2011 में हुई थी। इसके बाद वाली जनगणना सन् 2021 में होनी थी परंतु कोविड महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। अब कोविड तो अतीत हो चुका है परंतु जनगणना की कोई आहट सुनाई नहीं दे रही है। कुछ अपुष्ट सूत्रों के अनुसार देश की आगामी दशकीय जनगणना सन् 2026–27 में हो सकती है। लेकिन इस बीच अन्य अनेक सूत्रों से विभिन्न जानकारियां प्राप्त होती रहती हैं जो हमें अपने देश के वर्तमान और भविष्य के बारे में विचार करने के लिए प्रामाणिक स्त्रोत उपलब्ध कराती हैं। ऐसी ही कुछ जानकारियां हमें रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया द्वारा ज़ारी सेंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (संक्षेप में एसआरएस) की सन् 2023 की रिपोर्ट से मिली हैं। बता दूं कि सन् 2023 की यह रिपोर्ट सितम्बर, 2025 में ज़ारी हुई है इसलिए यही नवीनतम रिपोर्ट है। यहीं यह भी बता दूं कि भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त द्वारा करवाया जाने वाला यह सर्वेक्षण दुनिया के सबसे विशाल जनसांख्यिकी सर्वेक्षणों में एक माना जाता है।

इस एसआरएस रिपोर्ट में भारत और इसके राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए मुख्यत: जन्म दर, मृत्यु दर, प्राकृतिक विकास दर और शिशु मृत्यु दर की विस्तृत विवेचना प्रस्तुत की गई है। कहना अनावश्यक है कि जनगणना के आंकडों के अभाव में ये आंकड़े भी हमें अपने देश की प्रगति और भावी योजनाओं के बारे में विचार करने में सहायक साबित होंगे। इस रिपोर्ट से सबसे अहम जानकारी तो यह मिलती है कि देश ने अपनी जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने में भारी सफलता प्राप्त की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच दशकों में देश की जन्म दर में भारी कमी आई है। 1971 में जन्म दर 36.9 थी जो 2023 में घटकर 18.4 रह गई है। केवल इतना ही नहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की जन्म दर के बीच का फासला भी काफी कम हुआ है। पांच दशक पहले ग्रामीण क्षेत्रों की जन्म दर शहरी क्षेत्रों की जन्म दर की तुलना में बहुत ज़्यादा थी। अब ऐसा नहीं रह गया है, हालांकि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में जन्म दर अभीभी ज़्यादा है। सन् 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में सर्वाधिक जन्म दर 25.8 बिहार में है जबकि सबसे कम जन्म दर 10.1 अंडमान निकोबार में है। हम अपने राजस्थान की बात करें तो यहां जन्म दर 22.9 है। शहरी क्षेत्रों में यह 20.1 है तो ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ अधिक, 23.9 है। जन्म दर की गणना के साथ-साथ लिंगानुपात की गणना भी की जाती है। लिंगानुपात का आशय यह होता है कि प्रति एक हज़ार पुरुष शिशुओं के सामने कितनी बालिका शिशु हैं। सन 2020–22 में जहां यह अनुपात 914 था वहां 2023 में यह बढ़कर 917 हो गया है। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 925 है जबकि ठाामीण क्षेत्रों में 914 ही है। सर्वाधिक छत्तीसगढ़ में 974 है तो सबसे कम उत्तराखण्ड में 868 है। इसका आशय यह है कि अब पहले की तुलना में ज़्यादा बच्चियां इस दुनिया में आ रही हैं। भारत में गर्भ में लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या की चर्चाओं के संदर्भ में यह वृद्धि उत्साहवर्धक है।

सारी अन्य बातों के देश एक बेहतर कल की तरफ बढ़ रहा है। हो सकता है उसके बढ़ने की गति हमारी अपेक्षाओं से कम हो, यह निश्चित है कि वह बढ़ रहा है। हम यही कामना कर सकते हैं कि आगे बढ़ने की यह गति और अधिक तेज़ हो और हमारी सरकारें इस मानव संसाधन का अधिक सार्थक उपयोग करे और इस आबादी को बेहतर ज़िंदगी देने के अपने प्रयासों को और अधिक गति दे।

जन्म दर की चर्चा मृत्यु दर की चर्चा के बग़ैर अधूरी है। असल में तो जन्म दर और मृत्यु दर दोनों को मिलाकर ही यह समझा जाता है कि जनसंख्या बढ़ रही है या घट रही है। मृत्यु दर की गणना के परिणाम को ऐसे समझा जाना चाहिए कि किसी एक ख़ास इलाके में प्रति एक हज़ार लोगों में से कितने काल का ग्रास बन रहे हैं, वही वहां की मृत्यु दर कहलाती है। यह जानना सुखद है कि पिछले पांच दशकों में हमारे देश में मृत्यु दर में भी काफी कमी आई है। इसका श्रेय बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वास्थ्य के प्रति लोगों की बढ़ी हुई जागरूकता और बेहतर जीवन स्थितियों को दिया जा सकता है। 1971 में देश में मृत्यु दर 14.9 थी जो 2023 में घटकर 6.4 रह गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह इसी अवधि में 7.2 से घटकर 6.8 और शहरी क्षेत्रों में 6.0 से 5.7 हुई है। अपने राजस्थान में वर्तमान मृत्यु दर 5.9 है। शहरों में यह 5.6 है तो ग्रामीण क्षेत्रों में 6.0 है। 2023 में सर्वाधिक मृत्यु दर 8.3 छत्तीसगढ़ में तो सबसे कम 4.0 चंडीगढ़ में पाई गई है। और जब हम मृत्यु दर की बात कर रहे हैं तो शिशु मृत्यु दर की चर्चा भी कर लेनी चाहिए। असल में शिशु मृत्यु दर को स्थूल रूप से किसी देश या क्षेत्र विशेष का समग्र स्वास्थ्य परिचायक तथ्य माना जाता है। किसी ख़ास इलाके में होने वाले एक हज़ार जन्मों में से एक वर्ष तक की आयु वाले कितने बच्चे काल कवलित हो जाते हैं उसी संख्या को शिशु मृत्यु दर कहा जाता है। यह देखना बहुत आश्वस्तिदायक है कि जहां 1971 में यह शिशु मृत्यु दर 129 थी वहीं 2023 में यह बहुत कम होकर मात्र 25 रह गई है। हालांकि यह संख्या भी उपेक्षणीय नहीं है, यह देखा जाना चाहिए कि हम कहां से कहां आ सके हैं। पिछले एक दशक में ही हमारी शिशु मृत्यु दर 40 से घटकर 25 हुई है। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर 28 और शहरी क्षेत्रों में 18 है। राजस्थान में यह शिशु मृत्यु दर ठाामीण क्षेत्रों में 31, शहरी क्षेत्रों में 23 और समग्रत: 29 है। देश में सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर 37 छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में है जबकि सबसे कम शिशु मृत्यु दर केवल 3 मणिपुर में है। शिशु मृत्यु दर की एक और गणना अंडर 5 मृत्यु दर के रूप में भी की जाती है। पिछले केवल एक बरस में यह अंडर 5 मृत्यु दर 30 से घटकर 29 हो गई है। यहां यह बात ख़ास तौर पर ग़ौर तलब है कि इस उत्साह बढ़ाने वाली गिरावट के बावज़ूद यह एक त्रासद तथ्य है कि राष्ट्रीय स्तर पर कम से कम हर चालीस में से एक शिशु अपनी उम्र का एक साल पूरा होने से पहले यह दुनिया छोड़ जाता है।

इस सर्वेक्षण की कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातें संक्षेप में ये हैं: सन् 2023 के सर्वेक्षण के अनुसार भारत की समग्र प्रजनन दर 1.9 है। समग्र प्रजनन दर का आशय यह है कि कोई स्त्री अपनी प्रजनन क्षमता वाले वर्षों में औसतन कुल कितने बच्चों को जन्म देगी। दूसरी बड़ी बात यह कि देश में 14 बरस तक की आयु वाले बच्चों की संख्या लगातार कम हो रही है, और इसी के बरक्स यह तथ्य भी कि कामकाजी उम्र (15 से 59) वालों की संख्या बढ़ रही है। जहां तक कामकाजी उम्र वालों की संख्या बढ़ने की बात है, 1971–81 वाले दशक में यह 53.4 प्रतिशत से बढ़कर 56.3 प्रतिशत हुई थी। इसके बाद 1991 से 2023 के बीच यह बढ़कर 66.1 प्रतिशत हो गई है। शहरी क्षेत्रों में कामकाजी उम्र के लोग 68.8 प्रतिशत हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों में उनसे थोड़े कम, 64.6 प्रतिशत हैं। सबसे ज़्यादा ये दिल्ली में हैं – 70.8 प्रतिशत जबकि सबसे कम 60.1 प्रतिशत बिहार में हैं। देश में न सिर्फ़ कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या बढ़ रही है, बुज़ुर्गों की संख्या भी बढ़ रही है। सन् 2023 में 60 बरस से ऊपर वालों की आबादी 9.7 प्रतिशत हो गई है। ऐसी आबादी केरल में सर्वाधिक, 15.1 प्रतिशत है। जहां कामकरने वालों की संख्या का बढ़ना देश के लिए शुभ लक्षण है वहीं वृद्धों की संख्या के बढ़ने का अर्थ देश के नीति निर्माताओं के दायित्व में वृद्धि है।

इनमें से अधिकांश जानकारियां यह बताती हैं कि बावज़ूद सारी अन्य बातों के देश एक बेहतर कल की तरफ बढ़ रहा है। हो सकता है उसके बढ़ने की गति हमारी अपेक्षाओं से कम हो, यह निश्चित है कि वह बढ़ रहा है। हम यही कामना कर सकते हैं कि आगे बढ़ने की यह गति और अधिक तेज़ हो और हमारी सरकारें इस मानव संसाधन का अधिक सार्थक उपयोग करे और इस आबादी को बेहतर ज़िंदगी देने के अपने प्रयासों को और अधिक गति दे।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

शतायु होने जा रहा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, पूर्णत: सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन या राजनीति में पूरा दखल

महावीर सिंह

27 सितंबर 1925 को स्थापित, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक ऐसा संगठन है जिसके संबंध में सार्वजनिक रूप से बहुत सी सही, बहुत सी गलत और बहुत सी भ्रामक सामग्री, बातें उपलब्ध है। एक साधारण से उदाहरण के लिए इसकी शाखाओं और सदस्य संख्या को ही ले ले -- इसके 40 लाख से अधिक स्वयं सेवक बताए जाते है और 70 से 80 हजार के बीच शाखाएं बताई जाती है। इसे विश्व का सबसे बड़ा स्वयं सेवक (वॉलंटियर्स का) संगठन बताया जाता है किंतु यह भी कि इसके सदस्यों का, शाखाओं की कोई अधिकृत, केंद्रीकृत सूचना कहीं मिलती नहीं है। गोपनीय रूप से होगी, सार्वजनिक तो नहीं है। यह भी अनुभव के आधार पर सही प्रतीत होता है कि जब केंद्र में या किसी प्रांत में भाजपा सरकार होती है तो शाखाओं की व स्वयं सेवकों की संख्या बहुत बढ़ती है और फिर कम भी होती रहती है। इसका एक समझ में आने आला कारण तो यह प्रतीत होता है कि कई लोग शाखा इस लिए ज्वाइन करते है कि उनके या उनके मिलने वालो के, सरकार से होने वाले काम कुछ आसानी से हो जाएं या छोटे स्तर पर कुछ लोग अपना राजनीतिक प्रभाव थोड़ा बढ़ा सकें। शाखाएं भी कई नामों वाली है जैसे प्रात: शाखाएं, सांयकालीन व मिलन शाखाएं, सप्ताह या महीने में एक बार एकत्र होकर चर्चा करने वाली शाखाएं आदि-आदि।

हर संगठन चाहे किसी कानून में पंजीकृत अथवा न हो किंतु उसकी कार्यविधि व संचालन की कोई न कोई नियमावली जरूर होती है किंतु की ऐसी नियमावली सार्वजनिक रूप से तो पढ़ने के लिए आसानी से उपलब्ध नहीं है। होगी, जरूर होगी, क्योंकि इतना बड़ा संगठन, 100 वर्ष से बिना सामान्य रूप से अन्य संगठनों में जो लड़ाई-झगड़े देखने को मिलते है वैसे RSS के संबंध कभी सुनने को नहीं मिलते। इसलिए निष्कर्ष यही मानना चाहिए कि नियमावली है किंतु शायद, सामान्य आदमी के पढ़ने के लिए उपलब्ध नहीं।

मुख्य संगठन जिसे के नाम से जाना जाता है। उसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले 50 से अधिक राष्ट्र स्तर पर, अंतरराष्ट्रीय सहयोगी या आनुषंगिक संगठन है। 200 से अधिक संगठन क्षेत्रीय स्तर पर काम करते है। अनुषांगिक संगठन संघ की मुख्य विचारधार (हिंदुत्व व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद -- वो जो भी हैं!!) को ध्यान में रख कर उसी के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में काम करते है।

कुछ राष्ट्रीय स्तर के सहयोगी संगठन हैं:-- सेवा भारती, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, राष्ट्र सेविका समिति, सहकार भारती, हिंदू स्वयं सेवक संघ, लघु उद्योग भारती, स्वदेशी जागरण मंच, क्रीड़ा भारती, विद्या भारती, विवेक नंद केंद्र, भारतीय किसान संघ, अखिल भारतीय मजदूर संघ, बजरंग दल, गौ रक्षक दल आदि-आदि। कुछ लोगों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी भी RSS का एक सहयोगी, अनुषांगिक संगठन ही है। है या नहीं यह निष्कर्ष, व भाजपा के बड़े नेताओं के विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर दिए जाने वाले बयानों से पाठक स्वयं निकाले।

विश्व हिंदू परिषद देश व अंतर्राष्ट्रीय स्तर हिंदुत्व विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए काम करती है।1984 में स्थापित बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद की युवा सखा है। गौ रक्षा दल, हिंदू वाहिनी के भी RSS से संबंध हैं।

RSS के अनुसार उसके अनुषांगिक संगठन समाज के वंचित समुदायों, कमजोर आर्थिक स्थिति वालों, कच्ची बस्तियों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता संबंधित कार्य करते है। धार्मिक मुद्दों व हिंदुत्व के मुद्दों पर काम भी इन संगठनों के जरिए ही किया जाता है। इसके अतिरिक्त RSS के लोग एक शब्द बहुदा काम लेते है वह है प्रकल्प। इसके विभिन्न संगठन विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं और जन सहयोग से RSS के उद्देश्यों (हिंदुत्व) के अनुरूप जनोथान के प्रोजेक्ट्स चलाते है। इन्हें प्रकल्प कहते है। इनकी सही सही संख्या तो नहीं पता किंतु RSS के जानकार, प्रवक्ता व अन्य लोग 2 से 4 लाख प्रकल्प बताते रहते है। संघ का मानना है कि उनके संगठन प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य भी करते है। करते ही होंगे किंतु अभी देश के बहुत से भाग भयंकर बाढ़ का प्रकोप झेल रहे है, करोना कि आपदा आई, इन संगठनों का कोई बड़े पैमाने पर वैसा काम देखने को नहीं मिला जैसा कई अन्य धार्मिक संगठनों यथा विभिन्न गुरुद्वारों ने किया वैसा।

RSS का एक मुस्लिम विचार मंच भी है जिसका उद्देश्य मुसलमानों कोंएए में शामिल करना है। कई बारेंएए मुसलमानों से धर्म परिवर्तन कर मूल धर्म में वापसी के भी आधे अधूरे, बिना इस से उत्पन होने वाली समाजिक कलिष्ठताओं पर गहन विचार किए अस्पष्ट विचार छोड़ता रहता है।

इस संगठन से जुड़ा एक बड़ा विवाद इसके किसी सोसाइटी अथवा ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत न होना भी रहा है। इस संबंध में कोई बड़ी जानकारी मुझे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हुई। कई बार इस संगठन के जानकारों के विचार टीवी, अखबारों में पढ़ने सुनने को मिलते है, उनके आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि RSS किसी भारतीय कानून के अनुसार पंजीकृत संस्था नहीं है। RSS के कई पुराने स्वयं सेवक कहते मिल जाएंगे कि भारतीय संस्कृति व उसके मूल्यों तथा राष्ट्रवाद जागृत करने के पुनीत कार्य करने के लिए पंजीकरण आदि के सरकारी लफ़ड़ों में फंसने की कभी कोई आवश्यकता ही महसूस नहीं हुई। RSS का काम बिना पंजीकरण के ज्यादा सरलता व सुविधाजनक तरीके से 100 वर्षों से चल रहा है।

हर प्रकार की सरकारों देश ने देखली, इस मुद्दे पर कोई कानूनी बाध्यता होती तो सरकारें कभी कोई आपत्ति करती नींएए पर 3,4 बार सरकारी बैन भी लग गए तो भी कुछ नहीं हुआ अर्थात स्वैच्छिक स्वयं सेवी RSS की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व राष्ट्रवाद की गतिविधियों को चलाने के लिए किसी प्रकार के पंजीकरण की आवश्यकता नहीं। इंकमटैक्स एक्ट की धारा 10(23c) के अनुसार लाभ नहीं कमाने वाले चैरिटेबल संगठनों पर इंकमटैक्स की भी देयता नहीं बनती।

RSS जानकारों का कहना है कि जो अनुषांगिक संगठन जन हित के कार्य करते है और किसी प्रकार की बाह्य आर्थिक सहायता लेते है वे सब आवश्यक कानूनों के अनुसार सारी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करके ही कार्य करते है। प्राप्त सहायता का लेख, अंकेक्षण सब यथा विधि पूर्ण कराए जाते है।

कुछ ऐसे मुद्दे जो RSS का कभी पीछा नहीं छोड़ते :-- 1914 से 1919 तक चला प्रथम विश्वयुद्ध समाप्त हुआ। उसका परिणाम था तुर्की में नया शासन, खलीफा का महत्व समाप्त, मध्य एशिया के मुस्लिम क्षेत्रों का विजेताओं के अनुरूप विभाजन, नई सीमाएं। इसका परिणाम था बड़े पैमाने पर मुस्लिम जगत में अशांति। भारत में भी इसका प्रभाव पड़ा। भारत में इस 1920 से 1930 की अवधि में कई हिंदू-मुस्लिम दंगे हुए। 1919 के जलियांवाला गोलीकांड के भयंकर नरसंहार के बाद, 1920 से 1930 का काल आजादी से पूर्व भारत के लिए एक झकझोरने वाला त्रासदियों का काल रहा है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की नई चेतना, आजादी के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, गांधीजी के रूप में भारत में RSS हिंदू मुस्लिम एकता चाहती थी। गांधीजी के रूप में देश में नया नेतृत्व पनप रहा था जिसका मूलमंत्र था अंग्रेजी सरकार से अहिंसात्मक असहयोग तथा अन्यायपूर्ण आदेशों, विदेशी माल का बहिष्कार। कुछ अतिवादी तत्व गांधीजी के इन प्रयासों के विरुद्ध थे।

इसी काल में संघ के संस्थापक हेडगेवारजी में भी कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा शुरू की किंतु शीघ्र ही उनका गांधीजी व कांठोस की नीतियों से मोहभंग हो गया। इसकी परिणीति थी RSS का गठन। वैसे कांग्रेस ने तो 1934 में अपने सदस्यों पर, मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा के सदस्य होने पर रोक लगा दी थी। बहुत से इतिहासकारों का मानना है कि डाक्टर हेडगेवार के नेतृत्व में इक्कठे होने वाले स्वयं सेवको ने खुद को कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे स्वतंत्रता आंदोलन से दूर रखा। हेडगेवारजी की विचारधारा हिन्दुओं को संगठित करके, हिंदूधर्म विरोधी ताकतों से हिंदुओं को अपनी रक्षा करने, अपनी संस्कृति और हिंदू मूल्यों(हिंदुत्व) की रक्षा व प्रसार करने के लिए प्रेरित करना था।इसकी परिणीति हिंदू राष्ट्र के रूप में करने की थी। इसे हिंदू प्रभुत्व स्थापित करने की आकांक्षा भी कह सकते है। सही, गलत या आंशिक सही, किंतु RSS की स्थापना के समय से ही इस पर मुस्लिम विरोधी होने का आरोप लगता आया है जिसे RSS कभी नहीं मिटा पाया या राजनीतिक प्रभुत्व बनाई रखने के लिए, स्वयं इसे मिटाना चाहता नहीं।

स्थापना के समय से ही RSS पर आरोप लगा है कि आजादी के आंदोलन से संगठन ने दूरी बनाके रखी, सक्रिय रूप से भाग नहीं लिया और हमेशा उपनिवेशी ताकत के साथ सहयोगात्मक रुख अपनाया। यद्यपि अप्रैल 1930 के नमक सत्याग्रह में डाक्टर हेडगेवार में भाग लिया था। कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन के निर्णय अनुसार 36 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाया, उसमें RSS ने भाग लिया किंतु वह अंतिम बार था। शायद RSS का मानना था कि वह जिस राष्ट्र, चरित्र निर्माण के उच्चतर उद्देश्य की प्राप्ति में लगा है उसके लिए जरूरी था कि उसका कोई काम ब्रिटिश विरोधी न लगे और सरकार उसके काम में अवरोध उत्पन्न करे।

RSS से जुड़ी कुछ अन्य धारणाएं है कि इस संगठन में संविधान सभा द्वारा अपनाए गए राष्ट्र ध्वज तिरंगे ध्वज को कभी में से स्वीकार नहीं किया। इसे अशुभ माना गया। यह संगठन इसके स्थान पर केसरिया ध्वज जो सामान्यत किसी मंदिर, धार्मिक स्थान पर देखने को मिलता है, उसे राष्ट्र ध्वज चाहते थे।इस संगठन ने अपने नागपुर स्थित मुख्यालय पर वर्ष 2000 से पहले तिरंगा फहराया भी नही,यह आरोप भी लगता हैंएए के शीर्ष नेताओं में भारत के संविधान के लिए भी सार्वजनिक रूप से कहा कि इसमें भारतीय शास्त्रीय व सांस्कृतिक मूल्यों का कोई समावेश नहीं यह पश्चिमी देशों के संविधानों की नकल है। यह सब बातें उस समय केंएए के मुखपत्र ऑर्गनाइजर आदि में छपे लेखों के आधार पर कही जाती है।

आपने शायद यह कई बार सुना होगा कि भाजपा, RSS का ध्येय, सपना अखंड भारत स्थापित करने का है। यह कभी स्पष्ट नहीं किया जाता कि कौन सा अखंड भारत --चन्द्रगुप्त मौर्य या महान सम्राट अशोक या समुद्रगुप्त या चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य या कनिष्क या हर्ष या हम्पी का विजयनगर साम्राज्य या चोल राजाओं का साम्राज्य या किसी अन्य राजा के समय जो सीमाएं थी उन्हें अखंड भारत की सीमाएं मानकर प्रयास कर रहे है?? और एक वाक्य बोलने के अतिरिक्त क्या प्रयास किया?इसे कभी स्पष्ट नहीं किया जाता। हमेशा भ्रम बनाए रखा जाता है।

RSS शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस,ज्येष्ठ शुक्ला त्रयोदशी को, हिंदू साम्राज्य दिवस उत्सव मनाती है,क्या इसमें अखंड भारत की झलक मिलती है? विस्तार की दृष्टि से तो शिवाजी महाराजा के राज्य की सीमाएं, ऊपर उल्लेखित किसी भी साम्राज्य की तुलना में, बहुत सीमित थी। ंएए के अनुसार वह साम्राज्य सुशासन का प्रतीक था जिसमें निर्णय अमात्यों के साथ चर्चा कर सहमती से किए जाते थे। यदि मुगलों से सामना करने की बात के आधार पर कोई उत्सव मनाया जाए तो फिर महाराणा प्रताप और महाराजा सूरजमल ने भी डटकर मुगलों का सामना किया था।

RSS से या किसी से भी, एक प्रश्न है कि क्या आज के संवैधानिक भारत की तुलना में इन में से कोई भी राज्य श्रेष्ठ था और कैसे? आम आदमी को जो संवैधानिक अधिकार आज हैं वैसे किसी ओर काल खंड में थे??

एक अन्य मुद्दा जो कई बार जन चर्चा में उछला जाता है, वह है कि उस समय के आजादी के सेना नायकों ने राज्य की लालसा की जल्दबाजी में भारत का विभाजन स्वीकार किया।और क्या विकल्प हो सकता था, इसको हमेशा अस्पष्ट रखा जाता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन की हैसियत एक आर्थिक, सामरिक महाशक्ति वाली नहीं रही। उसको हिंदुस्तान से अपना बोरिया बिस्तर समेटना ही था। अंग्रेजों ने ब्रिटिश पार्लियामेंट में इंडिपेंडेंस एक्ट पारित कर दिया था। उन्होंने देशी रियासतों को एक विकल्प यह भी दे दिया कि वे स्वतंत्र रह सकते थे।

560 से ऊपर देशी राज्यों के लिए ंएए के पास क्या विकल्प था? क्या उन्हें स्वतंत्र रहने दिया जाता?? क्या गांव, देहात, कच्ची बस्तियों गरीब,मजदूर किसानों को निरंकुश रजवाड़ों की दया पर ही छोड़ दिया जाता? क्या इन रजवाड़ों को विभाजन स्वीकार करने वाले नेताओं ने ही भारत संघ में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया? देशी रियासतों के लोगों के प्रतिनिधियों को संविधान निर्मात्री सभी में शामिल कर के देशी रजवाड़ों को साफ संदेश दे दिया था कि वे, उनमें इतनी क्षमता नहीं है कि आजादी के जंग से जुड़ी जनता के आक्रोश को वे सहन नहीं कर पाएंगे। यह नहीं भूलना चाहिए कि देशी रियासतों की राजव्यवस्था उस समय के अभिजात वर्ग की अत्यंत अनुकूल थी और गरीब जनता के पास कोई अधिकार नहीं थे या नुमाइशी तोर पर नाम मात्र थे। हिंदू महासभा में इसी अभिजात वर्ग के लोग जी थे।

वैसे कुछ निष्पक्ष इतिहासकारों का मानना है कि भारत विभाजन के लिए ब्रिटेन, हिंदू महा सभा के अग्रणी नेता, जिन्ना और मुस्लिम लीग वो दामोदर सावरकर के द्वि राष्ट्र के विचार या हिंदू-मुस्लिन दो राष्ट्र के विचार दोषी थे?

कुछ लोग प्रश्न पूछ लेते है, RSS में महिलाओं का क्या स्थान है? RSS के जानकार केवल यह कहते है कि महिलाओं के लिए महिला राष्ट्र सेविका समिति अनुषांगिक संगठन है। किंतु यह इसका उतर नहीं हो सकता कि क्या कभी कोई महिलांएए की सरसंघ चालक या सहकार्यवाह बन सकती हैं क्या??

इसी प्रकार पूछने वाले तो पूछते ही रहते है कि सरसंघ चालक का चयन कैसे होता है? आज से करीब 6,7 साल पहले दिल्ली के विज्ञान भवन में RSS के बारे में जानकारी देने के लिए एक कार्यक्रम था। उसमें यही प्रश्न श्री मोहन भागवत जी से पूछा गया था। उनका उतर था.....किसी में मेरा चयन किया, किसी को मैं चुन लूंगा.....खैर यह रस का आंतरिक मामला है और स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि सरसंघचालक का चुनाव वर्तमान सरसंघ चालक के मनोनयन को प्रतिनिधि सभा द्वारा अनुमोदन (जो मात्र औपचारिकता होती है) से होता है। पद की कोई समयावधि नहीं होती। जब सरसंघ चाहेंगे तब वे स्वयं पद छोड़ देते है। इसी प्रकार समय समय पर कुछ ओर भी विचार उछाले जाते है जैसे हिंदुओं, मुसलमानों का DNA एक ही है, हिंदुस्तान में रहने वाला हर आदमी हिंदू है, हिंदुओं की वजह से ही भारत धर्म निरपेक्ष है वगैरा। लगातार अस्पष्ट, भ्रामक बयान देते रहना RSS की सोची-समझी रणनीति होती है ताकि राजव्यवस्था में हिंदुओं और मुख्यत पूर्व वाले अभिजात वर्ग का प्रभुत्व बना रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आई ए एस

त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिये विशेष ट्रेनों का संचालन

कोटा, (निसं)। त्यौहारी मौसम में यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा गांधीधाम-सियालदह-गांधीधाम के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09437 गांधीधाम-सियालदह का संचालन दिनांक 17, 24 सितम्बर एवं 1, 8 अक्टूबर 2025 को 4 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन गांधीधाम स्टेशन से प्रत्येक बुधवार शाम 18.25 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में गुरुवार को 7.38 बजे भवानीमंडी, 8.03 बजे रामगंजमंडी, 9.10 बजे कोटा, 11.30 बजे गंगापुर सिटी एवं 13.28 बजे बयाना स्टेशनों पर ठहरते हुए शुक्रवार 16.15 बजे सियालदह पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09438 सियालदह-गांधीधाम का संचालन दिनांक 20, 27 सितम्बर एवं 4, 11 अक्टूबर 2025 को कुल 4 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन सियालदह स्टेशन से प्रत्येक शनिवार प्रात: 5.15 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में रविवार को 5.45 बजे बयाना, 7.40 बजे गंगापुर सिटी, 10.25 बजे कोटा, 11.37 बजे रामगंजमंडी एवं 12.07 बजे भवानीमंडी स्टेशनों पर ठहरते हुए सोमवार तड़के 2.00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में गांधीधाम, समाखियाली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह, टुंडला, कानपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., भबुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं सियालदह स्टेशनों पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी। कोच संरचना-इस विशेष ट्रेन में 5 शयनयान श्रेणी, 10 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी एवं 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के डिब्बों सहित कुल 18 डिब्बे होंगे।

धनसोटी गांव में मृत्युभोज पर रोक लगाने का निर्णय

■ ग्रामीणों ने सामाजिक सुधार का निर्णय लिया

भरतपुर, (निसं)। महाराजा जवाहर सिंह स्मारक समिति भरतपुर ने तहसील कुम्हेर के गांव धनसोटी में मृत्युभोज रोकने की पहल की तथा बैठक में मृत्युभोज नहीं करने की निर्णय लिया गया। समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. उदयभान सिंह ने बताया कि गांव धनसोटी के जल सिंह फौजदार के पिता का स्वर्गवास हो गया था, जिसके लिए गांव वाले मृत्युभोज करने का मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि स्वर्गवासी पिता ने जिन्दगी भर कमाया, बच्चों का पालन-पोषण किया और सब कुछ यहीं छोड़ गये, इसलिए उनकी आत्मशान्ति के लिए मृत्युभोज करना आवश्यक है। समिति के हीरासिंह आर्य, ओमप्रकाश सोगरवाल व थान सिंह सोलंकी ने कहा कि परिजन की मृत्यु से परिवार में शोक होता है तथा मृत्युभोज के खर्चे के कारण गरीब लोगों की सम्पत्ति भी बिक जाती है अथवा कर्ज हो जाता है, जिसे कई सालों तक चुकाना पड़ता है। मृत्युभोज के बजाय स्वर्गवासी की याद में जन सुविधा के लिए विद्यालय में कक्षा कक्ष अथवा सामुदायिक भवन आदि बनवाये जा सकते हैं। इस पर समस्त ग्रामीणों ने सहमति दी तथा मृत्युभोज रोकने का निर्णय किया।

राशिफल

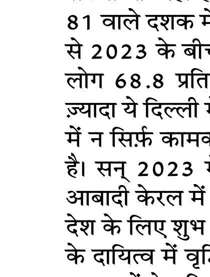

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 15 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र प्रात: 7:32 तक, व्यतिपात योग रात्रि 3:34 तक, तैतिल करण दिन 3:19 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-तुला, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग योग सूर्योदय से प्रात: 7:32 तक है। आज मृत नवमी, नवमी का श्राद्ध, सौभाग्यवतीना श्राद्ध, व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:47 तक, शुभ 9:14 से 10:51 तक, चर 1:54 से 3:25 तक, लाभ-अमृत 3:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:28

मेष

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

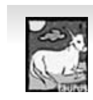

वृष

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण ातिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद और स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलतें कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मीन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा सम्पन्न, 3.76 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आजमाया भाग्य

दोनों दिन की परीक्षा में 72 प्रतिशत अभ्यर्थियों की रही उपस्थिति, परीक्षार्थी को तलाशी और बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया

जयपुर। राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10 हजार रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 13 और 14 सितंबर 2025 को आयोजित की गई लिखित परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके सम्पन्न हुई। इस परीक्षा के लिए 5 लाख 24 हजार 740 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। जिनमें से 3 लाख 76 हजार 902 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। दोनों दिनों में करीब 72 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने इसमें हिस्सा लिया।

- **शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद केन्द्रों के आस-पास, रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड जाने वाले रास्तों पर जाम लगा सीकर रोड से कलेक्ट्रेट सर्किल तक आने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे लगे**

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि रविवार को जिला पुलिस कांस्टेबल,इंटेलिजेंस, आरएसी, एमबीसी के कांस्टेबल सामान्य व चालक पद के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन प्रदेश के 21 जिलों में किया गया। प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक पहली पारी में 582 परीक्षा केंद्रों पर हुई और अपरान्ह 3 बजे से 5 तक दूसरी पारी में 21 जिलों के 580 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इन दोनों पारियों की परीक्षाओं में तीन लाख से कुछ अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए।

इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, जिनकी निगरानी पुलिस मुख्यालय में आइटी प्रशिक्षित अधिकारी लगातार देख रहे थे।

उल्लेखनीय है कि विज्ञापित पदों के अनुसार कांस्टेबल सामान्य नॉन टीएसपी के 8 हजार 512 पद, टीएसपी के 867, चालक नॉन टीएसपी के 503, टीएसपी के 47 और कांस्टेबल बैंड के 71 पद है। विज्ञापित पदों में 03 नवसृजित आरएसी महिला बटालियन अमृता देवी, कालीबाई व पदमनी देवी के कुल 1500 पदों एवं पुलिस दूरसंचार में कांस्टेबल आईटी के 1 हजार 469 पदों को सम्मिलित किया गया है। कांस्टेबल बैंड पद के अभ्यर्थियों के लिए लिखित परीक्षा का प्रावधान नहीं रखा गया है।प्रत्येक परीक्षार्थी को तलाशी और बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केन्द्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को निष्प्रभावी करने के लिए जैमर लगाए गए थे। परीक्षा केन्द्र पर ड्यूटी करने वाले स्टाफ को विशेष पहचान पत्र जारी किए गए ताकि किसी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोका।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि परीक्षा की पवित्रता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही थी। सभी 280 परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों से कवर किया गया था। पुलिस मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया, जहाँ आईटी प्रशिक्षित अधिकारी और कर्मचारी लाइव फुटेज की निगरानी कर रहे थे। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की मैनुअल और हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से सघन तलाशी ली गई। इसके अलावा सभी अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन भी किया गया। सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे मोबाइल, पेजर आदि) को निष्क्रिय करने के लिए जैमर लगाए गए थे। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध था। परीक्षा सामग्री (प्रश्न पत्र, ओएमआर शीट) को अस्थाई ट्रेजरी रूम में सुरक्षित रखा गया था, जो सीसीटीवी की निगरानी में थे और हथियारबंद गार्डों द्वारा सुरक्षित थे। सामठाी की लोडिंग और अनलोडिंग की पूरी प्रक्रिया की वीडियोठााफी भी की गई। पुलिस ने संगठित गिरोहों पर विशेष निगरानी रखी, जो स्मार्ट गैजेट्स (मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस) का उपयोग करके नकल कराने की कोशिश कर सकते थे।

शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद केन्द्रों के आस-पास, रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड जाने वाले रास्तों पर जाम लग गया। सीकर रोड से कलेक्ट्रेट सर्किल तक आने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे लग गए। यही हाल झोटवाड़ा, पानीपेच, बनीपार्क क्षेत्रों में भी रहा।

परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की मैनुअल और हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई व बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया।

मोबाइल पर मिलने का मैसेज दे घर से बुलाया, कैफे में ले जाकर नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर। करधनी थाना इलाके में कैफे में ले जाकर नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

मामले की जांच कर रहे एसीपी झोटवाड़ा सुरेंद्र सिंह राणावत ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाली महिला का आरोप है कि 10 सितम्बर की रात करीब 11 बजे परिचित दो लड़कों ने उसकी 14 वर्षीय बेटी के मोबाइल फोन पर मैसेज किया और मिलने का झांसा देकर उसे घर से बाहर बुलाया। जिसके बाद दोनो उसे बहला- फुसलाकर अपने साथ एक कैफे में ले गए। कैफे में जाकर दोनो लड़कों ने नाबालिग को अपने अन्य दो दोस्तों के हवाले कर दिया। जिसके बाद एक बदमाश ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों के चुगंल से मुक्त होने के बाद नाबालिग जैसे-तैसे अपने घर पहुंची और घटना की जानकारी अपनी माँ को दी। गुस्साई मां ने पीड़िता को थाने ले जाकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने महिला के बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

- **पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरु की**
- **विरोध करने पर आरोपी ने मारने की धमकी दी, आरोपी के चुगंल से निकलने के बाद घटना की मां को की जानकारी दी**

करणी विहार थाना इलाके परिचित ने नाबालिग को मिलने का झांसा देकर होटल में बुलाया और नश करवा कर उसके साथ छेड़छाड़ की। नाबालिग ने जब आरोपी की हरकतों का विरोध किया तो उसने नाबालिग को धमकाना शुरु कर दिया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होने नाबालिग को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया । पुलिस बयानों के आधार पर पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। मामले की जांच कर रहे थानाधिकारी हवासिंह ने बताया कि करणी विहार इलाके में रहने वाली महिला का आरोप है कि शुक्रवार को परिचित युवक ने नाबालिग बेटी को मिलने का झांसा देकर होटल में बुलाया और जबरन उसे नशा करवाया। नशा होने के बाद बेहोशी की हालत में आरोपी युवक ने नाबालिग से छेड़छाड़ करना शुरु कर दिया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। आरोपी के चुगंल से निकलने के बाद नाबालिग नशे की हालत में अपने घर पहुंची और घटना की जानकारी अपनी माँ को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद माँ अपनी नाबालिग बेटी को लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

सवाई सिंह धमोरा की स्मारिका व पुस्तक का विमोचन

जयपुर। इतिहासविद् व समाजसेवी स्व. सवाईसिंह धमोरा की स्मृति में रविवार को पांच बत्ती स्थित श्री राजपूत सभा भवन में 'पुस्तक विमोचन एवं स्मृति समारोह' का आयोजन किया गया। समारोह में स्व. सवाई सिंह धमोरा पर प्रकाशित एक स्मारिका और जमवाय माताजी पर उनके द्वारा लिखी पुस्तक "जय जमुवाय" का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम को महावीर सिंह सरवड़ी, पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा,राजवीर सिंह चलकोई,गुमानसिंह धमोरा,राजपूत सभा जयपुर अध्यक्ष रामसिंहचंदलाई, राजेंद्र सिंह बसेठ सहित कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बद्रीसिंह राजावत सम्पतसिंह धमोरा, गोविंद सिंह मुंडियावाससहित जोधपुर, अलवर, सीकर, झुंझनू, हरियाणा, दौसा, करोलीआदि जिलों व दूर दराज से आये हुए लोगों ने सवाई सिंह धमोरा को श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर परस्पर समाजबंधु धमोरा के व्यक्तित्व से संबंधित संस्मरणों पर चर्चा करते नजर आये।

कार्यक्रम में सवाई सिंह धमोरा के पैतृक गाँव धमोरा से बस व निजी वाहनों से काफी लोगों ने आकर शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर सवाई सिंह धमोरा के छोटे दोहिते दिग्वियसिंह मसूदा की दोनों पुत्रियों जागृति एंव कृतिका राठौड़ ने कविता के माध्यम से धमोरा के कृतित्व एंव व्यक्यित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पुस्तक मेला भी लगाया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने राष्ट्रदूत समाचार पत्र में भू स्वामी आंदोलन सहित सवाई सिंह धमोरा के लिखित लेखों का बार बार जिक्र किया। इस अवसर पर महिलाओं की काफी संख्या रही।

कार्यक्रम को लेकर कृष्ण वर्धन सिंह,नरेंद्र सिंह निमेड़ा,धमोरा के पोते नरेंद्र सिंह,अवधेश सिंह सहित स्वयसेवकों ने व्यवस्था संभाल रखी थी। सवाई सिंह धमोरा ने पत्रकारिता, लेखन, इतिहास और समाज सुधार के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया।राजस्थानी भाषा, साहित्य, राजपूत इतिहास और संस्कृति के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई. स्वतंत्रता के बाद के राजस्थान में वे राजपूत समुदाय की एक प्रभावशाली आवाज थे और कई सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

वक्ताओं के अनुसारसवाई सिंह धमोरा ने असाधारण लगन और समर्पण के बल पर उल्लेखनीय ऊंचाइयां हासिल कीं।

धमोरा ने अपने करियर की शुरुआत एक पत्रकार के रूप में की और जल्द ही राष्ट्रदूत सहित कई प्रमुख समाचार पत्रों के लिए एक प्रसिद्ध स्तंभकार बन गए. उनकी लेखनी में गहरी अंतर्दृष्टि और स्पष्टता झलकती थी. उन्होंने मासिक प्रकाशन संघ शक्ति के संपादक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राजपूत सामाजिक सुधार आंदोलनों का मुखपत्र था. पत्रकारिता के अलावा, उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) और दूरदर्शन के साथ भी काम किया, जहाँ उन्हें उनकी स्पष्ट प्रस्तुतियों और दमदार वॉयस वर्क के लिए सराहा गया।. 91 वर्ष की आयु तक भी वे राष्ट्रदूतसमाचार पत्रके लिए लगातार लिखते रहै।

धमोरा ने राजस्थानी और हिंदी दोनों भाषाओं में विपुल लेखन कार्य किया, जिसमें राजपूतों की वीरता, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति पर गहन ध्यान केंद्रित किया गया. उनकी कृतियों को राजपूताना इतिहास के गहरे ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके सम्मान के लिए व्यापक रूप से मान्यता मिली. उन्हें अक्सर राजस्थान की सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का "जीवित विश्वकोश" कहा जाता था।उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें और रचनाएँ: पेरू प्रकाश, गांधी गाथा, चारण चिंतन, शैतान सुजस (परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह के जीवन पर आधारित एक युद्ध जीवनी)चित्तौड़ के जौहर और शाके (चित्तौड़गढ़ के तीन ऐतिहासिक शाकों का विस्तृत विवेचन)बाल गीत (बच्चों की कविताओं का संग्रह)सम्राट पृथ्वीराज चौहान , गुढ़ा गौड़जी गोपीनाथ हैं।

बंधक बनाकर लूटने वाली गैंग के चार बदमाश पकड़े

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोगों को बंधक बनाकर लूटने वाली गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसमें दो बाल अपचारी भी शामिल है। पुलिस जांच में जांच में सामने आया कि गैंग के बदमाश मारपीट कर राहगीरों का अपहरण कर बंधक बनाते थे और फिर सुनसान जगह कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बनाकर मोबाइल-कैश लूटकर फरार हो जाते थे। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोगों को बंधक बनाकर लूटने वाली गैंग के आरोपी विष्णु हरिजन (19) निवासी नांगल लाडी हरमाड़ा हाल करधनी और निकेश वर्मा (21) निवासी गणेश वाटिका निवारू रोड करधनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो बालअपचारियों को निरूद्ध भी किया है। गिरोह के चारों बदमाश सुनसान जगह पर राहगीरों को पकड़ते थे और मारपीट कर कार में डालकर बंधक बनाते। सुनसान जगह ले जाकर कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बताने। मारपीट कर उसकी जेब में मिले कैश और मोबाइल लूट लेते थे। पुलिस शिकायत पर अश्लील वीडियो से धमकी देकर ब्लैकमेल करते थे। पुलिस पूछताछ में गिरने से कई खुलासे होने की संभावना जताई गई है।

बैठक में समिति का वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया

न्यायालय कर्मचारी बचत व साख सहकारी समिति लिमिटेड साधारण सभा की वार्षिक बैठक हुई।

जयपुर। वार्षिक लेखा-जोखा न्यायालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर मेट्रो प्रथम, द्वितीय एवं जिला की शनिवार को विद्याधर नगर स्थित पापड़ के हनुमानजी मंदिर परिसर में साधारण सभा की वार्षिक बैठक एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष अनिल पारीक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कोषाध्यक्ष किशोर केवलरामानी ने समिति का वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश महानगर-01, नंदिनी व्यास, महानगर-02 रीटा तेजपाल एवं जिला अजीत कुमार हिंगर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। बैठक में पूर्व सचिव मनोज माथुर, वर्तमान सचिव पवन शर्मा, उपाध्यक्ष शुभा माथुर, रामस्वरूप मीणा, सुमन देवाना, बद्रीलाल चौधरी, रामावतार मीना, किशोर वर्मा, अश्वनी भूतिया, सतीश चंद्र गुप्ता, मोहित शर्मा, कृष्ण गोपाल, सुनील शर्मा, पदम पंडित, वीरेंद्र सोलंकी सहित अन्य न्यायिक कर्मचारी मौजूद रहें।

विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 136 में किए विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफने रविवार को वार्ड 136 में विभिन्न विकास कार्यों काशिलान्यास एवं लोकार्पणकर स्थानीय निवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों और विकास समिति के सदस्यों ने विधायक सराफ कासाफा पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर जोरदार स्वागतकिया और उनके कार्यों के प्रति आभार जताया।स्थानीय पार्षद उषा टाटीवालने जानकारी दी किअठासेन नगर राधा गोविंद मंदिरपरिसर मेंटाइल्स कार्य और जिमका लोकार्पण किया गया। साथ ही मंदिर परिसर स्थितइंद्रधनुष रंगमंचमेंटाइल्स और पेराफिटका जीर्णोद्धार कर उसे नई रूपरेखा प्रदान की गई। इसके अलावानीलकंठ महादेव मंदिर (सी ब्लॉक)मेंसीसी रोड निर्माण कार्यका शिलान्यास कर विकास की नई शुरुआत की गई।

भाजपा जिला कार्यशाला का हुआ समापन

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर देहात दक्षिण की जिला कार्यशाला रविवार को प्रदेश कार्यालय, जयपुर में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत ने संबोधित करते हुए कहा कि सेवा ही संगठन का सार है और सेवा पखवाड़ा समाज में राष्ट्रभावना जागृत करने का सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने की। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता अपूर्व सिंह, प्रदेश मंत्री अजीत मांडल, स्टेफी चौहान, विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, बस्सी से विधायक प्रत्याशी चंद्रमोहन मीणा, जिला महामंत्री शिवजीराम कुमावत, शिवप्रसाद यादव, हेमंत मीणा, जिला प्रभारी विमल अठावाल, अजय पाल सिंह, हरिमोहन शर्मा और हृदय सुमन पारीक सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन जिलेभर में व्यापक स्तर पर किया जाएगा। इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा, दिव्यांग सम्मान समारोह, सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा गांधी जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान समाज में सेवा और राष्ट्रभावना को सशक्त करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'सेवा ही संगठन' संदेश हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। बैठक की खास बात यह रही कि मंडलों से आए पदाधिकारियों से सुझाव लेकर उन पर शीघ्र ही काम करने का आश्वासन दिया गया।

हिन्दी दिवस पर साहित्यकारों को किया सम्मानित

रामकिशन उपाध्याय समाज सेवा पुरस्कार बाहेती को मिला

जयपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति द्वारा श्री डूंगरगढ़ में आयोजित भव्य समारोह में संस्था के सर्वोच्च सम्मान साहित्य श्री से डॉ. पद्मजा शर्मा को सम्मानित किया गया। नंदलाल महर्षि स्मृति हिंदी सर्जन पुरस्कार जबलपुर के देवेंद्र कुमार मिश्रा, सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार कुमार सुरेश, चंद्र मोहन हाड़ा हिमकर स्मृति पुरस्कार उपन्यास लेखक विश्वनाथ तंवर को प्रदान किया गया। रामकिशन उपाध्याय समाज सेवा पुरस्कार हरिशंकर बाहेती को प्रदत्त किया गया। बाहेती ने समर्पित राशि को दुगुना कर समिति को सौंपते हुए कहा कि इसे साहित्यिक व सेवा के कार्यों में खर्च किया जाए। शिव प्रसाद सिखवाल महिला लेखन पुरस्कार संगीता सेठी बीकानेर, शब्द शिल्पी सम्मान अजमेर के सुरेश कुमार श्रीचंदानी तथा श्याम सुंदर नगला बाल साहित्य पुरस्कार शाहजहांपुर के डॉ. नागेश पांडेय को समर्पित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि हिंदी एवं हमारी भारतीय संस्कृति दोनों एक दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए संस्कृति को बचाने के लिए हिंदी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के साहित्यिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए भरोसा दिलाया कि वे आगामी दिनों में गंगासिंह विश्वविद्यालय से इसको किसी न किसी रूप में जोड़ने का कार्य करेंगे। राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के अध्यक्ष और जाने माने साहित्यकार श्याम महर्षि ने समिति के द्वारा की जाने वाली साहित्यिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। श्रीमती भगवती पारीक मनु की सरस्वती वन्दना से प्रारंभ हुए समारोह में मंत्री व संयोजक रवि पुरोहित ने संस्था की 65 वर्षीय विकास यात्रा साझा की।

हिंदी दिवस के अवसर पर "हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता- संभावनाएं और चुनौतियां" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में महारानी सुदर्शना बालिका महाविद्यालय बीकानेर के पूर्व प्राचार्य डॉ. उमाकांत गुप्त, साहित्यकार व समालोचक डॉ. गजादान चारण ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका गौड़ ने किया।

कार्यक्रम में चेतन स्वामी, बजरंग शर्मा, रामचन्द्र जी राठी, गजानंद सेवग, मदन सैनी, सत्यनारायण योगी, सत्यदीप भोजक, महेश जोशी, सोहन ओझा, भवानी उपाध्याय, तुलसीराम चौरड़िया, विजय महर्षि, महावीर माली, नारायण सारस्वत, श्रीभगवान सैनी, महावीर सारस्वत, सुशीला सारण, मीना मोरवानी, प्रतिज्ञा सोनी, सरोज शर्मा, पूनमचंद गोदारा, श्रवण गुरनानी, सुनील खांडल, नंदकिशोर पारीक, हरीराम सारण, लक्ष्मी कांत वर्मा, दयाशंकर शर्मा, कैलाश शर्मा आदि साहित्य प्रेमी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस पर साहित्यकारों को सम्मानित किया।

यात्रियों को मिल रही आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्रीभजनलाल शर्माके नेतृत्व में राज्य की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार और विस्तार देखने को मिल रहा है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक कोसुलभ, सुरक्षित और आधुनिक यात्रा सुविधाप्रदान करना है, और इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा के अनुरूप160 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसोंको प्रदेश के 12 प्रमुख डिपो में शामिल किया गया है, जिनमें जयपुर, अजमेर, अजयमेरू, कोटपूतली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, वैशाली नगर, विद्याधर नगर, शाहपुरा, हिण्डौन और दौसा शामिल हैं। इसके साथ ही12 सुपर लग्जरी बसोंके अधिठाहण से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का बेड़ा और अधिक सशक्त हुआ है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष बस सेवाओं की शुरुआत की है। अबअयोध्या, गोवर्धन, सालासर बालाजी, रामदेवरा, श्रीनाथजी, श्रीकरणी माता, कैंची धामऔरकैलादेवीजैसे तीर्थस्थलों तक सीधी और सुविधाजनक बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

गोविन्द देवजी मंदिर में सम्पन्न हुआ पितृ तृप्ति महायज्ञ

जयपुर। श्राद्ध पक्ष के उपलक्ष्य में रविवार को गोविन्द देवजी मंदिर प्रांगण में पंचकुंडीय पितृ तृप्ति गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। श्री मन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में काले तिल, जो, चावल एवं घृत से आहुतियां अर्पित कीं।

- **श्रद्धालुओं ने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में काले तिल, चावल एवं घृत से आहुतियां अर्पित की**

इससे पूर्व मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री गोविन्द देवजी, वेदमाता गायत्री एवं गुरुसत्ता का पूजन किया। आचार्य पीठ से गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी की गायत्री कचोलिया, गायत्री तोमर, ज्योति शर्मा और सृष्टि ने प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ सम्पन्न कराया।

प्रवचन में शक्तिपीठ के विद्वानों ने कहा कि पितर हमारे अदृश्य सहायक हैं। उच्च संस्कारों वाली अशरीरी आत्माएँ आकस्मिक सहायता एवं अनुग्रह प्रदान कर मार्गदर्शन करती हैं। पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने से उनका आशीर्वाद जीवन के महत्वपूर्ण कार्यों में विशेष बल देता है। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रगति, सद्भाव और शांति तभी संभव है जब हम अपने पूर्वजों का स्मरण कर उनके द्वारा दिखाए गए आदर्शों को आचरण में लाएँ।उन्होंने कहा कि पितरों को केवल कर्मकांड से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार, सदाचार और सेवा कार्यों से भी तृप्त किया जा सकता है। माता-पिता और बड़ों की आज्ञा मानना, बुजुर्गों की सेवा करना, वंश परंपरा की श्रेष्ठ परंपराओं को आगे बढ़ाना ही वास्तविक पितृ तर्पण है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ आत्माएँ इतनी प्रखर होती हैं कि वे स्वप्न, विचार या किसी माध्यम से हमें संकेत देकर जीवन में सही दिशा प्रदान करती हैं। यदि हम कृतज्ञता के भाव से पितरों की स्मृति का सम्मान करें, तो वे हमारे जीवन के अदृश्य मार्गदर्शक और शुभचिंतक बनते हैं।श्रद्धालुओं ने पितरों के लिए विशेष आहुतियां अर्पित कर श्रद्धाभाव प्रकट किया। जिनका श्राद्ध भाद्रपद पूर्णिमा को था, उनके लिए भी विशेष हवन कराया गया। श्रद्धालुओं ने यज्ञ के ज्ञान-विज्ञान को समझते हुए श्रद्धापूर्वक अग्नि में आहुतियां अर्पित कीं और अपने पितरों का स्मरण किया।

यज्ञ के अवसर पर कई श्रद्धालुओं ने अपना जन्मदिन भारतीय संस्कृति के अनुरूप पंचतत्व पूजन के साथ मनाया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन की ओर से सभी को ठाकुर श्री गोविन्द देवजी का चित्र, प्रसाद और दुपट्टा भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। गायत्री चेतना केंद्र, जनता कॉलोनी की ओर से सत्साहित्य की प्रदर्शनी लगाई गई, जहाँ श्रद्धालुओं ने प्रेरणादायक पुस्तकें काम लागत मूल्य पर प्राप्त कीं। यज्ञ की पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं ने जूठन नहीं छोड़ेंगे, एक पेड़ अवश्य लगाएंगे, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग नहीं करेंगे जैसे संकल्प लिए। साथ ही सभी ने प्रतिदिन गायत्री मंत्र जाप करने और सूर्य भगवान को अर्घ्य देने जैसी श्रेष्ठ आदतों को जीवन में अपनाने का प्रण भी किया।

गोविंद देव मंदिर की ओर से यज्ञ सामठाी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। श्रद्धालुओं को युग निर्माण सत्संकल्प पत्रक एवं गायत्री चालीसा भेंट स्वरूप दी गई। आगामी रविवार, 21 सितम्बर को प्रातः 8 से 10 बजे तक पितृ पुष्टि पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन पुनः निशुल्क किया जाएगा।

कंटेनर ट्रक से 60 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी, दो तस्कर गिरफ्तार

ट्रक से विभिन्न ब्रांड की अवैध अंग्रेजी शराब की 402 पेटियां बरामद की

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की कनवास पुलिस टीम ने अवैध शराब तस्करों के विरूद्ध नाकाबंदी के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए कंटेनर ट्रक से पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब की 402 पेटियां जब्त की है। पकड़ी गई अवैध अंग्रेजी शराब की अंतरराज्यीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रूपये आंकी गई है। साथ ही पुलिस टीम ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम तथा वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीना के निर्देशन में वृताधिकारी वृत सांगोद बाबूलाल के सुपरविजन में कनवास थाने के उपनिरीक्षक श्यामाराम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर अवैध शराब तस्करी व अवैध गतिविधियों के विरूद्ध कार्रवाई के लिये निर्देशित किया गया।

कोटा ग्रामीण की कनवास पुलिस टीम ने अवैध अंग्रेजी शराब की पेटियां जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

- **कंटेनर ट्रक की बॉडी में विशेष पार्टीशन बनाकर छिपा रखी थी अवैध शराब**

ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने योजना बनाकर नाकाबंदी के दौरान एक कंटेनर ट्रक की तलाशी के दौरान कंटेनर ट्रक की बॉडी में विशेष पार्टीशन बनाकर छिपा रखी विभिन्न ब्रांड की अवैध अंग्रेजी शराब की 402 पेटियां बरामद की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि जब्त की गई अवैध अंग्रेजी शराब की अंतरराज्यीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रूपये है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए जिला वाड़मेर के छीतर कापर निवासी चुनाराम एवं थाना भोपाल के हीरादेशर निवासी खेराजराम को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये दोनों शराब तस्करों से अनुसंधान जारी है।

स्कूल की आड़ में चर्च में धर्मांतरण का आरोप

बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों और गांव के लोग चर्च पहुंचे और आक्रोश जताया

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा और रामसागड़ा थाना क्षेत्र जेलाना गांव में स्कूल के नाम पर चर्च चलाने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों और गांव के लोग चर्च पहुंचे, जहां मौजूद लोगों को प्रार्थना करवाई जा रही थी। वहीं चर्च में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन करवाने के भी आरोप लगाए। मौके पर पहुंची पुलिस ने भी स्कूल के अलावा किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों का संचालन नहीं करने के लिए पाबंद किया गया।

- **मौके पर पहुंचे लोगों ने चर्च में आदिवासियों को गुमराह कर अवैध रूप से प्रार्थना करवाने के आरोप लगाए**
- **पुलिस ने स्कूल के अलावा किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों का संचालन नहीं करने के लिए पाबंद किया**
- **बिछीवाड़ा और रामसागड़ा थाना क्षेत्र के बीच जेलाना और भेहना गांव के सीमा पर स्कूल के नाम चर्च चलाने का आरोप है**

जानकारी के अनुसार प्रदेश में नया धर्म परिवर्तन का कानून बनने के बाद डूंगरपुर में ये पहला मामला सामने आया है। बिछीवाड़ा और रामसागड़ा थाना क्षेत्र के बीच जेलाना और भेहना गांव के सीमा पर स्कूल के नाम चर्च चलाने का आरोप है। गोपालराम महाराज के नेतृत्व में कई हिंदूवादी संगठनों और गांव के लोग चर्च पहुंच गए। लोगों ने चर्च में आदिवासियों को गुमराह कर अवैध रूप से प्रार्थना करवाने के आरोप लगाए, जिससे हंगामा हो गया। वहीं घटना की सूचना पर बिछीवाड़ा थानाधिकारी कैलाश सोनी और रामसागड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

गोपालराम महाराज ने कहा कि यहां स्कूल के नाम 3 साल पहले चर्च का काम शुरू हुआ था। तब से गांव और आसपास के लोग विरोध कर रहे हैं, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। अब स्कूल के नाम से यहां चर्च में धर्मांतरण की गतिविधियां चल रही हैं। आदिवासी लोगों को गुमराह कर उनका धर्म परिवर्तन करवाया जा रहा है। वहीं डूंगरपुर डीएसपी तपेंद्र मीणा भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने स्कूल के नाम पर अवैध गतिविधियों पर तुरंत बंद करने की मांग की।

खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए : केन्द्रीय मंत्री शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर में रहे। इस दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट मैच को लेकर विपक्ष के आरोपों पर कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में सदस्य देशों का बहिष्कार संभव नहीं होता, लेकिन भारत अपनी नीतियों और राष्ट्रिहत में किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना तक सीमित रखना चाहिए। कल ओलिंपिक खेल होंगे, ऐसे ही खेल होंगे। खिलाड़ियों को खेलना चाहिए। साथ ही उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अंग्रेजी में कहावत है पॉलिसी एंड प्रोटोकॉल्स क्योंकि इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर खेलना व संवाद करना हम खेलों से आगे बढ़कर भी कर सकते हैं। कल विपक्ष कहेंगे कि ब्रिक्स में पाकिस्तान के साथ मंच साझा नहीं करना चाहिए। लेकिन ऐसा संभव नहीं पॉलिसी एंड प्रोटोकॉल दोनों को एक तराजू में नहीं तोला जा सकता।

- **केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट मैच को लेकर कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए**

इसके साथ ही मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पांडुलिपि मिशन को लेकर जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से संस्कृति मंत्रालय ने पांडुलिपि मिशन को विस्तार देते हुए ज्ञानवार्तम नेशनल मिशन प्रारंभ किया है। इसके तहत देशभर में उपलब्ध लाखों पांडुलिपियों को न सिर्फ सुरक्षित किया जाएगा, बल्कि उन्हें कंप्यूटर रीडेबल फॉर्मेट में परिवर्तित कर विश्व स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। शेखावत ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है और हमारे पास करोड़ों की संख्या में हस्तलिखित ग्रंथ मौजूद हैं, जो पेड़ की छाल, कपड़े, हस्तनिर्मित कागज सहित कई माध्यमों पर लिखे गए हैं। इन ग्रंथों में ब्राह्मी, पाली, खरोष्ठी, देवनागरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ सहित अनेक लिपियों का उपयोग हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से लॉन्च किए गए पोर्टल पर अब तक लाखों पांडुलिपियां अपलोड हो चुकी हैं और शीघ्र ही यह संख्या 10 लाख तक पहुंच जाएगी। पर्यटन को लेकर उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष में भारत में डोमेस्टिक टूरिज्म में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। कुंभ को छोड़ दें तो भी इसकी संख्या लगभग 250 करोड़ यात्राओं तक पहुंच गई है, जो देश की कुल आबादी से दोगुनी है।

कार की टक्कर से घायल हुये बुजुर्ग की मौत

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में कार की टक्कर से घायल हुए बाईक सवार बुजुर्ग की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। नयागांव निवासी नारायणलाल शर्मा (68) मोटरसाइकिल से जाते समय नयागांव इलाके में पेट्रोल पम्प के समीप तेज रफ्तार कार ने बाईक को टक्कर मार दी। आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू ने बताया कि नारायणलाल शर्मा शनिवार को बाइक से जाते समय कार चालक ने लापरवाही से वाहन को चलाते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में घायल को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुजुर्ग ने अस्पताल में उपचार के दौरान रविवार को दम तोड़ दिया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

धर्म परिवर्तन मामले में दो जने हिरासत में

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में कोतवाली थाना पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में दो युवकों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि सुभाष नगर ने धर्म परिवर्तन का कार्य चल रहा है। जिस पर मौके पर पहुंचे तो कुछ लोग धर्मांतरण करवा रहे थे। वहां नाबालिग बच्चे और महिलाएं थी, जिनको आर्थिक सहायता का लोभ देकर फंसाया जा रहा था। मौके पर बाइबल और होली वाटर भी मिला। एक व्यक्ति मौके से कुछ सामग्री लेकर फरार हो गया।

40 क्विंटल से अधिक खेजड़ी की लकड़ी से भरी पिकअप जब्त

जांच में खुलासा हुआ कि लकड़ी खेतों से काटकर अवैध रूप से हरियाणा में परिवहन की जा रही थी

झुंझुनूं, (निसं)। मलसीसर क्षेत्र में अवैध लकड़ी परिवहन पर नकेल कसते हुए वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

उप वन संरक्षक उदाराम सियोल के निर्देशन और क्षेत्रीय वन अधिकारी संदीप लोयल के नेतृत्व में गठित टीम ने मलसीसर क्षेत्र में दबिश देकर एक पिकअप वाहन को खेजड़ी की लकड़ी के साथ जब्त किया। वाहन में करीब 40 से 50 क्विंटल खेजड़ी की लकड़ी भरी हुई थी, जो ओवरलोड स्थिति में हरियाणा राज्य ले जाई जा रही थी। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि लकड़ी खेतों से काटकर अवैध रूप से हरियाणा में परिवहन की जा रही थी। इस पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए पिकअप को जब्त किया। साथ ही जिला परिवहन अधिकारी झुंझुनूं और तहसीलदार मलसीसर को भी कार्रवाई के लिए लिखा गया है।

मलसीसर में वन विभाग ने अवैध लकड़ी परिवहन पर कार्रवाई की।

गौरतलब है कि उप वन संरक्षक के निर्देशन में क्षेत्र में अवैध लकड़ी परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग का कहना है कि इस तरह की और भी सख्त कार्रवाईयां आगे की जाएंगी। इस कार्रवाई के दौरान वनपाल सुदेश पूनियां, वन रक्षक अमरसिंह, नरेन्द्र मीणा, वनपाल सतीश कुमार तथा वाहन चालक अमरचंद मौजूद रहे।

अजमेर : सेवन वंडर को तोड़ने की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी रही

सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर के आनासागर वेटलैंड में बने इन सेवन वंडर्स को अवैध घोषित किया था

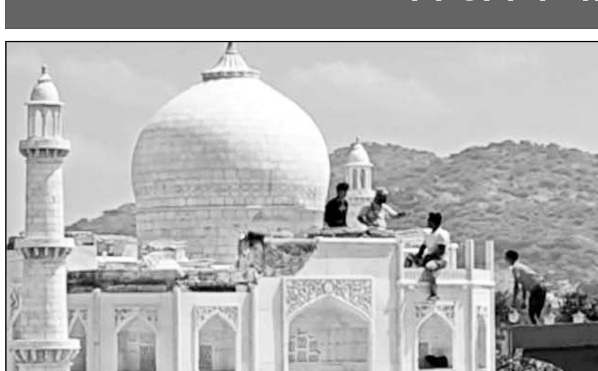

अजमेर के आनासागर के भराव क्षेत्र में बने सेवन वंडर को तोड़ने की कार्रवाई तीसरे दिन भी मजदूरों ने की।

अजमेर, (कासं)। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से वैशाली नगर स्थित आनासागर के भराव क्षेत्र में बने सेवन वंडर को तोड़ने की कार्रवाई तीसरे दिन रविवार को भी जारी है। मजदूरों ने ताजमहल को तोड़ने का काम शुरू कर दिया है, जबकि पीसा की झुकी हुई मीनार को तोड़ना अभी बाकी है।

अजमेर विकास प्राधिकरण सात अजूबों को गिराने की कार्रवाई कर रहा है। इनका निर्माण वर्ष 2022 में करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से हुआ था और जिसका पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने उद्घाटन किया था। सेवन वंडर में बने ताजमहल को जेसीबी से नहीं तोड़ा जा रहा, बल्कि मजदूरों की ओर से धीरे धीरे तोड़ा जा रहा है, ताकि इस पत्थर का फिर से उपयोग हो सके। एडीए द्वारा रविवार को तोड़ने की कार्रवाई में भारी-भरकम लोहे से बने पेरिस के एफिल टावर को काटकर हटाया जा रहा है, पहले इसे चार भागों में हटाने की योजना थी, लेकिन लोहे का वजन अधिक होने के कारण अब इसे छह भागों में हटाया जा रहा है। चार भाग हटा दिए गए हैं और अब इसे दो भागों में काटकर हटाया जाएगा।

- **मजदूरों ने ताजमहल को तोड़ने का काम शुरू कर दिया है, जबकि पीसा की झुकी हुई मीनार को तोड़ना अभी बाकी है**
- **भारी-भरकम लोहे से बने पेरिस के एफिल टावर को कटिंग कर हटाया जा रहा है**

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने आनासागर वेटलैंड में बने इन वंडर्स को अवैध घोषित किया था। इसी प्रकार सेवन वंडर में बनाए एफिल टावर का नीचला हिस्सा शेष बचा है। भारी-भरकम लोहे से बने पेरिस के एफिल टावर को कटिंग कर हटाया जा रहा है। पहले इसे चार पार्ट में हटाना था, लेकिन वजनी लोहा होने के कारण इसे अब छह पार्ट में हटाया जा रहा है। चार पार्ट हटा दिए है और अब इसे दो पार्ट में काटकर हटाया जाएगा।

रोडवेज बस और ट्रेलर में आमने-सामने भिड़ंत, बड़ा हादसा टला

मौलासर के रिंग रोड चौराहे पर हादसा हुआ, कुचामन जा रही थी बस

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिले के मौलासर कस्बे के रिंग रोड चौराहा पर रविवार को सुबह बस व ट्रेलर में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बस की केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

- **बस में स्कूली बच्चे भी सवार होकर प्रतियोगिता में खेलने जा रहे थे, कोई जनहानि नहीं हुई**

हादसे में बसे के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह डीडवाना डिपो की एक रोडवेज बस डीडवाना की ओर से कुचामन जा रही थी। इसी दौरान मौलासर में रिंग रोड चौराहे पर सामने से आ रहे ट्रेलर से बस की टक्कर हो गई। हादसे में बस की केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन केबिन में कोई यात्री नहीं बैठा नहीं था, जिससे किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं लगी। हालांकि बस में स्कूली बच्चे भी सवार थे, जो स्कूली प्रतियोगिता में खेलने के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद यात्रियों को अन्य वाहन की सहायता से गंतव्य की ओर रवाना किया गया। गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले इसी जगह पर बस व कार में टक्कर हो गई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी।

कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से संगठन के लिए काम करें : वासुदेव देवनानी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का रानीवाड़ा पहुंचने पर भाजपा संगठन ने स्वागत किया गया। यह अभिनंदन भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित के निर्देश पर जिला उपाध्यक्ष हीरालाल सारस्वत और मुकेश कुमार खण्डेलवाल के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने देवनानी को फूल-मालाएं, साफा और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। स्वागत समारोह में भाजपा संगठन की ओर से जिला उपाध्यक्ष सारस्वत और खण्डेलवाल ने देवनानी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

- **विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का रानीवाड़ा में स्वागत**

अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय विचारधारा का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हमारे लिए सबसे पहले है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के आव्हान को अपनाने पर जोर दिया, जिससे आत्मनिर्भर भारत को बल मिलेगा और विदेशी ताकतों के गलत मंसूबे नाकाम होंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निस्वार्थ भाव से संगठन के लिए काम करने का भी आव्हान किया। पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल ने देवनानी को सरल स्वभाव और सहज व्यक्तित्व का धनी बताया। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री रहते हुए देवनानी ने शिक्षा के क्षेत्र में कई कार्य किए, जो आज भी प्रासंगिक हैं। उनके कार्यकाल में रानीवाड़ा, जसवंतपुरा में महाविद्यालय और आईआईटी जैसे कई संस्थान खुले, जिसके लिए हम उनके आभारी हैं। देवल ने विश्वास जताया कि वर्तमान विधानसभा भी राजस्थान की जनता के हित में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। इस मौके पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पदाधिकारियों ने भी संभाग संगठन मंत्री दीपसिंह देवल और विभाग संगठन मंत्री मुकेश जोशी के नेतृत्व में देवनानी का स्वागत किया।

झुंझुनूं में 1965 के भारत-पाक युद्ध के रणबांकुरों की शौर्यगाथा जीवंत हुई

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को फिल्लौरा दिवस का 60वां आयोजन धूमधाम और गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर 1965 के भारत-पाक युद्ध के ऐतिहासिक फिल्लौरा टैंक बैटल की स्मृतियां जीवंत हुई।

- **60वां फिल्लौरा दिवस पर वीरता, स्मृतियां और गौरव का संगम दिखा**

इस विशेष अवसर पर पूना हॉर्स रेजिमेंट के लगभग 250 वेटरंस एक साथ मंच पर जुटे। फ़ख्रे हिंद-द पूना हॉर्स कहलाने वाली इस रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों ने पुराने साथियों से मिलकर सैनिक बंधुत्व को फिर से जीवंत किया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों की स्मृति में मौन और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। शहीद परिवारों को मंच पर सम्मानित किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल राजन बक्शी, मेजर जनरल विजय सिंह, ब्रिगेडियर केएस राठौड़, कर्नल अजय सिंह और रिसालदार मेजर ऑनरी लेफ्टिनेंट भंवरसिंह ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और युद्ध से जुड़े संस्मरण साझा किए। एक पूर्व सैनिक ने भावुक होकर कहा कि आज 60 साल बाद भी हमें गर्व है कि हम उस ऐतिहासिक युद्ध का हिस्सा रहे। अन्य ने कहा कि फिल्लौरा केवल एक स्थान नहीं, यह हमारी आत्मा का हिस्सा है। राजस्थान की वीरभूमि का गौरव झुंझुनूं, झालावाड़, सीकर और नागौर जैसे जिलों की वीर परंपरा का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह भूमि सदैव रणबांकुरे पैदा करती रही है। लेफ्टिनेंट जनरल राजन बक्शी ने कहा कि सैनिक का जीवन केवल वर्दी पहनने तक सीमित नहीं है। यह जीवन भर का संकल्प है राष्ट्र के लिए जीना और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्र के लिए मरना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। वेटरंस ने संकल्प लिया कि फिल्लौरा दिवस हर वर्ष और अधिक भव्यता से मनाया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी शौर्य और बलिदान से प्रेरणा ले सके।

कार्यक्रम में पूना हॉर्स रेजिमेंट के लगभग 250 वेटरंस एक साथ जुटे।

हिन्दी बोलने में संकोच नहीं, बल्कि गर्व का अनुभव करना चाहिए : डॉ. बैरवा

'आधुनिक युग में तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर हिन्दी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी सशक्त बनाया जा सकता है'

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हिंदी संवाद की भाषा ही नहीं बल्कि भारतीयता का गौरव और हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों की अविरल धारा को जीवंत एवं सुरक्षित रखने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी बोलने में संकोच नहीं बल्कि गर्व का अनुभव करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को एसएमएस चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय हिंदी दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी से हिंदी के वैश्विक विकास और पहचान के लिए अपने जीवन के प्रत्येक कार्य, व्यवहार और प्रशासनिक गतिविधियों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी सशक्त बनाया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भी हिंदी को राष्ट्र की एकता और संपर्क की भाषा के रूप में मानते थे। उनका विचार था कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में एक ऐसी भाषा होनी चाहिए जो सबको जोड़कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी वैश्विक मंचों पर अधिकतर हिंदी भाषा में ही अपने भाषण देते है, जिससे अन्य देशों में भी हिंदी बोलने का प्रचलन बढ़ा है और हिंदी को विश्व में अलग पहचान मिली है।

समारोह के मुख्य वक्ता यूनिवर्सल एम्बेसडर आइकैन डॉ बालेन्दु शर्मा दाधीच ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग और उसकी उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की।

हिन्दी दिवस पर लेखकों व विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में हमारी मातृभाषा हिंदी को हमें तकनीक से जोड़ना अनिवार्य है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई आधारित अनुवाद उपकरण अब हिंदी को अन्य भाषाओं में और अन्य भाषाओं को हिंदी में तुरंत अनुवाद करने में सक्षम है। स्पीच टू टेक्स्ट और टेक्स्ट टू स्पीच तकनीक से हिंदी में बोलकर लिखना और लिखकर सुनाना बेहद आसान हो गया है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि चैटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स अब हिंदी में संवाद कर पा रहे हैं, जिससे आमजन के लिए हिंदी में नई तकनीक का उपयोग करना सुलभ हुआ है। उन्होंने एआई से हिंदी को भारत के साथ विश्व पटल पर भी एक सशक्त भाषा बनाने पर जोर दिया। सोशल मीडिया, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और सरकारी सेवाओं में हिंदी को बढ़ावा देने में एआई बड़ी भूमिका निभा सकता है।

कार्मिक विभाग के शासन सचिव श्री के. के पाठक ने भी हिंदी भाषा की साहित्यिक एवं समृद्ध संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हिन्दी के विकास में स्वदेशी और वैज्ञानिक चिंतन आवश्यक है हिंदी की संस्कृति इतनी विराट रही है कि किसी एक विधा में इसे समेटा नहीं जा सकता।

स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हिंदी भाषा के प्रचार, उपयोग और सुविधाओं के विस्तार के लिए गंभीरता से कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा मंडल, जिला एवं पंचायत समिति स्तर के कुल 264 पुस्तकालयों के नवीन भवनों का निर्माण करवाया जा चुका है। राज्य के दस सार्वजनिक पुस्तकालयों में दृष्टिबाधित पाठकों के लिए ब्रेल बुक्स, डेजी बुक्स व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर उपलब्ध करवा कर विशेष अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

शासन सचिव ने बताया कि 33 जिला मुख्यालयों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के विशेष अध्ययन के लिए सावित्री बाई फुले वाचनालय स्थापित कर वहां पर्याप्त मात्रा में प्रतियोगी साहित्य उपलब्ध कराया गया है। इसी योजना को विस्तारित करते हुए प्रथम चरण में 100 पंचायत समिति मुख्यालयों पर भी सावित्री बाई फुले वाचनालय शुरू किये गये हैं। सार्वजनिक पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों के डिजिटलीकरण की सुविधा हेतु विभाग द्वारा पुस्तकालयों में उपलब्ध कुल 22 लाख 64 हजार 353 में से 13 लाख 98 हजार 668 पुस्तकों की कम्प्यूटर में डाटा एन्ट्री का कार्य किया जा चुका है।

इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने हिन्दी साहित्य (कथा) में डॉ. कृष्ण कुमार कुमावत को उनके उपन्यास लक्ष्य, हिन्दी साहित्य (कथेतर) में डॉ. मूलचन्द बोहरा को उनके शैक्षिक निबन्ध संठाह समझ गए ना!, संविधान एवं विधि में डॉ. अनुपम चतुर्वेदी एवं डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी को संयुक्त रूप से उनकी पुस्तक भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विज्ञान तकनीकी एवं अभियांत्रिकी में प्रो. पूर्णेन्दु घोष को वैज्ञानिक विचार द्वीपों के बीच सामाजिक काव्य पुलो का निर्माण, चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य (भारतीय चिकित्सा पद्धित) में डॉ. हिमांशु भाटिया को उनकी पुस्तक सेरेब्रल पाल्सी: व्यथा, कथा एवं कानून, कला, संस्कृति एवं पर्यटन में डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को उनके यात्रा वृतान्त ओकुहेपा, दर्शन, योग एवं अध्यात्म में श्री मनोज गट्टानी को उनकी पुस्तक मन सनातन एवं जनसंचार, पत्रकारिता एवं सिनेमा में डॉ. विजय विप्लवी व डॉ. कुंजन आचार्य को संयुक्त रूप से लिखी उनकी पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय के लिए हिंदी सेवा पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक परीक्षा में हिंदी विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 342 विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया।

सशक्त भारत विषय पर कार्यशाला

जयपुर। श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ सभागार में विप्र फाउंडेशन एवं सम्यक संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में योग्य प्रशासक : सशक्त भारत विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा थे। शर्मा ने कहा कि आर्यभट्ट, चाणक्य और प्राचीन ऋषि-मुनियों की परंपरा ही हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान और नीति से ही समाज का मार्गदर्शन संभव है। श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ के अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ओमेंद्र भारद्वाज ने कहा कि योग्य प्रशासक से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में अव्वल रहना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि आत्मविश्वास, जज़्बा और सतत मेहनत से हर परीक्षा में सफलता पाई जा सकती है। कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ गौरव और गुमान का विषय है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक चरण में 50 कन्याओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु आवासीय सुविधा दी जाएगी। डीजी अनिल पालीवाल ने कहा कि पहले प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सामठी व संसाधन सीमित थे, परंतु आज पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। सम्यक के कौशल भारद्वाज ने लक्ष्य-आधारित प्रयोग को समाज के लिए बेहतरीन पहल बताया और पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। विप्र फाउंडेशन के संगठन महामंत्री सतीश शर्मा ने सभी का धन्यवाद् ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज के होनहार बालक बालिकाओं की शिक्षा के लिए विप्र फाउंडेशन कटिबद्ध है। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा के अनुसार श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ के दो बड़े सेमिनार हाल में कोचिंग का संचालन होगा। अन्य 45 बड़े कक्षों में, वैदिक रिसर्च, कौशल विकास, लाइब्रेरी, महिला छात्रावास, संस्कार, स्वावलंबन आदि प्रकल्प संचालित होंगे। इस अवसर पर अनुभवी प्रशासनिक पदाधिकारियों-पूर्व आईएएस अधिकारी जेपी शुक्ला, मुख्यमंत्री के ओएसडी विकास राजपुरोहित, डॉ. राजेंद्र पारीक पिलानी, जीएल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

सार-समाचार

एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में ''एक पेड माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और हर नागरिक को अपने जीवन में पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदारी निभानी चाहिए। विशेष अतिथि डॉ. अक्षत श्रीवास्तव ने युवाओं का आ ान किया कि वे पौधारोपण को उत्सव की तरह मनाएँ और लगाए गए पेड़ों की देखभाल भी सुनिश्चित करें। इस अवसर डॉ. शाहनवाज, डॉ. परेश जैन, डॉ. श्रीकृष्णा मिश्रा सहित ट्रस्ट एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करेंगे और पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज में जागरूकता फैलाएँगे। कौशल सत्यार्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल पर्यावरण संतुलन की दिशा में एक सार्थक पहल हुई, बल्कि मातृत्व के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण का संदेश भी दिया गया।मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी द्वारा समय-समय पर ऐसे रचनात्मक सामाजिक कार्य आयोजित किए जाते रहे हैं, व आगे भी ये अनवरत जारी रहेगा।

विप्लवी व आचार्य का सम्मान किया

जयपुर। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान की ओर से राजस्थान सरकार से राज्य स्तरीय हिंदी पुरस्कार से सम्मानित डॉ विजय विप्लवी एवं डॉ कुंजन आचार्य का माला व शाल पहनाकर, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया दोनों हिंदी विद्वानो को उनकी लिखी पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय पर दिया गया है संस्था के अध्यक्ष डॉ अखिल शुक्ला ने पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला संस्था के कुलसचिव अविनाश शर्मा ने दोनों शिक्षाविदों के लेखन कार्य पर प्रकाश डाला दोनों लेखकों ने पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय लेखन की शोध यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए।

मृतकों का पोस्टमार्टम कर शव सौंपा

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र पानेर गांव में विद्युत लाईन काटने के दौरान करंट से मरने वाले दो अज्ञात व्यक्तियों की शिनाख्त होने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा मृतकों का शव परिजनों को सौंपा। प्रकरण के अनुसार सायरा थाना क्षेत्र पानेर गांव में गोगुन्दा से केलवाड़ा की तरफ 33 केवी की लाईन जा रही थी। क्षेत्र में बिजली बंद होने पर विद्युत विभाग की टीम फाल्ट की तलाश में निकली थी।जहां पर खेत में जिसका एक हिस्सा कटा हुआ एवं दूसरा पोल पर लगा हुआ था। मौके पर कटर व दो युवक करंट लगने से झुलसने पर उनकी मौत हो कर मोके पर पड़े थे। इसकी सूचना मिलने पर सायरा थानाधिकारी किशोरसिंह शक्तावत मय टीम ने मौके पर पहुंच कर दोनों मृतकों को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। रविवार को दोनों मृतकों की शिनाख्त गुदी का भीलवाड़ा थाना केलवाड़ा निवासी मुकेश (35) पुत्र लाला गमेती तथा बंशीलाल (38)पुत्र खेताराम गमेतीर के रूप में शिनाख्त होने पर पुलिस ने दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

महिला की पानी में डूबने से मौत

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में एनिकट में नहाते समय पानी में डूबने से महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार अपरान्ह में हिरणमगरी थाना क्षेत्र पारोल रेबा फला गांव में स्थित एनिकट पर नहाते समय पांव फिलसने पर पानी में डूबने से पारोल रोबा फला गांव निवासी प्यारीबाई (35) पत्नी नाथूलाल की मौत होगई। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई अरविन्द्रसिंह, हेडकांस्टेबल महावीरसिंह, कांस्टेबल नन्दकिशोर ने मौके पर पहुंच कर सिविल डिफेंस टीम को बुलवा कर महिला को बाहर निकाल एमबी चिक्तिसालय मोर्चरी में रखवाया। इधर इस मामले में बेटी चन्दा (9) के नहाते समय मंगरमच्छ के आने का पता चलने पर प्यारी ने उसे किनारे किया। इस दौरान मगरमछ उसे पानी में खिच ले जाने की संभावना जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही वास्तविकता का पता चल पाएगा।

युवक नदी में डूबा

उदयपुर। बडगांव थाना क्षेत्र में नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को बडगांव थाना क्षेत्र लोयरा से डांगियों का गुडा जाने वाले पगदंडी मार्ग पर स्थित नदी में डूबने से बेदला भीलवाड़ा बस्ती निवासी गोपाल पुत्र पन्नालाल की पानी में डूबने से मौत हो गई। गोपाल सवेरे मजदूरी करने के लिए निकल कर पगदंडी मार्ग से जा रहा था। इस दौरान नदी से बचने के लिए लगे पिल्लर को पार करते समय वह नदी में गिर पड़ा। जिससे पानी में डूबने से उसकी मृत्यु हो गई थी।

मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई से जनता को मिल रही त्वरित राहत

- भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार कर रही संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन की मिसाल पेश

जयपुर।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा मुख्यमंत्री निवास पर हर सोमवार को की जा रही नियमित जनसुनवाई ने शासन और जनता के बीच की दूरी को कम कर दिया है। यह पहल''सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय''की भावना को साकार करते हुए जन समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बन रही है।मुख्यमंत्री शर्मा आमजन से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनते हैं और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर समस्याओं का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। इस पहल से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में जवाबदेही के साथ संवेदनशीलता भी आई है।

बाड़मेर जिले के शहीद उगम सिंह की पत्नी किरण कंवर ने जनसुनवाई में अपनी बेटी ज्योति राठौड़ के रोजगार से संबंधित निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया, जिसके फलस्वरूप ज्योति राठौड़ को शहीद आश्रित कोटे से केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड बाड़मेर में निरीक्षक ठोड द्वितीय के पद पर नियुक्ति दी गई।

अलवर जिले की सुनीता सैनी अपने पुत्र रिनित का इलाज नहीं करवा पा रही थीं क्योंकि उनका नाम आयुष्मान योजना में दर्ज नहीं था। जनसुनवाई में जब यह बात सामने आई, तो मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देश देकर पंजीकरण और इलाज की प्रक्रिया पूरी करवाई। अब रिनित को योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज की सुविधा मिल गई है। जोधपुर की दिव्यांग महिला संजू ने मुख्यमंत्री को आवागमन में आ रही समस्याएं बताईं।

मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जिला कलक्टर को स्कूटी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। अब संजू अपने दैनिक कार्यों के लिए स्वतंत्र रूप से आ-जा पा रही हैं। मुख्यमंत्री निवास पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं और समाधान पाकर संतुष्टि और मुस्कान के साथ लौटते हैं। यह जनसुनवाई न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि राज्य सरकार आमजन के कल्याण के लिए पूरी तरह से समर्पित है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह जन संवाद और त्वरित समाधान का मॉडल पंडित दीनदयाल उपाध्याय केएकात्म मानववादके सिद्धांतों की सजीव प्रस्तुति बन चुका है।

17 सितम्बर को आयोजित होगा रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0

- जयपुर के अणुविभा केंद्र में होगा रक्तदान, फिट इंडिया अभियान का हिस्सा
- रक्तदान के लिए जन-जागरूकता साइक्लोथॉन का आयोजन

जयपुर।रक्तदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में सेवा भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के अंतर्गत साइक्लोथॉन का भव्य आयोजन किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् (अभातेयुप) अपने 61वें स्थापना दिवस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितम्बर को होने जा रहे 'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0' के तहत विश्व का सबसे बड़ा रक्तदान अभियान आयोजित करने जा रही है।

इस दिन भारत सहित 75 देशों में 7500 से अधिक रक्तदान शिविर एक साथ आयोजित होंगे। इसी कड़ी में रविवार को रक्तदान जागरूकता के लिए श्रीमद जयाचार्य स्मारक (साधना का ज्ञानपीठ) जयपुर से प्रारम्भ होकर पत्रिका गेट होते हुए अणुविभा जयपुर केंद्र तक 9 किलोमीटर की साइकिल रैली का आयोजित किया गया।

इस आयोजन में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे फिट इंडिया मूवमेंट के तहत नशा मुक्ति का सन्देश भी दिया गया। साथ ही युवाओं को प्रेरित किया गया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नशे जैसी बुराइयों से दूर रहे और रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में सक्रीय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के राष्ट्रिय संयोजक हितेश भण्डिया ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि यह अभियान कवर एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी जागरूकता का आंदोलन है।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव का उद्देश्य केवल रक्त संठाह करना नहीं, बल्कि समाज में जिम्मेदारी, सहानभूति और परस्पर सहयोग की भावना को जागृत करना है।

इसी क्रम में तेरापंथ युवक परिषद्, जयपुर के अध्यक्ष रवि छाजेड़ ने स्थानीय युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जयपुर ही नहीं, हर शहर और हर मोहल्ले में रक्तदान जैसे अभियान की आवश्यकता है। उन्होंने आगे बताया कि यह आयोजन रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 अभियान के तहत 17 सितम्बर को होने जा रहे मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव की तेयारी का हिस्सा है।

गाय को राज्यमाता का दर्जा दिलाने भगवा रैली में उमड़े लोग

गाय को राज्यमाता का दर्जा दिलाने भगवा रैली में उमड़े लोग

- डेढ़ किमी लंबी रैली के कारण लगा जाम
- जय श्रीराम, हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारों से गूंजा आसमान

जयपुर। गाय को राज्यमाता का दर्जा दिलाने के लिए रविवार को युवा शक्ति मंच की ओर से आयोजित भगवा रैली में जयपुर ही नहीं बल्कि आसपास के इलाके के लोग भी उमड पडे। भगवा रैली में शामिल हुए लोगों का जोश इस कदर रहा कि डेढ किमी लंबी रैली के कारण पूरा यातायात जाम हो गया और पुलिस प्रशासन को ट्रेफिक व्यवस्था सुधारने के लिए मशक्कत करनी पडी। भगवा रैली को राज्य के साधु संतो ने जलमहल से भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया।

युवा शक्ति मंच की ओर से भगवा रैली निकाली।

इस अवसर पर जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, बालमुकुंदचार्य, पूर्व प्रत्याशी रवि नैय्यर मौजूद रहे। इस दौरान रैली के आगे सभी वाहन भगवा झंडा लेकर चले। युवा शक्ति मंच राजस्थान के प्रदेश संयोजक सुनील सिंह शेखावत ने बताया कि संकल्प हिन्दू राष्ट्र बनाने का है। इसके लिए 8वीं रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन स्वामी लक्ष्मणानंद बलिदान दिवस के रूप में हुआ। इस दौरान हिंदू राष्ट्र बनाने के साथ गाय को राज्य माता का दर्जा दिलाने की मांग की गई। रैली में सबसे आगे राम रथ रहा और उसके पीछे गौ माता की मनमोहक झांकी सजाई गई।

इस भगवा रैली में हजारों की संख्या में वाहन शामिल हुए। सभी प्रतिभागी हाथों में भगवा झंडे लिए रहे और गौ माता के नारे लगते रहे। रैली के आगे और पीछे भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान दिल्ली रोड पर यातायात को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। रैली के मार्ग में आने वाली गलियों को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया और जगह-जगह दंगा नियंत्रण वाहन तैनात किए गए। रैली में जितने लोग वाहनों पर सवार रहे उससे दुगुनी संख्या में पैदल चलते नजर आए। वाहन रैली के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए भगवा कार्यकर्ताओं ने जिम्मेदारी संभाली।दिल्ली रोड की ओर से आ रही ट्रैफिक के बीच रैली के दौरान एक एम्बुलेंस फंस गई। इस पर कार्यकर्ताओं ने तुरंत रैली के वाहनों को साइड में कर एम्बुलेंस के लिए रास्ता साफ किया। इस दौरान रैली लंबी होने के कारण एम्बुलेंस के आगे करीब आधा दर्जन कार्यकर्ता दौडते हुए रास्ता साफ करवाते हुए नजर आए। दशहरा मैदान पर हुआ समापन जहां तेलंगाना के गोशा महल के विधायक टी राजा सिंह ने गाय माता को राज्य माता का दर्जा देने के लिए संबोधन दिया। भगवा रैली जलमहल से रवाना होकर रामगढ मोड पहुंची यहां रास्ते में आधा दर्जन से अधिक संगठनों की ओर से रैली का स्वागत किया गया। इसके बाद रैली चुंगी, खोले के हनुमान जी, ईदगाह, गलता गेट, ट्रांसपोट नगर पुलिया के ऊपर से होते हुए रोटेरी सर्किल पहुंची जहां रैली का शानदार स्वागत हुआ। यहां से वाहन रैली आजाद नगर, जवाहर नगर टीला नंबर 1 से टीला नंबर 5 हुए लाल जैन मंदिर, पंचवटी सर्किल होते हुए दशहरा मैदान पहुंची।

मण्डल की 667 आवासों वाली 5 नवीन योजनाओं के आवेदन में केवल 6 दिन शेष

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल की अगस्त में शुरू हुई योजनाओं में आमजन से उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन और नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में शुरू की गई इन योजनाओं में विशेष तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर () और अल्प आय वर्ग () को ध्यान में रखकर लाया गया है । यही कारण है की 667 में से कुल 608 फ्लैट्स/ आवास केवल और श्रेणी के लिए हैं ।

बूंदी जिले की नैनवा आवासीय योजना, पॉकेट- एवं पॉकेट- में विभिन्न आय वर्ग के लिए 72 स्वतंत्र आवास, कीमत 7 लाख 80 हजार से प्रारम्भ है । बारां जिले की अटरू आवासीय योजना में विभिन्न आय वर्ग के लिए 189 स्वतंत्र आवास, कीमत 7 लाख 60 हजार से प्रारंभ है ।

बाड़मेर जिले की लंगेरा आवासीय योजना में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी आय वर्ग के लिए 200 स्वतंत्र आवास, कीमत 8 लाख 61 हजार से प्रारंभ है ।धौलपुर जिले की बाड़ी रोड योजना में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी (जी 3) आय वर्ग के लिए 64 फ्लैट्स, लागत 12 लाख 45 हजार से प्रारम्भ।उदयपुर जिले की पानेरिया की मादड़ी में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी (जी 3) आय वर्ग के लिए 142 फ्लैट्स, लागत 11 लाख 68 हजार से प्रारम्भ है।

बडी चौपड़ से रामलीला मैदान तक त्यागी व्रतियों की निकली शोभायात्रा

- सकल दिगम्बर जैन समाज के सामूहिक क्षमापना समारोह में उमड़े श्रद्धालु
- रामलीला मैदान में 32 दिन के उपवास करने वाले 4 व्रतियों सहित 151 त्यागी व्रतियों का किया अभिनंदन

जयपुर। जैन समाज का एक मात्र प्रादेशिक प्रतिनिधि पंजीकृत संगठन राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में रविवार को रामलीला मैदान में जयपुर स्थित दिगम्बर जैन संतों के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी समारोह का आयोजन किया गया ।इस मौके पर राजस्थान जैन सभा के माध्यम से दस दिन एवं अधिक दिनों के उपवास करने वाले 151 त्यागी व्रतियों का अभिनंदन किया गया । इस दौरान पूरा पाण्डाल तालियों की गडगडाहट से गुंजायमान हो उठा ।

इससे पूर्व प्रात: बडी चौपड़ से जौहरी बाजार, बापू बाजार होते हुए रामलीला मैदान तक बैण्ड बाजों के साथ सभी त्यागी व्रतियों को 26 बघ्घियों में बैठाकर शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा एवं त्यागी व्रतियों का मार्ग में जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बैण्ड बाजों के साथ हाथी, घोड़ा, ऊंट व अन्य

रामलीला मैदान में जयपुर स्थित दिगम्बर जैन संतों के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी समारोह का आयोजन किया गया।

लवाजमा के साथ महिला मण्डलों एवं युवा मण्डलों, जैन सोश्यल ठ्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ठ्रुपों सहित बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि रामलीला मैदान में मुनि अरह सागर महाराज एवं क्षुल्लक ध्यान सागर के सानिध्य में आयोजित धर्म सभा का युवा समाजसेवी अनिल शोभी पाटनी काशीपुरा वाले ने दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। समाज श्रेष्ठी शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले ने सम्मान पुण्यार्जक के रुप में सभी त्यागी व्रतियों को चांदी की माला पहनाकर सम्मान किया। समारोह के मुख्य अतिथि रुप मेंवीर चंद्र गजेंद्र बडजात्या कामां वाले शामिल हुए । समारोह की अध्यक्षता विवेक -आशा काला ने की।

गौरवमयी अतिथि के रूप में अनिल - उमा दीवान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेश - ललिता सबलावत, राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद एवं बापूनगर निवासी 3 दिन के तप करने वाला 8 वर्षीय गुमान दीवान शामिल हुए। समारोह में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सासंद मंजू शर्मा, नगर निगम ग्रेटर के उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित अन्य राजनेताओं की गौरवमयी उपस्थिति रही।

A Call to Protect Our Planet

Greenpeace Day is observed every year on September 15 to mark the founding of Greenpeace in 1971, when a small group of activists set sail from Vancouver to protest nuclear testing. The day honours the global organization's decades-long fight for environmental protection, climate action, and ecological justice. It serves as a reminder of the power of grassroots movements in bringing about change. Campaigns, awareness drives, and educational programs encourage people to reduce pollution, conserve resources, and stand against practices harmful to the planet. Greenpeace Day is ultimately a call to safeguard Earth for future generations.

#JHUMKA

Jhumka That Fell… and Rose Again

Fast forward 54 years, and Bareilly decided to 'return' that missing earring - by building it

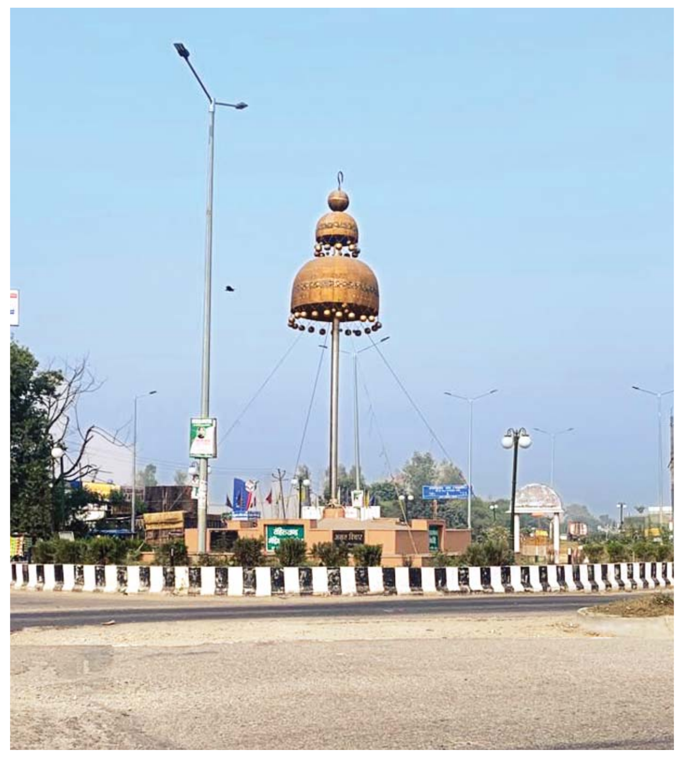

In 1966, *Mera Saaya* hit the silver screen, a film remembered not only for its mystery and drama, but for one song that would echo across decades:

"Jhumka Gira Re Bareilly Ke Bazaar Mein…"

In the film, the heroine laments losing her earring in the bustling market of Bareilly. A playful piece of cinema magic, nothing more. Or so it seemed.

Fast forward 54 years, and Bareilly decided to 'return' that missing earring- by building it.

Bareilly, a city in Uttar Pradesh, had gained nationwide fame back in 1966 purely because of that one song. In 2020, the Bareilly Development Authority unveiled a grand memorial: a 14-foot-tall, 200-kilogram jhumka, crafted from brass and copper by a Gurgaon artisan, costing 18 lakh. Installed at Zero Point on NH-24, the spot is now proudly called 'Jhumka Tiraha,' and it has quickly become a tourist landmark.

The song itself was the work of a dream team, lyricist Raja Mehdi Ali Khan, singer Asha Bhosle, composer Madan Mohan, and the graceful on-screen performance by the late Sadhana Shivdasani.

Curiously, neither the film's plot nor its Marathi original (Pathlaag, 1964) had anything to do with Bareilly. The city appeared in the lyrics alone.

And yet, the story of a 'jhumka in Bareilly' has roots in real life, and in the history of the Bachchan family. It began when Harivansh Rai Bachchan, poet and father of Amitabh Bachchan, first met Teji Suri (later Teji Bachchan) at a relative's wedding in Bareilly. During a family gathering, Harivansh Rai was urged to recite a poem. He did so with such beauty that tears welled in Teji's eyes. Harivansh Rai, seeing her moved, was touched himself. That poetic meeting soon blossomed into a love story.

But for a while, there was no wedding announcement. Friends would often ask when it would happen. One such friend was Raja Mehdi Ali Khan. Teji, seeking to dodge the question, smiled and said, "Mera jhumka to Bareilly ke bazaar mein gir gaya hai." ("My earring fell in the market of Bareilly.")

That casual line lodged itself firmly in the lyricist's mind. Years later, while writing for *Mera Saaya*, he remembered it, and turned it into an unforgettable song. The rest, as they say, is Bollywood history.

And so, in 2020, Bareilly 'returned' Teji's imaginary jhumka to the world, transforming a throwaway remark into a colossal monument.

It's one of those only-in-Bollywood stories: a film song with no link to the actual city or the Bachchan family, yet, it birthed a landmark visited by thousands. A reminder that, in the hands of the gifted artists of that era, even the smallest spark of inspiration could be immortalized.

The jhumka may have 'fallen' in 1966. But in Bareilly, it now stands tall.

Battles of Tomorrow Will Begin in the Skies

At the same time, modern, high-tech air defence systems have closed almost every gap in the defensive shield, making the skies even more dangerous. Today, with a trigger-happy soldier handling a state-of-the-art weapon, a pilot can be shot out of the sky in the blink of an eye. This has necessitated further distancing of adversaries in combat and also heightened the need for getting the pilot out of the cockpit (read drone warfare). Also, AI has found its way into all systems to reduce the decision-making time in combat conditions. (OODA Loop)

Air Cmde
Nitin Sathe
Veteran

War is changing faster than ever before. Drones, hypersonic missiles, and satellites are rewriting how nations fight and win. For India, strengthening airpower is not just about building military strength, it is about national security, diplomacy, and even humanitarian reach in a volatile world.

What is Airpower?

Airpower is more than just fighter jets roaring across the skies. It is the ability of a nation to use air and space, through aircraft, drones, missiles, satellites, and cyber systems, to influence battles on land, sea, and in the air. The term airpower, therefore, has metamorphosed into what is now called Aerospace Power.

When we first trained at the Air Force Academy four decades ago, our joy came from the thrill of flight: the kick of takeoff, the manoeuvres, and the relief of a safe landing. We were too young (and naïve) to realise that we would soon be part of India's hard power projection. And after 35 years in uniform while we greyed gradually, airpower, as we knew it, transformed rapidly. In fact, this change was so phenomenal that it was difficult to even fathom where we had started from just three and a half decades ago.

One thing was certain, however, airpower was destined to remain a decisive factor in the wars of tomorrow.

From Dogfights to Standoff Strikes

In the early days of aviation, aerial combat (read dogfights) meant pilots firing at each other from just a few meters away. Then came guns and missiles expanding this envelope to beyond-visual-range (BVR) engagements. Today, we have the ability to strike any target, aerial or otherwise, hundreds of miles away, sometimes before the enemy even gets airborne.

With modern air defence systems providing multi-tiered security of the skies above, every gap in the sky is covered. However, these skies have become perilous for flying objects. Today, a trigger-happy soldier with a high-tech weapon and good command and control (decision matrix) can shoot down an aircraft in seconds. This has pushed warfare into new domains, drones, artificial intelligence (AI), cyber, and use of rapid decision-making loops.

#SWOOPING THE ENEMY

History's Lesson: He, Who Owns the Skies, Wins

Airpower has always been a game-changer.

In World War I, fragile biplanes scouted battlefields; in World War II, bombers reshaped campaigns. The Israeli Air Force rewrote history in 1967 when it destroyed most of the Arab air forces on the ground within hours of the Six-Day War. There are so many examples of successful air campaigns the world over.

Closer home, the Indian Air Force played a decisive role in 1971 by crippling enemy communications and logistics, paving the way for a swift ground victory. The lesson remains the same today: control the skies, and you control the war below.

The Drone Revolution

Recent conflicts, from Ukraine to Gaza, have underlined the growing role of drones. Once seen as peripheral and low-cost tool, they are now at the core of warfighting. Drones are used for surveillance, logistics, precision strikes, and even overwhelming enemy defences. In Ukraine, they contested Russia's air superiority. In Gaza, inexpensive rockets and drones tested the limits of Israel's famed Iron Dome. In our region too, swarms of mini drones have been used to expose weaknesses in even the most advanced systems, something that we saw during Op Sindoor.

India's Recent Lessons

During Operation Sindoor, the IAF reportedly penetrated Pakistan's most heavily guarded Nur Khan Air Base (besides other bases) using air-launched missiles, fired from nearly 400 to 600 km away. These strikes, finding their way through nothing more than a ventilation shaft, proved that tomorrow's wars will be about surgical precision, not carpet bombing. The Balakot strikes were also another turning point. They showed India's readiness to use airpower proactively and send a clear strategic message across borders. Today, India has a growing missile capability, a rapidly expanding UAV fleet, and an indigenous research ecosystem. But complacency is dangerous. With foreign powers ready to support our adversaries, things could change overnight; and therefore, staying one step ahead is vital for our national security.

Beyond Combat: Airpower as a Lifeline

Airpower is not only about destruction. The IAF has shown its unmatched humanitarian reach time and again, be it relief operations after the 2004 tsunami, or evacuations of Indians from Ukraine (Operation Ganga) and Sudan (Operation Kaveri). Tomorrow's conflicts will test this dual ability, destruction and humanitarian response. Both will, without doubt, define India's global image.

Building the Future Arsenal

TO PREPARE FOR TOMORROW, INDIA MUST STRENGTHEN MULTIPLE PILLARS OF AIRPOWER WHICH INCLUDE:

Unmanned Systems
To get the 'human' out of the loop, indigenous swarm drones, autonomous strike UAVs, and 'loyal wingmen' drones to support manned fighters.

Hypersonic Missiles
These are weapons flying at over five times the speed of sound, that can penetrate any defence shield and destroy pin-point targets.

Space Assets
Satellites for navigation, communication, targeting, and anti-satellite systems to counter our adversary's advances in that domain.

Cyber and Electronic Warfare
Tools to jam, hack, and dominate the digital spectrum of battle. This today can prove decisive without a shot being fired.

Perception Warfare
Shaping global opinion, an area where India lags but has immense cyber talent to leverage.

Secure Networks
Future wars will be fought through data networks. Robust, jam-proof communication systems will become deciding factors in conflicts.

The Human Factor

Despite machines taking over, people will continue to remain central to warfighting; or for that matter, any business. Tomorrow's warriors need to be multi-skilled-pilots, cyber experts, strategists, capable of quick thinking and being adaptable and responsive to changing situations. Selecting the right talent and training them is as important as acquiring technology. To this end, means and methods need to be developed to ensure that top brains are retained within and not lost to the outside world.

The Challenges Ahead

India faces a worrying drop in fighter squadron strength. With legacy aircraft retiring, the numbers available are well below safe levels. This shortage threatens deterrence and needs an all of government approach. Interim solutions to bridge this void are the need of the hour; as of now, indigenous production is incapable of making good this deficiency. We have a long way to go before we attain atmanirbharta in the defence sector, especially in the field of aviation.

Alongside inducting additional Rafales, Su-30MKIs, Tejas, and Prachand, the IAF urgently needs more UAVs, AWACS (airborne early warning aircraft), mid-air refuellers, and other force multipliers. In the long run, we also need to curtail and finally stop dependency on foreign systems and technologies. We need to pump more money into research and development through public and private participation. Without political backing and speedy action, India risks falling behind in what could be a 2.5-front conflict scenario involving its neighbours as well as the internal security threats.

The Final Word

As I look back at my flying days and ahead to the skies of tomorrow, one truth stands out: Airpower is no longer just a supporting arm, it is the spearhead. Future wars will be intelligent, unmanned, high-speed, and multi-domain with air assets leading the way. For a fast-developing nation with global ambitions, investing in airpower is not a luxury but a necessity. The battles of tomorrow will begin and end in the skies, and India must be ready not just to defend, but to dominate the aerospace spectrum.

The future, after all, belongs to those who can rise above.

rajeshsharma1049@gmail.com

#WONDERS

Nature's Giants

A Look at the Largest Flowers on Earth

From the depths of the rainforest to the peaks of the Andes and even beneath the sea, some of the world's largest and most fascinating flowers are putting on nature's most spectacular displays. These floral behemoths aren't your typical backyard blooms, instead, they're evolutionary marvels, often with unusual adaptations, impressive sizes, and fleeting lifespans. Here are eight of the world's biggest and most extraordinary flowering plants.

1. Rafflesia arnoldii - The Monster Flower

Dubbed the world's largest single flower, Rafflesia arnoldii can reach three feet in diameter and weigh up to 15 pounds. Found in the rainforests of Malaysia and Indonesia, it's infamous not only for its size but also for its foul odour, akin to rotting meat, used to attract pollinating flies. The rare bloom relies on the Tetrastigma vine to grow, making it highly vulnerable to habitat destruction.

2. Amorphophallus titanum - The Corpse Flower

Often competing with Rafflesia for the title of 'largest flower,' the Amorphophallus titanum doesn't produce a single bloom but a towering inflorescence that can reach over 10 feet tall. Native to Sumatra but cultivated worldwide, it also emits a stench of decay to lure pollinators. Despite its fame, sightings in both the wild and greenhouses remain rare.

3. Talipot Palm (Corypha umbraculifera)

Standing more than 80 feet tall, the Talipot palm is the largest flowering plant with branched inflorescence. Its final act, a single massive flowering event, can occur after 80 years, with floral stalks reaching up to 26 feet in length. Native to India and Sri Lanka, this plant dies after blooming.

4. Pando - The Trembling Giant

While its flowers are barely visible, the Populus tremuloides, or quaking aspen, forms one of Earth's most enormous living organisms. A single male clonal colony, known as Pando, covers 107 acres in Utah and is thought to be over 80,000 years old. The organism weighs around 13 million pounds and includes more than 47,000 genetically identical trees.

5. Neptune Grass (Posidonia oceanica)

This Mediterranean marine plant may be the ocean's largest flowering species. A single colony discovered in 2006 spans miles and may be over 100,000 years old. Producing both flowers and fruit, it plays a key ecological role in sequestering carbon but is threatened by warming seas.

6. Sunflower (Helianthus annuus)

While common in gardens and farms, the sunflower earns a spot among giants. Native to the Americas, cultivated sunflowers can grow up to 30 feet tall with flower heads more than a foot across. Each head contains hundreds to thousands of small florets, making it an inflorescence in disguise.

7. Queen of the Andes (Puya raimondii)

The Puya raimondii, the largest bromeliad, grows in the high Andes of Peru and Bolivia. Reaching heights of up to 30 feet, it can produce thousands of flowers and millions of seeds, once in a lifetime, after 80 to 100 years. Threatened by climate change and habitat disturbance, the species is listed as endangered.

8. Amazon Water Lily (Victoria amazonica)

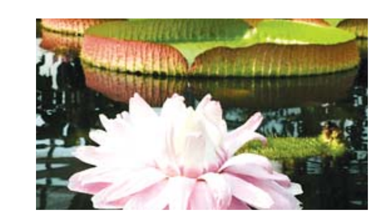

With leaves spanning up to eight feet, the Victoria amazonica dominates the aquatic plant world. Native to South America, its giant pads can support the weight of a small child. The water lily's pineapple-scented flowers bloom only at night and for just a few days, making them a rare sight.

These floral titans are not just botanical curiosities, they are reminders of the incredible biodiversity that still thrives on Earth. Yet, many are endangered, highlighting the fragility of the ecosystems they call home.

THE WALL

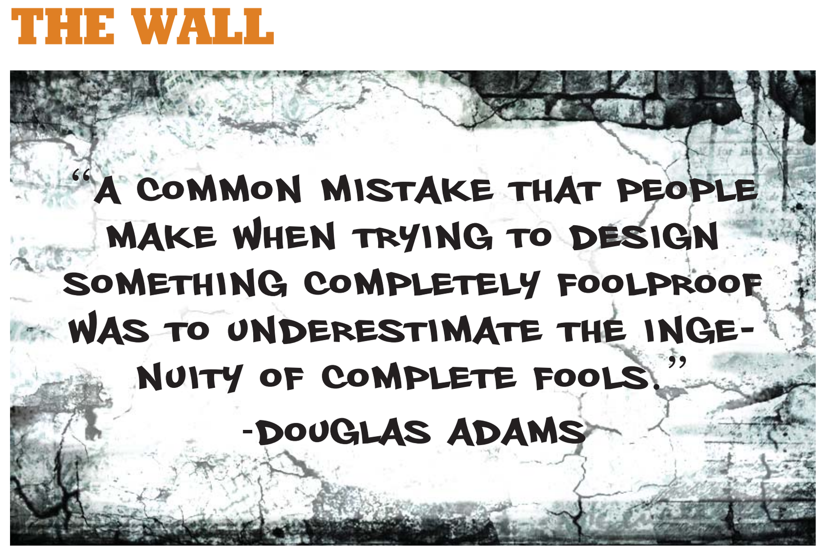

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

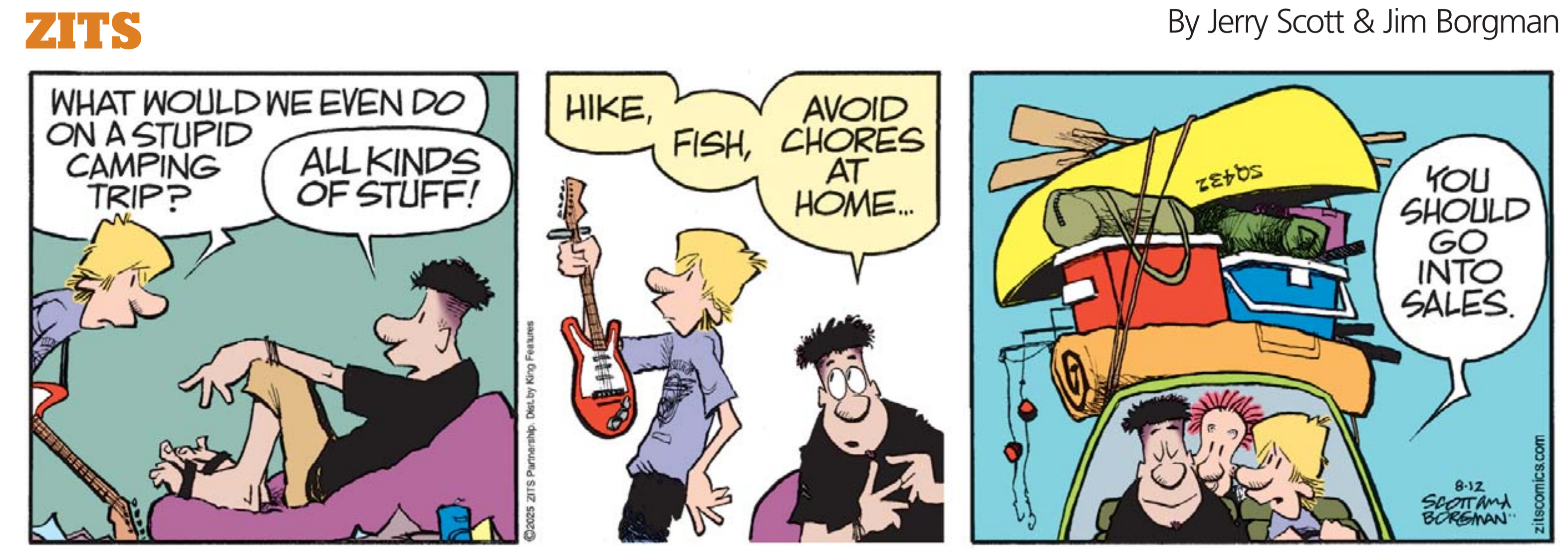

युवा पीढ़ी "विकसित एवं श्रेष्ठ भारत" के लिए गौ सेवा से जुड़े : वासुदेव देवनानी

"हरियालो राजस्थान" व "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के मुख्य आतिथ्य में रविवार को सांचोर शहर स्थित शिवशक्ति नगर में "हरियालो राजस्थान" व "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। साथ ही गौ कृषि जीवन अभियान का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए युवा पीढ़ी वर्ष 2047 तक "विकसित एवं श्रेष्ठ भारत" के निर्माण हेतु प्रकृति एवं गौ सेवा से जुड़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में हमारा देश विकास के पथ पर निरंतर प्रगतिरत है तथा वर्तमान में देश की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ते हुए चौथे पायदान पर काबिज हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत आगामी वर्षों में सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति के उच्च मूल्यों के समावेशन से पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए कृषि पद्धतियों में हो रहे आधुनिक बदलावों तथा ऑर्गेनिक खेती को अपनाने की बात कही। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि वर्तमान में कृषि में रसायन का अधिक उपयोग होने के कारण भूमि बंजर हो रही है तथा रसायनों से मानवों व पशुओं में बीमारियां फैल रही है। हमें गौ संरक्षण करने के साथ ही जैविक खेती करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि आज की परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में वृक्षारोपण कर उनका संरक्षण करने के साथ ही हमें प्रकृति व पर्यावरण के संतुलन की दिशा में अग्रसर होना होगा।

इस अवसर पर श्रवणसिंह राव बोरली ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जालोर जिले की गौशालाओं में 15 हजार पौधारोपण तथा क्षेत्र की 75 जरूरतमंद बालिकाओं को सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से लाभ प्रदान करवाने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी समेत अतिथियों ने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बालिकाओं को प्रतीक स्वरूप सहायता राशि के चैक प्रदान किए।

- वर्तमान में कृषि में रसायन का अधिक उपयोग होने के कारण भूमि बंजर हो रही है : सांसद राजेन्द्र गहलोत

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने वृक्षारोपण करते हुए पौधों से सुसज्जित वाहनों को हरी झंडी दिखाकर गौशालाओं के लिए रवाना किया। अतिथियों ने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 75 बालिकाओं को प्रतीक स्वरूप सहायता राशि के चैक प्रदान किए गए। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उपस्थित जनसमूह को वृक्षारोपण करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, सांचौर विधायक जीवाराम चौधरी, रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, जिला प्रमुख राजेश राणा, जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के गावंडे, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सांचौर दौलतराम चौधरी, उपखंड अधिकारी सांचौर प्रमोद कुमार, खीमाराम सुथार, श्रवण मोदी, मंगलसिंह सिराणा सहित क्षेत्र के साधु-संत, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

बयाना स्टोन क्रशर पर गैस सिलेंडर फटा, वेल्डर झुलसा

गैस कटर से काम कर रहे वेल्डर का सिलेंडर अचानक लीक हो गया था

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना थाना क्षेत्र के भगोरी गांव स्थित एक स्टोन क्रशर पर बड़ा हादसा हो गया। गैस कटर से काम कर रहे एक वेल्डर का सिलेंडर अचानक लीक हो गया, जिससे चिंगारी लगते ही उसमें आग भड़क उठी। इस हादसे में वेल्डर गंभीर रूप से झुलस गया। झुलसे वेल्डर की पहचान उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के गांव खेरबली निवासी सरफराज (28) के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरफराज स्टोन क्रशर पर गैस कटर से लोहे की प्लेट काट रहा था, तभी गैस सिलेंडर के पाइप में लीकेज हो गया। कुछ ही पलों में चिंगारी ने आग का रूप ले लिया और सरफराज लपटों की चपेट में आ गया। साथ काम कर रहे मजदूरों ने शोर मचाकर तुरंत काम बंद करवाया और किसी तरह आग बुझाकर सरफराज को बयाना उप जिला अस्पताल पहुंचाया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उप जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. जोगेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि सरफराज का चेहरा गंभीर रूप से झुलस गया है। उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र भरतपुर रेफर किया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने स्टोन क्रशर पर सुरक्षा के इंतजामों की कमी को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि ऐसे खतरनाक काम में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और सतर्कता बरती जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें।

- स्थानीय लोगों ने स्टोन क्रशर पर सुरक्षा के इंतजामों की कमी को लेकर नाराजगी जताई

लोक अदालत में जिला जज ने दिव्यांग की समस्या सुनी

भरतपुर, (निसं)। लोक अदालत में जिला सत्र न्यायाधीश केशव कौशिक ने मानवता का परिचय दिया है। लोक अदालत में बिजली विभाग के अधिकारी खुद कुर्सी पर बैठकर दिव्यांग व्यक्ति को जमीन पर बिठाकर समस्या सुन रहे थे। जिला जज कौशिक ने दिव्यांग व्यक्ति को अपनी बगल की कुर्सी पर बैठकर समस्या सुनी। बिजली विभाग के स्टाफ के प्रति नाराजगी जताई। दिव्यांग व्यक्ति को जिला जज की मानवता के बाद बिजली बिल में 55 प्रतिशत की छूट मिली। दिव्यांग व्यक्ति 2019 में बिजली बिल जमा नहीं करने पर बिजली कनेक्शन काटने के कारण अपनी समस्या को लेकर लोक अदालत में आया था। दिव्यांग व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई दी खुशी। जज केशव कौशिक के कार्य की सराहना हो रही है।

हमीरवास पुलिस ने सड़क किनारे पड़े अज्ञात व्यक्ति को घर पहुंचाया

सादुलपुर, (निसं)। घर से तीन-चार दिनों से लापता एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को हमीरवास थाना पुलिस ने उसके परिजनों तक पहुंचाकर मानवता का परिचय दिया है।

जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्ति सादुलपुर-पिलानी सड़क पर स्थित गांव थिरपाली छोटी और थिरपाली बड़ी के बीच सड़क किनारे पुलिस को बदहवास हालत में मिला। इस सम्बंध में हमीरवास थाना अधिकारी जय कुमार भादू ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गांव थिरपाली छोटी और थिरपाली बड़ी के बीच में सड़क से थोड़ी दूर एक अज्ञात व्यक्ति पड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि अज्ञात व्यक्ति की हालत खराब है और चलने-फिरने व बोलने की हालत में नहीं था। शरीर पर कपड़े भी नहीं थे। ऐसी हालत में देखकर पुलिस ने अज्ञात का प्राथमिक उपचार करवाकर और नहला-धुलाकर नए कपड़े पहनाए तथा सरकारी वाहन में बैठाकर खाना खिलाया। थाना अधिकारी भादू ने बताया कि तसल्ली देकर उसका नाम व पता पूछा तो अपना नाम मंदरूप (50) निवासी बागोर पुलिस थाना खेतड़ी जिला झुंझुनू हाल गांव भगीना पुलिस थाना पिलानी होना बताया। पुलिस ने पूछताछ में यह जानकारी भी हासिल की बुजुर्ग मन्दरूप अपनी बहन भतेरी पत्नी कुरडाराम के साथ गांव भगीना में ही रहता है। पुलिस ने मौके पर अन्य लोगों की मदद से घर से लापता हुए बुजुर्ग मंदरूप के बारे में पूछताछ की तथा बुजुर्ग के भांजे सोमवीर के मोबाइल नम्बर प्राप्त कर घटना के बारे में अवगत करवाया, जिस पर सोमवीर ने पुलिस को बताया कि मंदरूप उसके मामा लगते हैं जो मानसिक रूप से परेशान हैं, दिमाग की हालत ठीक नहीं है, मंदबुद्धि होने के कारण कभी-कभी घर से बाहर निकल जाते हैं और वापस घर आ जाते हैं, लेकिन 3-4 दिनों से घर से बाहर निकल गया था। खोजबीन भी की लेकिन कोई पता नहीं चल सका। जिस पर पुलिस ने उसके भांजे सोमवीर और उसकी बहन भतरी देवी को सौंपा, तो बहन की आंखों में खुशी के आंसू झलक उठे तथा हाथ जोड़कर के पुलिस का आभार जताया। थाना अधिकारी जयकुमार भादू, हेड कांस्टेबल रामनारायण ने पुलिस दल के साथ 3-4 दिनों से लापता व्यक्ति को उसके परिवार जनों को पहुंचाने की कार्रवाई की है।

- लापता भाई को देखकर बहन के झलके आंसू, पुलिस का आभार जताया

किंग कोबरा का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

बूंदी, (निसं)। कोबरा खतरे की स्थिति में अपने शरीर का अगला हिस्सा जमीन से लगभग 3 से 4 फीट (1 से 1.2 मीटर) तक उठा सकता है, लेकिन किंग कोबरा जैसे कुछ बड़े कोबरा एक इंसान जितने ऊँचे भी खड़े हो सकते हैं। खतरा महसूस होने पर कोबरा फन फैलाकर खुद को बड़ा दिखाने की कोशिश करता है।

बून्दी के नैनवां रोड़ से किंग कोबरा का रेस्क्यू किया गया था। जानकारी के अनुसार बूंदी के नैनवां रोड गेट नंबर 6 प्रेम नगर कॉलोनी में रविवार को प्रहलाद बैरवा के घर एक कोबरा सांप की सूचना पर टाइगर रिजर्व के रेस्क्यू एक्सपर्ट कुलदीप सिंह हाडा मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा का सफलपूर्वक रेस्क्यू किया और उसे जंगल में सुरक्षित छोड़ा। हाडा ने बताया कि सांप की लम्बाई 6 फिट थी। सांप का रेस्क्यू करने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस पर एक्सपर्ट हाडा ने वहां के आस पास की कॉलोनी वासियों को सांप के बारे में जानकारी दी और बारिश के दौरान घरों में साफ सफाई रखने की सलाह दी। सांप का सफलपूर्वक रेस्क्यू करने पर कॉलोनीवासियों ने एक्सपर्ट हाडा को धन्यवाद दिया।

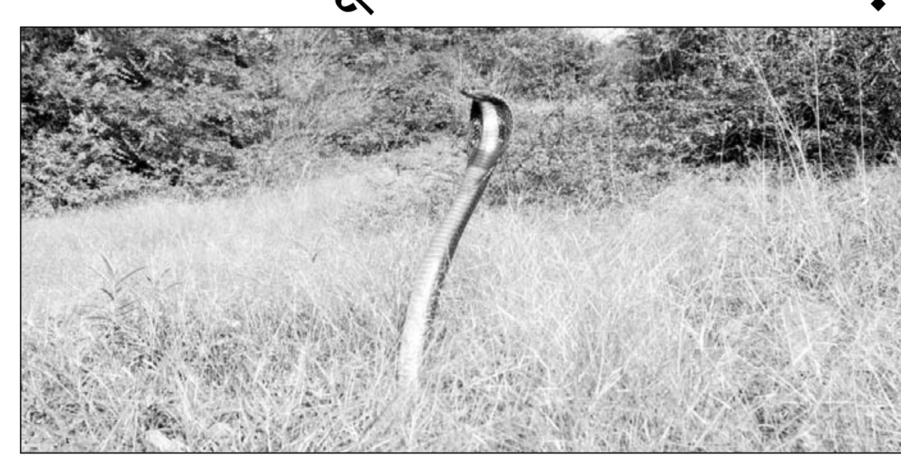

बून्दी के नैनवां रोड़ से किंग कोबरा का रेस्क्यू किया गया।

जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

बीदासर, (निसं)। शिवाजी बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदासर के प्रांगण में रविवार को चार दिवसीय 69 वीं जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी गिरधारी लाल मेहता की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एसीबीईओ द्वितीय चरण सिंह घोटड़ व विशिष्ट अतिथि पार्षद महेंद्र माली, विद्यालय संरक्षक रामस्वरूप रक्षक, राकेश साहू थे। मुख्य अतिथि चरण सिंह ने झंडारोहण कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता के संयोजक व प्रधानाचार्य मुकेश रक्षक ने बताया कि चार दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में जिले की 28 टीमों के 450 खिलाड़ी भाग ले रहे है। एसीबीईओ घोटड़ ने कहा कि खिलाड़ी खेल को खेल की भावना से खेलेविद्यालय संरक्षक रामस्वरूप रक्षक ने कहा कि हमारे जीवन में खेल व व्यायाम का सबसे बड़ा महत्व है।

पोस्टर का विमोचन

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वाधान में तेरापंथ युवक परिषद सादुलपुर व राजगढ द्वारा रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर भाजपा नेता कृष्ण भाकर ने पोस्टर का विमोचन किया। भाकर ने कहा कि 17 सितम्बर को लगने वाले रक्तदान शिवर में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर रक्तदान करें। इस अवसर पर अध्यक्ष तेयुप सादुलपुर उमेश लुणावत, मंत्री प्रमोद सरावगी, प्रमोद दुग्गड, दीपक मल, मनोज सोनी, राजगढ़ तेयु अध्यक्ष ऋषभ जैन व मंत्री अभिषेक सरावगी सहित युवा साथी मौजूद रहे।

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

झुंझुनूं। छात्र संगठन एसएफआई ने राजकीय महाविद्यालय में महाविद्यालय परिसर संबंधी मांगों को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा।

जिला उपाध्यक्ष विकास जैदिया ने बताया कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थाई गार्ड की व्यवस्था की मांग की। जिला महासचिव प्रिया मिठारवाल ने बताया कि महाविद्यालय का वाटर प्यूरीफायर भी कुछ महीनों से खराब है और पानी की टंकियों की सफाई भी नहीं हुई है। जिसके संबंध में उन्होंने ज्ञापन दिया है। विक्रम सिंह ने बताया कि महाविद्यालय मैदान को साफ करने की मांग रखी है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विकास गुर्जर ने बताया कि इसके साथ ही एसएफआई ने एक अलग से ज्ञापन शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा। जिसमें उन्होंने एनसीसी और स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी साहित्य विषय की मांग की।

इस मौके पर विकास गुर्जर, कंचन, गायत्री, अंकिता, साक्षी, अंकित, सलमान, सुर्जित, आदित्य बजावा, तौफीक पठान, मोनू चौधरी, सुमित, रक्षित, गौरव, अक्षय, योगेश, देव, महेंद्र आदि मौजूद रहे।

विप्र फाउंडेशन ने प्रतिभाओं का सम्मान किया

बुहाना, (निसं)। खेमका कुलदेवी मंदिर प्रांगण में विप्र फाउंडेशन जिला इकाई व बुहाना उपखंड की ब्राह्मण समाज विकास समिति सिंघाना-बुहाना के संयुक्त तत्वावधान में गौड़ ब्राह्मण महासभा के तहसील अध्यक्ष गुरुदयाल शर्मा की अध्यक्षता व विफा के जिला संयोजक उमाशंकर महमिया, संरक्षक राजेंद्र जोशी, सुभाष शर्मा चिड़ावा, एडवोकेट सुशील जोशी, जिला संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया, जिला मंत्री वशिष्ठ शर्मा, चिड़ावा तहसील अध्यक्ष पृथ्वीराज शर्मा, विजय कुमार शर्मा के आतिथ्य में समारोहपूर्वक बुहाना के सौरभ शर्मा का समाज में उत्कृष्ट योगदान व उपलब्धियों के लिए व कड़ी मेहनत कर सरकारी सेवा में राजपत्रित पद प्राप्त करने पर उनका पुष्पमाला, दुपट्टा, साफा, गोल्ड मैडल पहनाकर व अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम संयोजक ब्राह्मण समाज सेवा समिति बुहाना, सिंघाना के अध्यक्ष व विफा के उपाध्यक्ष एडवोकेट नरेश भारद्वाज ने बताया कि समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वालों व प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान करने से प्रतिस्पर्धा बढ़ती है। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समाज की प्रतिभाओं की खोज कर गांव ढाणियों तक युवाओं को प्रेरित किया जा रहा है। जिससे विप्र एकता को बल मिलेगा। युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर समाज के अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई। अभिनंदन पत्र का वाचन महेश शर्मा धुलवा ने किया, जबकि मंच का संचालन ब्राह्मण समाज विकास समिति बुहाना के महामंत्री डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने किया। आए हुए अतिथियों का व समाज के गणमान्यजन का धन्यवाद बुहाना सिंघाना ब्राह्मण विकास समिति के अध्यक्ष एडवोकेट नरेश भारद्वाज ने ज्ञापित किया। नंदकिशोर शर्मा, निरंजलाल, मनोहर जोशी, बजरंगलाल, बाबूलाल, चंद्रप्रकाश शर्मा, भास्कर शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रद्धा शर्मा, अनिता भारद्वाज, पवन शर्मा, रविदत्त वशिष्ठ, संतोष कौशिक, हवलदार नथमल शर्मा पुहनिया आदि विप्र समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तीन वर्ष बाद भीण्डर का झड़ू बांध छलका

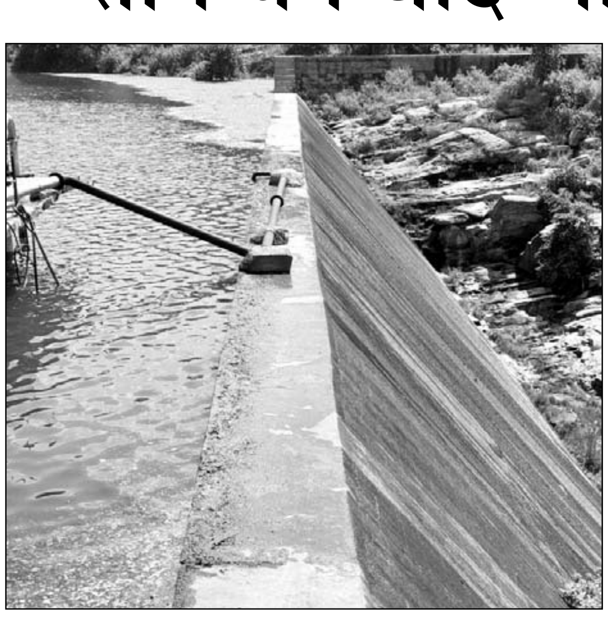

भीण्डर का प्रमुख जलस्त्रोत झडू बांध छलकता हुआ।

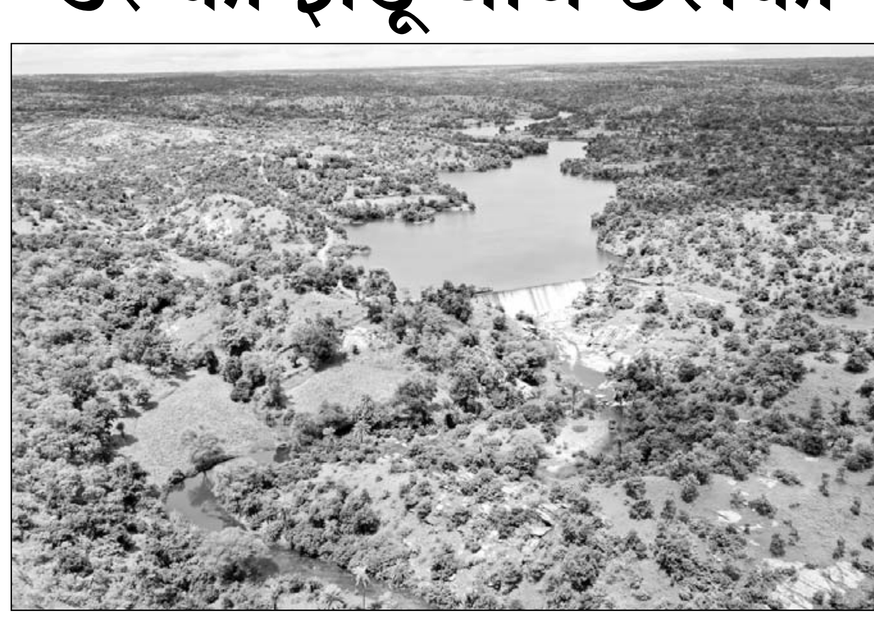

मोतिदा पंचायत क्षेत्र में स्थित झडू बांध पहाड़ियों के बीच बना हुआ है।

- भीण्डर की 27 हजार आबादी के पेयजल का प्रमुख जलस्त्रोत है झड़ू बांध
- 36 फीट भराव क्षमता वाले झड़ू बांध में 26 एमसीएफटी पानी जमा होता है

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर नगर की पेयजल का प्रमुख जल स्त्रोत झडू बांध 14 सितंबर रविवार सुबह 10.30 बजे छलक गया। 2022 के बाद से पिछले तीन वर्षों से छलकने का इंतजार कर रहे भीण्डरवासियों के लिए खुशियों का दिन लेकर आया। 36 फीट भराव क्षमता वाले झडू बांध में 26 एमसीएफटी पानी जमा होता है। इस बांध से भीण्डर नगर की करीब 27 हजार आबादी को अगले 15 माह तक बिना रूके पेयजल सप्लाई की जा सकती है। 12 वर्षों से लगातार छलक रहा झडू बांध पिछले दो वर्ष 2023 व 2024 में कम बारिश के कारण नहीं छलक सका था।

पहाड़ों के बीच बनाया हुआ है झडू बांध :- भीण्डर से महज 5 किमी दूर मोतिदा पंचायत क्षेत्र में स्थित झडू बांध पहाड़ियों के बीच निर्मित कर रखा है। 26 एमसीएफटी पानी की भराव क्षमता वाले झडू बांध के चारों तरफ पहाड़ियां स्थित है। यहां ओवरफ्लो होकर जाने वाले पानी का रास्ता भी पहाड़ियों के बीच से ही गुजरता है। यहां का प्राकृतिक नजारा देखते ही बनता है। झडू बांध से ओवरफ्लो होकर जाने वाला पानी आकोला-पाणुन्द से गुजर रही गोमती नदी से होकर जयसमंद में मिलता है।

अच्छी बारिश और पहाड़ों से हुई पानी की तेज आवक :- भीण्डर नगर की पेयजल सप्लाई का प्रमुख जलस्त्रोत झडू बांध पिछले 8 वर्षों में से 6 बार अगस्त माह में छलक गया तो दो बार सितम्बर की शुरुआत में छलका है, लेकिन पिछली बार कमजोर मानसून के चलते झडू बांध पहली बार अक्टूबर माह में छलका था। भीण्डर नगर की पूरे वर्षभर होने वाली पेयजल सप्लाई का करीब 70 प्रतिशत पानी इस बांध से ही लिया जाता है। जुलाई व अगस्त माह में अच्छी बारिश होने से पानी की अच्छी आवक हुई और पहाड़ियों से लगातार पानी की आवक होने से बांध लबालब हो गया।

15 वर्षों में 13 बार छलका, दो वर्ष में नहीं आया पानी :- भीण्डर नगर का प्रमुख जल स्त्रोत झडू बांध पिछले 15 वर्षों में 13 बार छलका है। वर्ष 2011 से 2022 तक लगातार प्रतिवर्ष छलकता रहा, लेकिन पिछले दो वर्षों में कम बारिश की वजह से 2023 व 2024 में बांध में पानी नहीं भरा, लेकिन इस वर्ष पिछले सप्ताह लगातार बारिश से पानी की अच्छी आवक होने से आज झडू बांध छलक गया। इससे पहले वर्ष 2008 से 2010 तक, लगातार तीन वर्ष तक बांध में पानी की कमी रही थी, लेकिन वर्ष 2011 से 2022 तक लगातार छलकता आ रहा है।

भाजपा के सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर जिला कार्यशाला संपन्न

झुंझुनूं, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन 17 सितंबर को मनाया जाएगा। इस दिन से 15 दिनों के लिए भाजपा की ओर से सेवा पखवाड़े का आगाज होगा, जिसमें सामाजिक सरोकार के साथ-साथ मोदी सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देकर भाजपा के नेता और कार्यकर्ता आमजन के बीच जाएंगे।

सेवा पखवाड़े से पूर्व रविवार को झुंझुनूं बीजेपी की ओर से जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी मुख्य वक्ता भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर थी। जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला को झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर तथा भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर ने बताया कि भाजपा एक राजनैतिक दल है, लेकिन सामाजिक सरोकारों में भी हमेशा आगे रहता है। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से लेकर दो अक्टूबर महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तक भाजपा सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन है, इसलिए इस मौके को ऐतिहासिक बनाने के लिए ना केवल मेडिकल कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप, नमो मैराथन, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, एक राष्ट्र श्रेष्ठ राष्ट्र, सबका साथ सबका विकास के नारों को भी साकार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। इस दिन से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन 25 दिसंबर तीन महीने तक आत्मनिर्भर भारत की दिशा में काम होगा। युवाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। इस बार सेवा पखवाड़े के दौरान भी जीएसटी में दी गई छूट को लेकर आमजन को जागरूक किया जाएगा। जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फेस्टिव सीजन से पहले जीएसटी की दरों में कमी है। उससे एक गृहिणी खुश है। टैक्स भी उन चीजों का कम किया गया है। जो आमजन के काम आने वाली है। इस मौके पर सेवा पखवाड़ा अभियान के जिला संयोजक जगदीश सोनी पिलानी ने अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जीएसटी अभियान के जिला संयोजक एक सीए ने कर प्रणाली पर प्रकाश डाला। आत्मनिर्भर भारत अभियान के सह संयोजक संजय मोरवाल ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं से जन जन को जागरूक करने को कहा। संचालन जिला महामंत्री योगेन्द्र मिश्रा ने किया।

इस दौरान हर घर तिरंगा अभियान में राजस्थान में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर जिला संयोजक सुनिल लांबा व मन की बात कार्यक्रम में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर जिला संयोजक महावीर ढाका को राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर द्वारा दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अभियानों में विधानसभा में अव्वल रहने पर मंडावा, खेतड़ी व नवलगढ़ विधानसभा संयोजकों को भी सम्मानित किया गया।

- सामाजिक सरोकारों को साथ लेकर चलने वाला दल है भाजपा : अल्का गुर्जर

कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन

कोटपूतली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री और अलवर सांसद भूपेंद्र यादव रविवार ने संसदीय क्षेत्र अलवर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रिवाली में आयोजित 69 वीं जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार देश को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रही है। यादव ने कोटपूतली–बहरोड–नीमराना से पनियाला मोड तक के क्षेत्र को भविष्य में अपार संभावनाओं वाला बताते हुए कहा कि यहां योजनागत विकास जरूरी है।

आम सूचना

मेरे अभिभाष्य हरिकृपा लैण्ड डवलपर्स एण्ड प्राईवेट लि0 जरिये डायरेक्टर श्री हरीश डाबी पुत्र श्री प्रेमसिंह डाबी जाति धानक निवासी डी-94 सुशान्त सिटी मांचवा जयपुर राज0 की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ने रामजीलाल पुत्र कानाराम जाति रैंगर निवासी रैंगरों का मोहल्ला ठिकरिया तह0 सांगानेर जिला जयपुर राज0 के स्वामित्व व खातेदारी अधिकार की कृषि भूमि वाके ग्राम त्योद पटवार हल्का त्योद तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 को जरिये इकरारनामा दिनांक 04-09-2023 को क्रय किया था तथा उसके हिस्से की भूमि में से कुछ हिस्से की भूमि का भू-रूपान्तकरण करवा कर विक्रय पत्र उक्त फर्म के नाम पंजीबद्ध करवाया था तथा शेष रामजीलाल की भूमि खाता संख्या नया 339, पुराना 54 के खसरा न0 606/51 रकबा 0.5437 है0 व खसरा नं. 620/618 रकबा 0.1752 है0 कुल खसरा 02 कुल रकबा 0.7189 है0 कृषि भूमि वाके ग्राम त्योद पटवार हल्का त्योद तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 को कुल विक्रय प्रतिफल राशि 17,17,000/ रूपये में जरिये इकरारनामा दिनांक 05-04-2024 को क्रय कर रखी है जो इकरारनामा अनिरस्तनीय है तथा वर्तमान में उक्त भूमि पर मेरा अभिभाष्य काबिज काश्त है तथा मेरे अभिभाष्य ने उक्त भूमि को डवल्प कर, सडके निर्माण कर, पेड पोधे लगा कर व बाउन्डी वाल व मकान बना कर विकसित कर लिया है तथा रामजीलाल को इकरारनामा दिंनाक 05-04-2024 की पालना हेतु विधिक नोटिस मेरे अभिभाष्य की ओर से प्रेषित किया हुआ है तथा वाद पेश किया जाना प्रस्तावित है। यदि कोई भी व्यक्ति / संस्था मेरे अभिभाष्य की जरिये ईकरारनामा दिनाक 05-04-2024 द्वारा क्रय तथा काबिज उक्त भूमि के सम्बन्ध में रामजीलाल पुत्र कानाराम जाति रैंगर निवासी रैंगरों का मोहल्ला ठिकरिया तह सांगानेर जिला जयपुर राज0 के साथ कोई संव्यवहार, लेनदेन, इकरारनामा, क्रय आदि करता है तो इसके लिये वह स्वंम जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।

शमीमुल हक एडवोकेट सांभरलेक (जयपुर)
मो.-9828297846

आम सूचना

मेरे अभिभाष्य हरिकृपा लैण्ड डवलपर्स एण्ड प्राईवेट लि0 जरिये डायरेक्टर श्री हरीश डाबी पुत्र श्री प्रेमसिंह डाबी जाति धानक निवासी डी-94 सुशान्त सिटी मांचवा जयपुर राज0 की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ने राजेश कुमार पुत्र कानाराम जाति रैंगर निवासी रैंगरो का मोहल्ला ठिकरिया तह0 सांगानेर जिला जयपुर राज0 के स्वामित्व व खातेदारी अधिकार की कृषि भूमि वाके ग्राम त्योद पटवार हल्का त्योद तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 को जरिये इकरारनामा दिंनाक 04-09-2023 को क्रय किया था तथा उसके हिस्से की भूमि में से कुछ हिस्से की भूमि का भू-रूपान्तकरण करवा कर विक्य पत्र उक्त फर्म के नाम पंजीबद्ध करवाया था तथा शेष राजेश कुमार की भूमि खाता संख्या नया 340, पुराना 54 के खसरा न0 602/52 रकबा 0.0672 है0 व खसरा नं 603/52 रकबा 0.7673 है0 कुल खसरा 02 कुल रकबा 0.8345 है0 कृषि भूमि वाके ग्राम त्योद पटवार हल्का त्योद तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 को कुल विक्रय प्रतिफल राशि 17,87,000/ रूपये में जरिये इकरारनामा दिनांक 05-04-2024 को क्रय कर रखी है जो इकरारनामा अनिरस्तनीय है तथा वर्तमान में उक्त भूमि पर मेरा अभिभाष्य काबिज काश्त है तथा मेरे अभिभाष्य ने उक्त भूमि को डवल्प कर, सडके निर्माण कर, पेड पोधे लगा कर व बाउन्डी वाल व मकान बना कर विकसित कर लिया है तथा राजेश कुमार को इकरारनामा दिंनाक 05-04-2024 की पालना हेतु विधिक नोटिस मेरे अभिभाष्य की ओर से प्रेषित किया हुआ है तथा वाद पेश किया जाना प्रस्तावित है। यदि कोई भी व्यक्ति / संस्था मेरे अभिभाष्य की जरिये ईकरारनामा दिनाक 05-04-2024 द्वारा क्रय तथा काबिज उक्त भूमि के सम्बन्ध में राजेश कुमार पुत्र कानाराम जाति रैंगर निवासी रैंगरों का मोहल्ला ठिकरिया तह सांगानेर जिला जयपुर राज0 के साथ कोई संव्यवहार, लेनदेन, इकरारनामा, क्रय आदि करता है तो इसके लिये वह स्वंम जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।

शमीमुल हक एडवोकेट सांभरलेक (जयपुर)
मो.-9828297846

आम सूचना

मेरे अभिभाष्य हरिकृपा लैण्ड डवलपर्स एण्ड प्राईवेट लि0 जरिये डायरेक्टर श्री हरीश डाबी पुत्र श्री प्रेमसिंह डाबी जाति धानक निवासी डी-94 सुशान्त सिटी मांचवा जयपुर राज0 की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ने गोपाल लाल पुत्र कानाराम जाति रैंगर निवासी पानी की टंकी वाली गली ठिकरिया तह0 सांगानेर जिला जयपुर राज0 के स्वामित्व व खातेदारी अधिकार की कृषि भूमि वाके ग्राम त्योद पटवार हल्का त्योद तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 को जरिये इकरारनामा दिनांक 04-09-2023 को क्रय किया था तथा उसके हिस्से की भूमि में से कुछ हिस्से की भूमि का भू-रूपान्तकरण करवा कर विक्रय पत्र उक्त फर्म के नाम पंजीबद्ध करवाया था तथा शेष गोपाल की भूमि खाता संख्या नया 341, पुराना 55 के खसरा न0 613/54 रकबा 0.8346 है0 कुल खसरा 01 कुल रकबा 0.8346 है0 कृषि भूमि वाके ग्राम त्योद पटवार हल्का त्योद तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 को कुल विक्रय प्रतिफल राशि 16,40,333/ रूपये में जरिये इकरारनामा दिनांक 05-04-2024 को क्रय कर रखी है जो इकरारनामा अनिरस्तनीय है तथा वर्तमान में उक्त भूमि पर मेरा अभिभाष्य काबिज काश्त है तथा मेरे अभिभाष्य ने उक्त भूमि को डवल्प कर, सडके निर्माण कर, पेड पोधे लगा कर व बाउन्डी वाल व मकान बना कर विकसित कर लिया है तथा गोपाल लाल को इकरारनामा दिंनाक 05-04-2024 की पालना हेतु विधिक नोटिस मेरे अभिभाष्य की ओर से प्रेषित किया हुआ है तथा वाद पेश किया जाना प्रस्तावित है। यदि कोई भी व्यक्ति / संस्था मेरे अभिभाष्य की जरिये ईकरारनामा दिनाक 05-04-2024 द्वारा क्रय तथा काबिज उक्त भूमि के सम्बन्ध में गोपाल लाल पुत्र कानाराम जाति रैंगर निवासी पानी की टंकी वाली गली ठिकरिया तह सांगानेर जिला जयपुर राज0 के साथ कोई संव्यवहार, लेनदेन, इकरारनामा, क्रय आदि करता है तो इसके लिये वह स्वंम जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।

शमीमुल हक एडवोकेट सांभरलेक (जयपुर)
मो.-9828297846

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

‘भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए राजनीति नहीं करती, बल्कि समाज को सेवा के लिए राजनीति करती है’

टोंक। भाजपा सेवा पखवाड़ा के तहत उनियारा कस्बे में स्थित विवेकानंद स्कूल में रविवार को भाजपा शहर मंडल की सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख सरोज बंसल व पूर्व जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल कासलीवाल रहे। कार्यशाला का प्रारम्भ अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया तथा अतिथियों का मंडल अध्यक्ष ममता साहू व कार्यकारी सदस्यों ने दुपट्टा पहनना का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के संस्कार में सेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रेम शामिल है। पुर्व जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल कासलीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 वर्षों में गरीब कल्याण की योजनाओं का सफलतापूर्वक लागू किया है। इसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी मेहंदवास मंडल द्वारा सेवा पखवाडे के तहत सेंट विवेकानंद स्कूल मेहन्दवास में मंडल अध्यक्ष नन्दलाल छान की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें जिलाउपाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी मुख्य अतिथि रहे। कार्यशाला में सेवा पखवाडे के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर शैलेंद्र चौधरी ने कहा कि 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन्मदिन से 2 अक्टूबर गाँधी जयंती तक सेवा पखवाडा रहेगा, सभी भाजपा कार्यकर्ता सेवा पखवाडे में सेवा कार्य करेगे।

इसी दौरान मंडल अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए राजनीति नहीं करती, बल्कि समाज को सेवा और समर्पण से जोड़ने का कार्य करती है। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं से सेवा पखवाड़े में भाग लेने की अपील की।

■ भाजपा कार्यकर्ताओं के संस्कार में सेवा, राष्ट्र प्रेम शामिल है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष कासलीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 वर्षो में गरीब कल्याण की योजनाओं का सफलतापूर्वक लागू किया है।

उनियारा में रविवार को भाजपा शहर मंडल की सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया गया

रैली में अधिकाधिक पहुंचने का आव्हान

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम सांगटेड़ा में रविवार को किसान महापंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

नाम परिवर्तन

रिन्की कुमारी धर्मपत्नी आर्मी नं- 15719463H रैंक L/NK आशीष कुमार निवासी- गांव- करीमाटी, जिला- हजारीबाग, झारखण्ड ने अपने पति के सर्विस रिकॉर्ड में अपना नाम रिन्की देवी से बदलकर रिन्की कुमारी कर लिया है।

मैं आर्मी नं. 15222427A लेस हवालदार राजेश कुमार पटले यूनिट 199 मीडियम रेजीमेट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम कुसमन पटले और जन्म दिनांक 10.07.1962 है। जो कि गलत है। मेरी माताजी का सही नाम कुशुमन और जन्म दिनांक 01.01.1968 है।

मैं आर्मी न. 16020438A हवलादार लेखराज सिंह झाला यूनिट 17 राजरिफ़ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरे माताजी का नाम रूप कवर (RUP KANWAR) और जन्म दिनांक 16.04.1958 है जो की गलत है। मेरे माताजी का सही नाम रूपकँवर (RUPKANVAR) और जन्म दिनांक 01.01.1959 है।

मैं आर्मी नंबर 16035161K राईफलमैन विष्णु सिंह चौहान यूनिट 17 राजरिफ़ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरे पिताजी का नाम राधेश्याम सिंह चौहान (Radheshyam Singh Chauhan) है जो की गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम राधे श्याम (Radhe Shyam) है।

मैं अनुराधा पुत्री JC-877845A रैंक नायब सूबेदार रबिनारायण भांजा निवासी गाँव बंधापाड़ा, पोस्ट राजापुर, जिला जाजपुर, उड़ीसा 755003, मेरे पिता के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम अनुराधा गलत अंकित है, सही नाम अनुराधा भांजा है। वाया शपथ पत्र नं.- IN-RJ27425933528679X दिनांक 11.09.2025 नोटेरी पब्लिक जयपुर।

मैं कनक लता पत्नी JC-877845A रैंक नायब सूबेदार रबिनारायण भांजा निवासी गॉव बंधापाड़ा, पोस्ट राजापुर, जिला जाजपुर, उड़ीसा 755003, मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम कनक लता गलत अंकित है, सही नाम कनक लता भांजा है। वाया शपथ पत्र नं.- IN-RJ27426445736741X दिनांक 11.09.2025 नोटेरी पब्लिक जयपुर।

मैं कौशिल्या माता सेना नंबर 15179223X हवलदार (CLK SD) हनुमान सिंह ग्राम- नांगल (मोहनपुर), पोस्ट- रसुलपुर, जिला- महेंद्रगढ़, राज्य- हरियाणा- 123027 मेरे बेटे के सेवा अभिलेख में मेरा नाम कौशल्या देवी दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम कौशिल्या है। एवं मेरी जन्मतिथि 10.04.1963 है जो कि गलत है सही जन्म तिथि 11.11.1953 है।

मैं अनूप सिंह पिता सेना नंबर 15179223X हवलदार (CLK SD) हनुमान सिंह ग्राम- नांगल (मोहनपुर), पोस्ट- रसुलपुर, जिला- महेंद्रगढ़, राज्य- हरियाणा- 123027 मेरे बेटे के सेवा अभिलेख में मेरा नाम Anoop Singh दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम Anup Singh है। एवं मेरी जन्मतिथि 07.07.1960 है जो कि गलत है सही जन्म तिथि 10.07.1952 है।

I, Banarsi Devi mother of No 15156863P Rank Hav (Clk) Ramswaroop Singh R/o Village- Sotwara Po- Sotwara Dist- Jhunjhunu, Rajasthan. Pin 333707. In army service record my mother's name Banarsi Devi and D.O.B. 01.07.1960 wrongly recorded. Correct mother's name is Banarasi and D.O.B. is 10.03.1960 Vide Affidavit CB 933969 Jaipur.

खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अनुशासन और भाईचारे की शिक्षा देते हैं : रत्ना कुमारी

लुहाकनाखुर्द (विराटनगर)। शहीद राजीव सिंह शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लुहाकनाखुर्द में शनिवार को 69 वीं जिला स्तरीय छात्र–छात्रा फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 17 सितम्बर तक किया जा रहा है।

■ कार्यक्रम का शुभारंभ रानी रत्ना कुमारी जी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेत्री रानी रत्ना कुमारी जी शाहपुरा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अनुशासन, परिश्रम और भाईचारे की शिक्षा देते हैं। जीत–हार जीवन का हिस्सा है, लेकिन असली खिलाड़ी वही है जो पूरे मनोयोग से खेलता है और खेल भावना को बनाए रखता है।

विद्यालय परिवार और समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में जिलेभर से आई छात्र–छात्रा टीमें भाग ले रही हैं। ग्रामवासियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल मैदान में तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। मंच संचालन हेमचंद वर्मा व्याख्याता ने किया।

लुहाकनाखुर्द के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

69वीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन

दौसा। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गणेशपुराम में आयोजित 69वीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयु 14 वर्ष के द्वितीय चरण का आगाज रविवार को हुआ। प्रतियोगिता का उदधाटन भाजपा नेता जगमोहन मीणा, नगर परिषद सभापति कल्पना जैमन, आरपीएससी के पूर्व सदस्य पं. विनोद बिहारी शर्मा, पार्षद पूरण चंद सैनी, डॉ मनीष पहाड़िया, आरटीओ एवं साहित्यकार जगदीश बैरवा, पूर्व पार्षद नरेंद्र जैमन, युवा नेता धुंधीराम मीणा ने ध्वजरोहण कर किया।

संयोजक पीईईओ चंद्रशेखर मौर्य और प्रधानाध्यापिका मोनिका मीणा ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 2 हजार 269 खिलडी पंजीकृत हुए हैं। बाबूलाल मेमोरियल डेंटल क्लिनिक द्वारा लगभग ढाई सौ बच्चों का निशुल्क दंत परीक्षण किया गया। प्रतियोगिता देखने के लिए कई ग्रामीण भी उमड़े ।

उघाटन समारोह में एडीओ प्रारंभिक तेजकरण शर्मा ने कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जो बच्चे भाग ले रहे हैं वह खेल भावना का परिचय देते हुए अनुशासन के साथ खेले। भाजपा नेता जगमोहन मीणा ने कि जिला स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षा के साथ खेल एक आवश्यक गतिविधि है शारीरिक शिक्षक विद्यालय की नींव होता है आप अपने विद्यालय में नियमित खेलों का आयोजन करवाना सुनिश्चित करें, जिससे हमारे जिले का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने। कार्यक्रम में नवनियुक्त एकीकृत शारीरिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष के के जैमिनी का स्वागत किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों ने प्रतियोगिता को लेकर उत्साह था। सत्यम क्लासेज के निदेशक महेंद्र चांदा ने प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीम के खिलाडियों को पुरस्कार देने की घोषणा की। मंच संचालन प्रियव्रत शर्मा ने किया।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता का राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गणेशपुरा में आयोजन हुआ।

■ भाजपा नेता जगमोहन मीणा ने कि जिला स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षा के साथ खेल एक आवश्यक गतिविधि है शारीरिक शिक्षक विद्यालय की नींव होता है आप अपने विद्यालय में नियमित खेलों का आयोजन करवाना सुनिश्चित करें, जिससे हमारे जिले का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने।

राजगढ़ में भागवत कथा के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली

माता शीतला सेवा समिति की ओर से श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली।

राजगढ़ । कस्बे के शीतला माता मंदिर श्री राम दरबार मालाखेड़ा गेट पर श्रीमद् भागवत कथा एवं सप्ताह ज्ञान यज्ञ के आयोजन को लेकर भव्य कलश यात्रा रविवार को श्रद्धा एवं विश्वास के साथ निकली। बैंड बाजे के साथ मालाखेडा गेट से निकली कलश यात्रा कस्बे के माचाड़ी चौक, गणेश मंदिर, पंडित भवानी सहाय स्मारक होते हुए मालाखेड़ा गेट कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा के दौरान मार्ग में धर्म प्रेमी लोगों की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर माता शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र दाधीच, श्याम सुंदर विजय, योगेश शर्मा, विजेंद्र शर्मा, अमरचंद मीना फौजी, खेम सिंह आर्य, मीना खंडेलवाल, प्रीति विजय, एन एल वर्मा एवं अन्य की मौजूदगी में पूजा अर्चना के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस दौरान महिलाओं ने भजनों पर नाच गा कर आयोजन को चार चांद लगाए।

माता शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र दाधीच ने बताया कि कथावाचक पंडित सुरेंद्र कुमार शास्त्री कथा वाचन करेंगे। कार्यक्रम के अवसर पर, प्रदीप शर्मा, सुनीता शर्मा, राजू सैनी फौजी, अवधेश साहू, तिलक, राकेश कुमार,सहित समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे । इधर मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से सतपाल महाराज के जन्मदिन पर भव्य रैली एवं कलश यात्रा शिष्यों की ओर से निकाली। कीर्ति हंस आश्रम के महात्मा केवलानंद जी महाराज, आशा तांबी एवं अन्य के नेतृत्व में निकाली गई रैली एवं कलश यात्रा में में आत्मज्ञान कहां मिलेगा, गुरुवर के दरबार में एवं रैली में सद्भावना आयोजन को लेकर महिलाओं ने उद्घोष किया। मानव कल्याण को लेकर महात्मा केवलानंद जी महाराज एवं अन्य सतपाल महाराज के जन्म पर संदेश दिया।

■ कलश यात्रा के दौरान मार्ग में धर्म प्रेमी लोगों की ओर से स्वागत किया गया। महिलाओं ने भजनों पर नाच गा कर आयोजन को चार चांद लगाए।

स्वस्थ नारी सशक्त अभियान 17 से

कोटपूतली । सरकार द्वारा चलाये जा रहे सेवा पर्व पखवाड़ा के तहत चिकित्सा विभाग की तरफ से प्रत्येक चिकित्सा संस्थानों पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जायेगा। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि जिले में प्रत्येक चिकित्सा संस्थानों पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत प्रत्येक चिकित्सा संस्थान पर शिविर का आयोजन कर विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा सुविधा प्रदान की जायेगा। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं से संबंधित 14 प्रकार की गतिविधियां संपादित की जायेगी। सीएमएचओ डॉ. शेखावत ने बताया कि शिविरों में स्वास्थ्य से संबंधित सभी विभागीय योजनाओं का लाभ दिया जायेगा।

शिविर में ओपीडी एवं स्वास्थ्य संबंधी जांच, मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण किशोरियों की स्वास्थ्य सेवा एवं स्वच्छता, कैंसर स्क्रीनिंग, एनसीडी एवं टीबी स्क्रीनिंग संबंधी कार्य भी किये जायेगें। शिविर में महिलाओं एवं किशोरियों की हीमोग्लोबीन, बीपी, शुगर, एनीमिया की जांच कर उनका उपचार एवं परामर्श दिया जायेगा। सीएमएचओ ने सभी बीसीएमओ एवं संस्था प्रभारियों को निर्देष दिये कि विभागीय योजनाओं से कोई भी आमजन वंचित ना रहें।

नवीन कार्यकारिणी घोषित

फुलेरा। फुलेरा व्यापार महासंघ की नवीन कार्यकारिणी शनिवार सायं महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा की ओर से घोषित की गई, नवीन कार्यकारिणी में संरक्षक सदस्यगण रवींद्रकुमार शर्मा, सुरेशचंद्र सारस्वत, किशनप्रकाश गगरानी, डॉ. रमेशचंद्र द्विवेदी, सुरेश राँवका, चेतनप्रकाश बड़ीवाल, कैलाशचंद धूपड, ईश्वरदास सबनानी, संगठन महामंत्री विमलकुमार जैन, महासचिव त्रिलोकचंद्र शर्मा, सूजाराम कुमावत, आलोक तिवाड़ी, सुरेश मिश्रा, जगदीश ककरालिया, कोषाध्यक्ष प्यारेलाल कुमावत, सह–कोषाध्यक्ष उमेश स्वामी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू दाधीच, गिरिराज अठावाल, भूपेंद्र गुप्ता, रमेश चौधरी, रतन चौधरी, उपाध्यक्ष ताराचंद सैनी, महावीर बेनाडा, नारायणलाल कुमावत, हरगोपाल साहु, विशाल सुरोलिया, परमानंद मौर्य, संगठन सचिव सुंदरदास सदारंगानी, सचिव प्रेमचंद कुमावत, जाकिर हुसैन मंसूरी, हरीश बड़ीवाल, सीताराम ककरालिया, तेजकरण सैनी, राजेश शर्मा (मुक्कू), महेंद्र सबनानी, हरेंद्र कुमावत, शैलेंद्र राबड़, राजेंद्र घासल, घनश्याम शर्मा, अशोक सोनी सहित विधि सलाहकार एडवोकेट हेमराज कुमावत, चार्टेड अकाउंटेंट दिनेश अठावाल, अर्पित मूदगल, मनीष शर्मा, लेखाकार दिनेश कारगवाल को बनाया गया है।

खोया पाया

प्लाट नं. 498, (गोविंदपुरा) सांगानेर मनु सक्सैना ने हनुमान सहाय चौधरी के पक्ष में निष्पादित मूल मुख्त्यारनामा आम कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। 8302810523

क्रमांक-27 दिनांक-14/09/2025

नीलामी आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अग्रवाल समाज के स्वामित्व व आधिपत्य का मकान व नोहरा वाकै मोहल्ला पचपीरान, सांभर लेक जिला जयपुर में स्थित है की नियमानुसार 16 सितम्बर 2025 को नीलामी की जानी है नीलामी पुरानी धानमण्डी स्थित अग्रवाल समाज की धर्मशाला में सांय 4 बजे होगी। इच्छुक बोलीदाता 21,000/- रूपया की धरोहर राशि जमा कराकर बोली मे भाग ले सकता है अन्तिम बोलीदाता को सम्पूर्ण राशि की 1/4 राशि मौके पर ही जमा करवानी होगी तथा शेष राशि दो दिवस में जमा करवाना अनिवार्य होगा। नियम व शर्ते अग्रवाल समाज धर्मशाला के सूचना पट्ट पर पढ़ी जा सकती है।

अध्यक्ष-सांभर **सचिव-सांभर**
अग्रवाल समाज **अग्रवाल समाज**
सांभर लेक **सांभर लेक**

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय... उपखण्ड अधिकारी... स्थान... कि.रेनवाल... राकेश कुमार... विरूद्ध... गजानन्द वगै....
वाद बाबत घोषणा खातेदारी व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 289/2023

नाम गजानन्द पुत्र शिवदयाल जाति कुमावत नि0 ग्राम दांता तहसील दांतारामगढ जिला सीकर राज0, बनवारीलाल पुत्र मांगीलाल, मुन्नीदेवी पत्नि श्री मनोज कुमार, विनोद कुमार समस्त जाति ब्राह्मण नि0 कि0रेनवाल तहसील कि0रेनवाल जिला जयपुर राज0, तहसीलदार कि0 रेनवाल, जिला जयपुर राज0 विरूद्ध स्थायी निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 15/9/25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपंसजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता0 12/9/25 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर
आज्ञा से-उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ रेनवाल, जिला जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय SDO स्थान मौजमाबाद
जिला जयपुर
प्रभात बनाम तहसीलदार वगै.
वाद/ प्रार्थना पत्र 128 L. R. ACT
प्रार्थना–पत्र संख्या 44/2024
प्रार्थना–पत्र बाबत् पत्थरगढ़ी

1. हेमराज काटीवाल पुत्र रघुनाथ जाति बलाई निवासी भोज्यावास तहसील सांगानेर जिला जयपुर
2. सुखराम पुत्र मेवाराम जाति बलाई निवासी 45 तेजाजी के मन्दिर के पास मैन सोडाला सांगानेर रोड़ के पास तहसील जयपुर जिला जयपुर
3. संतोष वर्मा पत्नी आनन्दीलाल जाति बलाई निवासी 45 तेजाजी के मन्दिर के पास मैन सोडाला सांगानेर रोड़ के पास तहसील जयपुर जिला जयपुर
4. उदय कुमार पुत्र प्रभात जाति बलाई निवासी भोज्यावास तहसील सांगानेर जिला जयपुर
5. मांगी देवी पत्नी रामस्वरूप जाति बलाई निवासी फोकसी तहसील जयपुर जिला जयपुर
6. तहसीलदार तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर

प्रार्थी प्रभात पुत्र मंगला जाति बलाई निवासी भोज्यावास तहसील सांगानेर जिला जयपुर ने इस न्यायालय में पत्थरगढ़ी बाबत् यह आवेदन किया है

अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए **दिनांक 09 माह 10 सन् 2025 को 10:00 पूर्वान्ह** में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 12 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

425
12.09.25
मोहर अदालत
न्यायालय
उपखण्ड अधिकारी
मौजमाबाद जिला जयपुर

Regional Office, Alwar
Rajasthan State Pollution Control Board
D-Block, Ambedkar Nagar, Alwar (Rajasthan) - 301001
Phone: 0144 -2980531, E-mail: ro.alwar@gmail.com
No. RPCB/RO/ALW /G-465 / Date: 11.09.2025

पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

मैसर्स ओम शुभम हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्सन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड टी.ओ.आर. आईडेन्टीफिकेशन नं. TO25BO108RJ5540580N क्षेत्रफल 10.1857 हैक्टेयर प्रस्तावित खनिज उत्पादन क्षमता 3,16,750 टन प्रति वर्ष (आर ओ एम) से वृद्धि कर 13,00,110 टन प्रति वर्ष (आर ओ एम), मार्बल खनन परियोजना खनन पट्टा संख्या 258/1989, निकट ग्राम कालसी काला गुवाडा, तहसील थानागाजी, जिला अलवर, में पर्यावरण स्वीकृत के लिए लोक सुनवाई।

1. सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स ओम शुभम हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्सन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड टी.ओ.आर. आईडेन्टीफिकेशन नं. TO25BO108RJ5540580N क्षेत्रफल 10.1857 हैक्टेयर प्रस्तावित मार्बल खनन परियोजना खनिज उत्पादन क्षमता 3,16,750 टन प्रति वर्ष (आर ओ एम) से वृद्धि कर 13,00,110 टन प्रति वर्ष (आर ओ एम), खनन पट्टा संख्या 258/1989, निकट ग्राम कालसी काला गुवाडा, तहसील थानागाजी, जिला अलवर, राजस्थान का प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) के समक्ष प्रस्तुत किया है।
2. और चूंकि मैसर्स ओम शुभम हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्सन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये आवेदन किया है।
3. और चूंकि मण्डल को उक्त परियोजना हेतु वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार लोक सुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है।
4. उक्त परियोजना से सम्बंधित EIA/EMP रिर्पोट निम्नांकित कार्यालयों पर उपलब्ध है :-
   1. जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, अलवर।
   2. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल मुख्यालय, 4, संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर।
   3. क्षेत्रीय कार्यालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, ए-218, अरण्य भवन झालाना सांस्थानिक क्षेत्र जयपुर।
   4. उपखण्ड अधिकारी थानागाजी, जिला अलवर।
   5. क्षेत्रीय अधिकारी राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, डी-ब्लॉक, अम्बेडकर नगर, अलवर।

अतः सर्वसाधारण को नोटिस के माध्यम से एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति से सम्बन्धित लोक सुनवाई हेतु दिनांक 29.10.2025 को प्रातः 11.30 बजे खनन पट्टा संख्या 258/1989, निकट ग्राम कालसी काला गुवाडा, तहसील थानागाजी, जिला अलवर में उपस्थित होकर अपने सुझाव/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है।

साथ ही इस सम्बन्ध में लिखित सुझाव/आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, डी-ब्लॉक, अम्बेडकर नगर, अलवर में दिये जा सकते है।

(नीरज शर्मा)
क्षेत्रीय अधिकारी

संक्षिप्त

कांग्रेस का 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान आज

टोंक । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिये निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा आज वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के अंतर्गत कांग्रेस कार्यालय पर जिला स्तरीय कार्यकर्ता संवाद (बैठक) के पश्चात जिला स्तरीय हस्ताक्षर अभियान का प्रारम्भ किया जायेगा। इस कार्यक्रम में एआईसीसी महासचिव, छत्तीसगढ़ प्रभारी व टोंक विधायक सचिन पायलट मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर जिला संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया ने बताया कि कार्यक्रम में सांसद, पीसीसी सदस्य, जिले के चारों विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी, जिला संगठन प्रभारी, विधानसभा प्रभारी, जिला कांग्रेस कमेटी पदाधिकारी, (कांग्रेस संगठन से जुडे जनप्रतिनिधि, प्रधान, पूर्व प्रधान, पूर्व जिला प्रमुख, नगर परिषद, पालिका के सभापति जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच गण, पाषर्द, विभिन्न संगठन प्रकोष्ठ विभागों के अध्यक्ष सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहेगें।

दौसा में उद्योग प्रदर्शनी 15 से

दौसा। महिला स्वयं सहायता समूहों व उद्यमी महिलाओं की ओर से निर्मित मूल्य संबंधित उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन तथा उनकी अलग पहचान स्थापित कराने के लिए 15 से 19 सितम्बर तक यहां बजरंग मैदान में अमृता हाट एवं उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक युगल किशोर मीणा ने बताया कि महिला अधिकारिता विभाग, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस मेले का उद्घाटन 15 सितम्बर को कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा करेंगे। उन्होंने बताया कि मेले में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आने वाली महिलाओं द्वारा 50 स्टॉल लगाई जाएगी। विभिन्न उत्पाद जैसे जूट का सामान, लाख की चड़ियां, आर्टिफीशियल ज्वैलरी, लैदर प्रोडक्ट, कशीदाकारी साड़ियां, मिलेट कुकीज, दरी, आचार इत्यादि की स्टॉल लगाई जाएगी। मेले में प्रतिदिन सायं काल मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

शिक्षा सेवा संस्थान की बैठक

भुसावर/भरतपुर (निस)। निकटवर्ती ग्राम सलेमपुर खुर्द की शिक्षा सेवा संस्थान की बैठक हरदेव कटारिया की अध्यक्षता में रविवार को राधा कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित हुई। आयोजित बैठक में शिक्षा सेवा संस्थान के सदस्यों पदाधिकारियों ने शिक्षा सेवा संस्थान की ओर से संचालित गतिविधियों अपने अपने विचार विमर्श करते हुए सुझाव दिए। बैठक के बारे में जानकारी देते अध्यक्ष चंद्र शेखर मीणा मोहन मीणा बलराम जांगिड़ ने बताया कि शिक्षा सेवा संस्थान सलेमपुर खुर्द के द्वारा एक निःशुल्क लाइब्रेरी शुरू की जाएगी जिससे जो बच्चे खेलड़ी मोड लाइब्रेरी में पढ़ने जा रहे है उनको गांव में ही ई पुस्तकालय की सुविधा मिले। इसके अलावा संस्था का रजिस्ट्रेशन करवाया जाएगा जिससे सहयोग करने वाले ऐसे सरकारी कर्मचारी या अन्य किसी करदाता को कर में छूट मिले। उन्होंने बताया कि शिक्षा सेवा संस्थान की ओर गरीब वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों जिनकी आर्थिक स्थिति सही नहीं हैं उनकी आर्थिक मदद दी जाकर शिक्षा में सहायता की जाएगी।

विकसित राष्ट्र की पंक्ति में भारत को खड़ा करने के लिए हर नागरिक का स्वस्थ होना जरुरी : यादव

अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

■ केंद्रीय मंत्री ने रविवार को अलवर और बहरोड में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा भिवाड़ी में ई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।

अलवर। अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने खिलाड़ियों को संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित राष्ट्रओं की पंक्ति में भारत को खड़ा करने का संकल्प को पूर्ण करने में देश के हर नागरिक का स्वस्थ होना जरुरी है। जिसके लिए उन्होंने खेलो इंडिया, फिट इंडिया, जो फिट है वह हिट है जैसे न केवल नारे दिए हैं बल्कि इसको धरातल पर मूर्त रूप दिया जा रहा है।

रविवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने अलवर इंदिरा गांधी स्टेडियम और बहरोड के रिवाली शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारम्भ ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई व मार्च पास्ट की सलामी ली और उसके उपरांत खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी में ई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। अलवर में कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ पर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा भी मौजूद रहे। वहीं भिवाड़ी में कार्यक्रम के दौरान तिजारा विधायक महंत योगी बालक नाथ पूर्व विधायक मामन सिंह सहित भाजपा नेता व अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने हिन्दी दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर मेडिकल व इंजिनियरिंग की पढ़ाई भी हिन्दी भाषा में भी प्रारम्भ की गई है। जिससे ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि कक्षा-कक्ष की औपचारिक शिक्षा पद्दित के साथ-साथ आधुनिक उन्नत तकनीकी को समाहित कर विद्यार्थियों को खेल, प्रयोगशाला व पुस्तकालय से जोड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने अटल टिंकरिंग लेब व ई लाइब्रेरी जैसे नवाचार इनमें से एक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि जिले के शिक्षा अधिकारी रूचि के साथ इन नावाचारो को जिले में आगे बढ़ाने का कार्य करें। हर आयुवर्ग के लोगों को जिनमें खासतौर पर युवाओं को न केवल खेल मैदान से जोड़ने के लिए बल्कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने हेतु अलवर में अलवर सांसद खेल उत्सव प्रारम्भ किये गए है। जिसमें पूरे अलवर ने उत्साह के साथ भाग लिया, इस वर्ष के खेलों का रजिस्ट्रेशन भारत सरकार के युवा व खेल मंत्रालय के पोर्टल पर चल रहे है। उन्होंने कहा की उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ग्रीष्म अवकाश के समय देश के उत्कृष्ट कोचेज से प्रशिक्षण दिला गया, अबकी बार साईं में प्रशिक्षण दिलाया जावेगा। उन्होंने कहा कि अबकी बार अलवर टाइगर मैराथन अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी, जिसमें देश दुनिया के नामचीन धावक अलवर आएंगे। मंत्री ने भिवाड़ी ई लाइब्रेरी के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं को डिजिटल शिक्षा से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस ई लाइब्रेरी में कुल 42 अत्याधुनिक कंप्यूटर लगाए गए हैं। 108 ई गुरुकुल लाइब्रेरी का कार्य प्रगतिशील रूप से चल रहा है, जो प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्थापित किए जा रहे हैं। इन ई लाइब्रेरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को करियर बिल्डिंग, नई तकनीकों की ट्रेनिंग, विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन सहित कई डिजिटल कोर्सेज उपलब्ध कराए जाएंगे। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल सबसे अच्छा साधन है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ अनुशासन भी सिखाते है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने जिले में खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए अनेक सौगाते दी है। जिसमें इंदिरा गांधी स्टेडियम में 7 करोड रुपए की लागत से एथलेटिक्स का सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण कार्य होगा, हॉकी का हॉस्टल न केवल अलवर यथावत रखवाया बल्कि 10 करोड रुपए की लागत से बनने वाले हॉकी के सिंथेटिक खेल मैदान एस्ट्रोट्रफ की भी स्वीकृति दिलाई है। मंत्री ने 17 सितंबर से प्रारम्भ हो रहें सेवा पखवाड़े में प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक स्तर पर एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की तथा युवाओं को इंटरनेट के सदुपयोग करने का संदेश भी दिया। इस दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में कुल 33 टीमें भाग ले रही है जिसमें 17 वर्ष आयुवर्ग में 14 टीमें व 19 बर्ष आयुवर्ग में 19 टीमें भाग ले रही है। जिसमें 364 खिलाडी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि 69 वीं जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आज द्वितीय चरण प्रारम्भ हुआ है जिसमें कबड्डी, हॉकी व टेबल टेनिस की कुल 80 टीमें भाग ले रही है और इनमें करीब 1100 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें हॉकी प्रतियोगिता प्रताप स्कूल में आयोजित हो रही है जिसमें छात्र व छात्राओं की 22 टीमें भाग ले रही है। टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन स्कीम चार स्थित विद्यालय में कराया जा रहा है जिसमें 25 टीमें भाग ले रही है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता,पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, घनश्याम गुर्जर, प्रधान दौलतराम जाटव व बीरमती देवी, जिला शिक्षा अधिकारी महेश मेहता, जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा, पं.जले सिंह नरेश गोयल, राजेंद्र गन्डुरा,इंद्र यादव, इंद्रजीत सिंह पाटा, जीतेन्द्र राठौड, सतीश यादव, सुमन चौधरी,अरुण जैन, रामवतार चौधरी, प्रेम पटेल, राजेंद्र सैनी, अमित गोयल, जितेंद्र शर्मा, विवेक प्रधान,सहित प्रबुद्ध नागरिक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

भामाशाह राम बाबू सैनी को याद किया

शाहपुरा । शाहपुरा के वार्ड नंबर 5 में स्थित मालियों की ढाणी में भामाशाह समाजसेवी स्वर्गीय गुरूजी राम बाबू सैनी की पुण्यतिथि पर सत्संग भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नवरंग म्युजिक एण्ड फिल्म्स के गायक व लेखक लाल चन्द नवरंग ने गुरूजी रामबाबू जी की तत्काल कविता बनाकर सुनाई तो उपस्थित श्रोता भावुक हो गए और उनकी भी अंखियां भर आई। गायक लाल चन्द नवरंग ने श्रीराम जी सैनी थारी पल पल याद सतावे छै छोड़ गए

■ नवरंग म्युजिक एण्ड फिल्म्स के गायक कलाकारों ने दी प्रस्तुति

मझधार बीच में अखियां भर भर आवे छै, गुरूजी कर गए नाम अमर व जीण माता का बहुत ही बेहतरीन भजन सुनाकर श्रोताओं मंत्र मुग्ध कर दिया। विराटनगर से आये पंडित मोजीराम के शिष्य गायक संतोष कुमार सैनी ने अखियां तरस गई रामबाबू जी तेरे दिदार के लिए... सुनाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया।

हास्य कवि व गायक कलाकार विनोद कुमार शर्मा ने दहेज प्रथा पर हास्य कविता सुनाई तो उपस्थित श्रोता हंसी से लोटपोट हो गये। गायक कलाकार लोकेश नवरंग ने आज सभा में लाज बचाले मोहन मुरली वाले, सतगुरु दर्शन देता जाज्यों जी का बहुत ही बेहतरीन भजन सुनाया। नगारा वादक दिलीप नवरंग, ओरगन प्लेयर उमाशंकर सहित अन्य कलाकारों ने बारी बारी से भजनों की प्रस्तुति देकर सबको रिझाया। सुबह 4 बजे आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया

इस मौके पर एडवोकेट मुकेश कुमार सैनी, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा फाउण्डेशन भारत सरकार नई दिल्ली के, राजस्थान प्रदेश के वरिष्ठ कार्य वाहक प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार सैनी विराटनगर, जय फूले माली विकास जन सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष साधुराम सैनी, पत्रकार विजयपाल सैनी, दिनेश कुमार सैनी, रविश, देवेन्द्र, लक्ष्मण झाला सहित सैकडों लोग मौजूद थे।

सार-समाचार

ग्रामों को जेडीए में शामिल नहीं करने की मांग उठाई

शाहपुरा। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा जयपुर शहर की 100 किलोमीटर परिधि में आने वाले राजस्व ग्रामों को शामिल करने की कार्यवाही को लेकर शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में गहरा असंतोष पनप रहा है। शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने इस मामले को गंभीर बताते हुए स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा से ग्रामों को जेडीए में शामिल नहीं करने की मांग उठाई है। विधायक यादव ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों को जयपुर विकास प्राधिकरण में सम्मिलित किया जा रहा है, लेकिन इस संबंध में किसी भी जनप्रतिनिधि से राय नहीं ली गई। विधानसभा के तृतीय अंत सत्र में मैंने इस विषय पर प्रश्न क्रमांक 4 के माध्यम से जानकारी मांगी थी, जिसके उत्तर में स्वयं सरकार ने स्वीकार किया कि जनप्रतिनिधियों से कोई राय नहीं ली गई। विधायक यादव ने यह भी याद दिलाया कि विधानसभा के चतुर्थ सत्र में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सदन में आश्वासन दिया था कि विकास प्राधिकरण और नगर विकास न्यास योजनाएं तैयार करते समय स्थानीय विधायक से विचार-विमर्श कर योजना को जनभावना के अनुरूप बनाया जाएगा। इस आशय के निर्देश भी मंत्री द्वारा 10 सितम्बर 2025 को सभी विकास प्राधिकरणों एवं न्यासों को दिए गए थे। विधायक ने मांग की कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के राजस्व ग्रामों को जेडीए में शामिल नहीं किया जाए तथा इस संबंध में नई समिति गठित कर मंत्री महोदय की अध्यक्षता में बैठक बुलाई जाए। इसमें संबंधित क्षेत्र के विधायकों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए ताकि आमजन की राय और जनप्रतिनिधियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जा सके। विधायक ने साथ ही ये भी बताया कि अगर ग्रामों को जेडीए में शामिल किया गया तो ग्रामीण विकास प्रभावित होगा और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि में वर्तमान जो गाँव शामिल है उनमें ने आज तक कोई विकास कार्य नहीं करवाया, का ध्यान सिर्फ़ कॉलोनीयो और कॉलोनाइजरो तक सीमित रहता है, का विकास व आमजन से कोई सरोकार नहीं रहता। छोटे-छोटे भूमि संबंधी कार्यों के लिए किसानों को जयपुर के चक्कर लगाने पड़ेंगे, जो काश्तकारो के लिए परेशानी का सबब होगा।

'चिकित्सा कर्मी सजगता से कार्य करें'

करौली । मंडरायल ब्लॉक के चिकित्सा कार्मिकों की एएनएम ट्रेनिंग सेंटर करौली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयंती लाल मीना एवं डिप्टी सीएमएचओ सतीश मीना एवं महेश कुमार मीना बीसीएमओ मंडरायल के सानिध्य में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बीसीएमओ महेश कुमार मीना ने बताया कि बैठक में सीएमएचओ जयंती लाल मीना ने सभी चिकित्सा कार्मिकों को अपने परिक्षेत्र में मौसमी बीमारियों का सर्वे ,एनसीडी सर्वे करने,हाईरिस्क प्रेग्नेंसी के प्रति सजग रहने,परिक्षेत्र में दिव्यांग जनो के यूडीआईडी कार्ड सर्वे करने सहित सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, एंटी लार्वान गतिविधि की जाए,समय पर एएनसी रजिस्ट्रेशन,टीकाकरण किया जाना आवश्यक है,सभी चिकित्सा कर्मियों को सजग रहकर कार्य करने के निर्देश दिए , ऑपरेटर, एवं यूनिसेफ से राजकुमारी एवं शाहिद खान ने भाग लिया।

भक्तों ने जीमी प्रसादी

राजगढ़ । कस्बे के गंगा बाग स्थित धार्मिक आस्था के केंद्र भजन सत्संग सहित भंडारे का आयोजन हुआ। निर्भय दास जी महाराज की छतरी पर रात्रि को स्थानीय कलाकारों ने एक से बढकर एक रचनाओं से सभी को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। रविवार को दोपहर छतरी पर आरती के पश्चात भंडारे का कार्यक्रम रहा जिसमें राजगढ़ के धर्म प्रेमी बंधुओं द्वारा प्रसाद ग्रहण किया। स्थान से जुड़े राजेश जोशी ने बताया कि पूर्व पालिका अध्यक्ष प्रभु दयाल शर्मा, रजनीकांत पटेल पत्रकारों सहित सैकडों श्रद्धालुओं द्वारा ढोक लगाई ।

मॉडल स्कूल में जिला स्तरीय कला उत्सव का आयोजन

■ लोक संस्कृति को समुचित अवसर प्रदान करने के लिए कलाउत्सव महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है

करौली । राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के आदेशानुसार जिला स्तरीय कला उत्सव का आयोजन स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली में किया गया। प्रधानाचार्य गोविंद सहाय प्रजापत ने बताया कि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए समुचित अवसर प्रदान करने हेतुविकसित भारत-वर्ष 2047 के भारत की परिकल्पना थीम के आधार पर कला उत्सव का आयोजन मॉडल स्कूल करौली में किया गया।

मीडिया प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि सुबह 9 बजे से रजिस्ट्रेशन आरंभ किये गये 10 बजे मां शारदे के चित्रपट पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर पीओ समसा राजकुमार मीणा, प्रधानाचार्य श्याम बिहारी और एमडी भावना ने कार्यक्रम की विधिवत्त शुरुआत की। 12 विधाओं में विद्यार्थियों ने भाग लिया,विजेता प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डाइट करौली महेश बाबू गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी लोक संस्कृति को समुचित अवसर प्रदान करने के लिए कलाउत्सव महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है,जो विद्यार्थियों की प्रतिभा को समुचित मंच प्रदान करता है।प्रतियोगिता के दौरान प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और शील्ड देकर प्राचार्य डाइट महेश बाबू गुप्ता,एमडी भावना,श्याम बिहारी,बृजलाल बैरवा,धर्म सिंह मीणा प्रधानाचार्य ने सम्मानित किया।संगीत गायन (एकल) में खूश्बू गौड महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरौठ,संगीत गायन समूह में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक-करौली की छात्राये लवली भदोरिया, आरती जाटव,पूजा चंद्रावत, संगीत वादन (तन्त्री/सुषिर,स्वर वाद्य एकल) में पार्थ शुक्ला केंद्रीय विद्यालय करौली,संगीत वादन (ताल वाद्य एकल)में सोनम पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नांगल पहाड़ी,नृत्य एकल में भावना पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय विजयपुरा,नृत्य समूह में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली की छात्राएं शिवानी मीना,ख्याति शर्मा,नेहा,आशाबाई मीणा का ग्रुप प्रथम स्थान,नाटक में प्रथम स्थान स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली के ग्रुप संगीता जाटव, प्रीति जाटव,हर्षिता सेन, सोनिया जोशी,दृश्य कला एकल द्विआयाम में जान्वी सारस्वत केंद्रीय विद्यालय करौली,दृश्य कला एकल त्री- आयाम (मूर्तिकला)में सोनिका मीना पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडाभीम, दृश्य कला समूह द्विआयाम/त्रिआयाम में नरेशी बैरवा, काजल बेरवा पीएम श्री सुजानपुर,कहानी वाचन में अनुष्का परेवा,राधिका जोरवाल स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक टोडाभीम के छात्र विजयी रहे। कला उत्सव के प्रभारी मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि ये समस्त विजेता छात्र राज्य स्तर पर करौली जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। निर्णायक के रूप में कृष्ण बिहारी पाठक, रघुराजसिंह, रामनरेश गुर्जर ने भूमिका निभाई।

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान 17 से

टोंक । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि स्त्री एवं प्रसूति रोगों को दूर करने के लिए सभी जिला अस्पताल, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों व सीएचसी-पीएचसी पर मेले जैसे स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इनमें जहां खास तौर पर न केवल महिलाओं की जांच होगी, बल्कि पूरा फोकस उसके निदान पर रहेगा। अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसलिए इसका नाम स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार दिया है। इसमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण माह अभियान को भी शामिल किया गया है, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इसमें चिकित्सा विभाग जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों का सहयोग भी ले सकेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य को सशक्त बनाना है। इस अभियान में एनीमिया, टीबी और सिकल सेल स्क्रीनिंग और जांच-उपचार से लेकर जागरूकता के बताया जायेगा।इसी प्रकार मां योजना के तहत रजिस्ट्रेशन, आयुष्मान कार्ड बनाना, एनसीडी-कैसर स्क्रीनिंग, एमसीपी कार्ड वितरण, प्रसव पूर्व पश्चात देखभाला आयुष सेवाएं स्वास्थ्य टेक स्टार्टअप की सेवाएं उपलब्ध रहेगी।

सभी ट्रेनों के पुनः ठहराव को लेकर रेलमंत्री को सौंपा ज्ञापन

फुलेरा में रेल समस्या को लेकर प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंपा।

फुलेरा । दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत की ओर से सभी ट्रेनों में मासिक सीजन टिकट की सुविधा बहाली एवं कोविड पूर्व सभी ट्रेनों का फुलेरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पुनः ठहराव की मांग को लेकर केन्द्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को ज्ञापन सौंपा गया। एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि फुलेरा व्यापार महासंघ व दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री के जयपुर आगमन पर विभिन्न रेल सम्बंधित समस्याओं के समाधान के लिए लेकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि जिसमें मुख्य रूप से कोविड काल में फुलेरा जंक्शन पर जो ट्रेनों के ठहराव बंद किए गए थे उसमें टीम ट्रेनिंग भी रह गई है, जिनके ठहराव आज तक बंद है। बिलासपुर, राजकोट, नागपुर इन तीनों ट्रेनों के पुनः ठहराव की मांग की गई। ज्ञापन के साथ में रेलवे बोर्ड से प्राप्त पत्र मार्च 2023 में दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत फुलेरा की मांग पर एक पत्र भेजा गया था, जिसमें रेलवे बोर्ड ने मुख्यालय जगतपुरा को अपने हिसाब से सूटेबल ट्रेनों में दैनिक रेल यात्रियों के लिए मंथली सीजन टिकट के लिए कहा गया था उसके पश्चात मुख्यालय ने केवल दो ट्रेनों आगरा फोर्ट ट्रेन जोधपुर इंटरसिटी में मंथली सीजन टिकट की सुविधा पुनः चालू की गई थी।

'ग्रामीण व शहरी शिविरों में स्वास्थ्य, पट्टों आदि के कार्य होंगे'

दौसा। आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं और आधारभूत सुविधाओं के माध्यम से लाभान्वित कर सुगम जीवन प्रदान करने के लिए 17 सितम्बर से ग्रामीण एवं शहरी शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि 17 सितंबर से गांवों में शुरु होने वाले अभियान के प्रथम सप्ताह में बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार (17, 18, 19 एवं 20 सितम्बर) को प्रत्येक दिवस 2 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शेष अभियान के शिविरों का सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार को प्रत्येक दिवस 2 ग्राम पंचायतों में आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान राजस्व विभाग की ओर से लंबित फार्मर रजिस्ट्री को पूर्ण करवाना, किसान गिरदावरी एप का प्रचार एवं अधिक से अधिक डाउनलोड करवाना, लंबित नोटिसों की तामील, कुर्रेजात रिपोर्ट तैयार करना, ऑनलाइन पोर्टल पर लंबित नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण, शुद्धिकरण के प्रकरणों का निस्तारण, लंबित गैर खातेदारी से खातेदारी प्रकरणों का निस्तारण आदि कार्य किए जाएंगे। इसी प्रकार विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन एवं स्वीकृतियां, स्वास्थ्य शिविर, स्वामित्व योजना के तहत पट्टों के लिए आवेदन, स्वीकृतियां एवं वितरण, दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत 10 हजार और गांव में बीपीएल परिवारों का सर्वे, बिजली तारों एवं खंभों इत्यादि में सुधार, स्वच्छता एवं पौधारोपण आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि शहरों में 17 सितम्बर से वार्ड वार कैंप लगाकर प्राप्त आवेदनों और समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

इन शिविरों में योजनाओं के आवेदन ऑनलाइन माध्यम से भी स्वीकार किए जाएंगे। जिला कलक्टर ने बताया कि अभियान के अंतर्गत शहर की संपूर्ण साफ-सफाई और सौंदर्यकरण का कार्य किया जाएगा। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों, पार्कों, सामुदायिक केन्द्रों और अन्य सार्वजनिक स्थलों का रख-रखाव एवं सौंदर्यकरण किया जाएगा।

खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज

दौसा। राजकीय सीनियर सेकेंडरी विधालय कालोता में रविवार से 69 वीं जिला स्तरीय विधालयी खेलकूद 17 व 19 वर्षीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन भाजपा नेता जगमोहन मीणा, संयोजक प्रधानाचार्य बतीलाल मीणा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगमोहन मीणा ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहीए। खेल से विधार्थियों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। खेल हमारे तन-मन की शक्ति के साथ-साथ हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाता है और तन-मन से स्वस्थ आत्मविश्वासी व्यक्ति के लिए जीवन में कोई भी कार्य कठिन नहीं है, लेकिन खेल को खेल की तरह खेलना चाहिए।

जीत हो या हार उसे खुले दिल से स्वीकार करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला परिषद सदस्य नीलम गुर्जर ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में बच्चे, जवान, बुर्जुग सभी को खेल खेलने चाहिए, खेलों से हमारे शरीर को ऊर्जा प्राप्त होती है। शारीरिक रोगों से मुक्ति मिलती है। इसलिए हर व्यक्ति को खेलना चाहिए।

'चयनित गांवों के विकास के लिए गांव में जाकर प्लान तैयार करें'

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कर्मयोगी आमुखीकरण कार्यशाला का प्रारम्भ जिला प्रमुख सरोज बंसल ने किया।

■ जिला प्रमुख सरोज बसंल ने कहा कि धरती आबा में चयनित ग्रामों के सम्पूर्ण विकास हेतु संबंधित ग्राम में जाकर उनकी आवश्यकतानुसार प्लान तैयार करे, जिससे ग्राम का सम्पूर्ण विकास हो सके। सभी प्रतिभागी कार्यशाला में तीन दिवस तक उपस्थित रहकर अभियान अन्तर्गत बतायी जा रही जानकारियों को ब्लॉक लेवल तथा ग्राम लेवल तक लेकर जावे।

टोंक। जिला प्रमुख सरोज बसंल द्वारा चलाये जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कर्मयोगी आमुखीकरण कार्यशाला का प्रारम्भ जिला प्रमुख ने दीप प्रज्जवलित कर शुभांरभ किया, जो जिला परिषद सभागार टोंक में आयोजित की गई।

इस मौके पर जिला प्रमुख सरोज बसंल ने कहा कि धरती आबा में चयनित ग्रामों के सम्पूर्ण विकास हेतु संबंधित ग्राम में जाकर उनकी आवश्यकतानुसार प्लान तैयार करे, जिससे ग्राम का सम्पूर्ण विकास हो सके। सभी प्रतिभागी कार्यशाला में तीन दिवस तक उपस्थित रहकर अभियान अन्तर्गत बतायी जा रही जानकारियों को ब्लॉक लेवल तथा ग्राम लेवल तक लेकर जावे जिससे कार्य योजना बनाने में आसानी हो।

इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, परशुराम धानका ने बताया कि जिले में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 6 ब्लाको में (टोंक, टोडारायसिंह, पीपलू, देवली, उनियारा, निवाई) इस प्रकार कुल 135 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों का चयन किया गया है। अभियान के तहत इन ग्रामों में सभी विभागों से संबंधित सम्पूर्ण विकास कार्य करवाये जावेंगे। अभियान के तहत जिला स्तर पर पांच आदि कर्मयोगी एवं ब्लॉक स्तर पर 5-5 आदि कर्मयोगी का चयन किया गया है एवं ग्राम स्तर पर आदि साथी एवं आदि सहयोगी का चयन किया गया। जिला स्तरीय आदि कर्मयोगी का राज्य स्तर पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन उदयपुर में किया गया है। जिसमें जिला स्तरीय आदि कर्मयोगी प्रशिक्षण प्राप्त कर ब्लॉक स्तर के आदि कर्मयोगियों को तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित करेंगें।

प्रशिक्षण उपरान्त प्रशिक्षित ब्लॉक स्तरीय आदि कर्मयोगी अपने-अपने ब्लॉक के चयनित ग्रामों में जाकर आदि साथी एवं आदि सहयोगियों को प्रशिक्षित करेगें। जिससे ग्राम विकास योजना तैयार करेगें। ग्राम विकास योजना का 2 अक्टूबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा में अनुमोदन करवाकर ग्राम विकास योजना को ब्लॉक स्तर पर भिजवायेगें।

ब्लॉक स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदन कर जिला स्तर पर भिजवायेगें जो जिला स्तर जिला कलेक्टर टोंक की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति में अनुमोदन करवाया जाकर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग राजस्थान उदयपुर को भिजवाया जावेगा। कार्यशाला में रामरतन सौकरिया अतिरिक्त जिला कलक्टर टोंक, सरोज मीना उपनिदेशक महिला बाल विकास विभाग टोंक, खुशबू शर्मा परियोजना अधिकारी लेखा जिला परिषद टोंक, डॉ. जितेन्द्र शर्मा अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी टोंक , घनश्याम मीना अधिशाषी जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग टोंक, महेन्द्र मीना सहायक विकास अधिकारी प्रभारी धरती आबा जिला परिषद टोंक आदि ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे।

मुझे लगता है कि बीसीसीआई 22 अप्रैल के नरसंहार को भूल गया है। जब आतंकवाद के कारण पाकिस्तान से सभी तरह के रिश्ते खत्म हो चुके हैं, तो क्रिकेट क्यों खेला जा रहा है?
- ऐशान्या द्विवेदी

शुभम द्विवेदी की पत्नी, भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मेघना सज्जनार

मेघना सज्जनार ने रविवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक के साथ विश्व कप में अपना पहला पदक जीता, जिससे भारत ने सत्र के अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) में पांचवें स्थान पर रहकर अपने अभियान का अंत किया। मेघना ने फाइनल में 230.0 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की उभरती हुई स्टार पेंग शिनलू का दबदबा रहा, जिन्होंने 255.3 के स्कोर के साथ हमवतन वांग ज़िफ़ेई के 254.8 के स्कोर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड ने रजत पदक जीता।

क्या आप जानते हैं ?... भारत बनाम पाकिस्तान (23 फरवरी 2025): चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की थी।

दौसा क्रिकेट अंडर -23 टीम घोषित

जयपुर, 14 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ के सचिव ब्रजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा 15. 9.2025 से अंडर -23 टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है जिसके लिए जिले की टीम में निम्न खिलाड़ी लिए गए है। सचिन शर्मा, देवकृत शर्मा, ध्रुव सेठी, जतिन शर्मा, दिव्यांशु घोसिंगा, राम शर्मा, विशाल सिंह, नमन शर्मा, भावेश शर्मा, प्रांजूल शर्मा, प्रदीप सैनी, पृथ्वी नागरवाल, लीलाधर मीणा, शान अवस्थी, आदित्य भट्ट, मोहित जैमन, संजय मीणा। डीसीए के सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले की टीम में दूसरे जिले के खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है लेकिन टीम का प्रदर्शन बिल्कुल आशानूरूप नहीं आ रहा है। हम हमारे जिले के खिलाड़ियों को ज़्यादा से ज़्यादा मौक़ा देना चाहते है परन्तु दौसा के खिलाड़ी निराश कर रहे है। यदि टीम का रिजल्ट इस बार भी ठीक नहीं आता है तो हमे एनओसी प्लेयर खिलाने पर विचार करना होगा ।टीम का चयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया गया है उम्मीद करते है टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। इस टीम के साथ टीम मैनेजर वेंकटेश शर्मा और कोच सुखराम गुर्जर होंगे ।

जयपुर पोलो टीम ने कॉग्निवेरा को 8- 7 से हराया

जयपुर, 14 सितम्बर। जयपुर पोलो टीम ने आज चिंकारा पोलो कप के फ़ाइनल में जीत का जश्न मनाया, जिसमें उन्होंने कोग्निवेरा स्टैलियंस को 8–7 गोल से हराया। लांस वॉटसन ने जयपुर के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल किए, जबकि बॉतिस्ता अल्बर्डी ने 5 गोल करके स्टैलियंस को मुकाबले में बनाए रखा।

सम्मानित निगाहों के सामने रोमांचक समापन: अंतिम क्षणों में स्कोर बराबरी पर था, लेकिन अंगद कलां ने निर्णायक पेनल्टी शॉट लेते हुए जयपुर की जीत सुनिश्चित की और खिलाड़ियों व समर्थकों के बीच जश्न का माहौल बना दिया। कैवेलरी पोलो ग्राउंड के आसपास का माहौल उत्साहपूर्ण था, क्योंकि प्रशंसकों ने शानदार नाटकीयता और उच्च स्तरीय घुड़सवारी का प्रदर्शन देखा। फाइनल के मुख्य अतिथि 61वीं सब एरिया के जीओसी इन सी थे, जिनके साथ गणमान्य नागरिक और कई यादगार अतिथि थे। 61वीं कैवलरी के पूर्व कमांडेंट और वर्तमान अधिकारी मौजूद थे। उनकी उपस्थिति ने जयपुर के खेल कैलेंडर में चिंकारा पोलो कप के महत्व को रेखांकित किया और प्रतिभागियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

भारत–पाकिस्तान मैच का विरोध

देश की सुरक्षा और शहीदों का सम्मान किसी भी खेल या आर्थिक लाभ से कहीं बड़ा है : पठान

जयपुर, 14 सितम्बर। कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने पाकिस्तान से भारत के क्रिकेट मैच को लेकर कहा कि पाकिस्तान लगातार सीमा पार से आतंकवाद, घुसपैठ और देशविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देता रहा है। ऐसे समय में भारत–पाकिस्तान के बीच खेल मुकाबले आयोजित करना शहीदों और देशवासियों की भावनाओं का अपमान है। हम यह मानते हैं कि खेल का उद्देश्य भाईचारा और सौहार्द बढ़ाना है, परंतु जब तक पाकिस्तान अपनी नीतियों और आतंकवाद को समर्थन देने वाले रवैये में बदलाव नहीं करता, तब तक भारत को किसी भी प्रकार के खेल, सांस्कृतिक या राजनयिक संबंधों से दूरी बनाए रखनी चाहिए। हमारी स्पष्ट मांग है कि बीसीसीआई और केंद्र की भाजपा सरकार इस मैच को रद्द करे तथा पाकिस्तान के साथ खेल संबंधों को पूरी तरह समाप्त किया जाए। राष्ट्र की सुरक्षा और शहीदों का सम्मान, किसी भी खेल या आर्थिक लाभ से कहीं बड़ा है। पाकिस्तान द्वारा लगातार आतंकवाद और देश विरोधी गतिविधियों के समर्थन की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसे हालात में भारत–पाकिस्तान के बीच किसी भी प्रकार का क्रिकेट मैच खेलना शहीदों और देशभक्त नागरिकों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। हमारे जवान हर दिन शहीद होते हैं, ऐसे में खेल संबंध रखना शहीदों का अपमान है। यह केवल क्रिकेट का खेल नहीं, बल्कि राष्ट्र की गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़ा मामला है। खेल और आतंक एक साथ नहीं चल सकते – यह स्पष्ट संदेश देना जरूरी है।1962 से 1977 में पाकिस्तान से एक मैच भी नहीं खेला पुर जोर विरोध किया। 1986 और 1999 में हमने एशिया कप का बहिष्कार किया और 1993 में एशिया को बर्खास्त करना पड़ा क्योंकि हमने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया था। मुंबई हमले के कारण 2008 में चैंपियन ट्रॉफी में पाकिस्तान से खेलने से मना कर दिया था हमने। भाजपा के केंद्रीय मंत्री मैच के फायदे गिना रहे हैं। अनुराग ठाकुर और मनोहर लाल खट्टर कह रहे है की खेल और सियासत अलग–अलग है।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

दुबई 14 सितंबर। कुलदीप यादव (तीन विकेट), जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल (दो–दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान सूर्य कुमार यादव (नाबाद 47) अभिषेक शर्मा (31), तिलक वर्मा (31) की बदौलत भारत ने रविवार को एशिया कप के छठे मुकाबले में 25 गेंदे शेष रहते पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया।

128 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में 22 रन जोड़े। दूसरे सैम अयूब ने शुभमन गिल सात गेंदों में 10 रन को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद चौथे ओवर में सैम अयूब ने अभिषेक शर्मा को आउटकर भारत के रनों की रफ्तार को कम करने का प्रयास किया। अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली । इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्य कुमार यादव और तिलक वर्मा की जोड़ी ने संभलकर खेलते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। 13वें ओवर में सैम अयूब ने तिलक वर्मा (31) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। भारत ने 15.5 ओवरों में तीन विकेट पर 131 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। सूर्यकुमार यादव ने 37 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 47 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने नाबाद 10 रन बनाये। सूर्य कुमार यादव ने भारत के लिए विजयी छक्का लगाया। पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब ने तीन विकेट लिये।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र छह रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। सैम अयूब को पहले ही ओवर में हार्दिक पांड्या ने आउट किया। मोहम्मद हारिस (तीन) का जसप्रीत बुमराह ने शिकार किया। इसके बाद फखर जमान ने साहिबजादा फरहान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 39रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में अक्षर पटेल ने फखर जमान (17) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। कप्तान आगा सलामान (तीन) को भी अक्षर पटेल ने आउट किया। 13वें ओवर में कुलदीप यादव ने हसन नवाज (पांच) और मोहम्मद नवाज (शून्य) को आउटकर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। इस दौरान एक छोर थामे साहिबजादा फरहान रन बनाते रहे। 17वें ओवर में कुलदीप ने फरहान को हार्दिक के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। फरहान ने 44 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुए 40 रन बनाये। वरूण चक्रवर्ती ने फहीम अशरफ (11) को आउट किया। सुफियान मकीम (10) को बुमराह ने बोल्ड आउट किया। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 127 रन का स्कोर खड़ा किया। शाहीन शाह अफरीदी 16 गेंदों में 33 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी इस पारी में चार छक्के लगाये। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लिये। अक्षर पटेल ने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह को दो विकेट मिले। वरूण चक्रवर्ती और हार्दिक पांड्या ने एक–एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजस्थान से धनंजय सिंह खींवसर शामिल होंगे

गांगुली, हरभजन सहित कई खिलाड़ी वार्षिक आम बैठक में शामिल होंगे

नयी दिल्ली, 14 सितम्बर। सौरव गांगुली (सीएबी), जयदेव शाह (सौराष्ट्र), अरुण सिंह धूमल (एचपीसीए) और राजीव शुक्ला (यूपीसीए) जैसे नियमित नामों के अलावा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने वाले अधिकांश अन्य सदस्य भी आम तौर पर संदिग्ध होते हैं।

हरभजन सिंह, निश्चित रूप से, आम सभा की बैठक के लिए राज्य प्रतिनिधियों की विशिष्ट सूची में एक अलग नाम के रूप में उभरे हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, वह वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे बीसीसीआई के शीर्ष पद के लिए उनके संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

103 टेस्ट मैच खेल चुके पूर्व भारतीय स्पिनर ने अपनी योजनाओं के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनका नामांकन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी नजदीकी से जुड़ा है और इसके ज्यादा मायने नहीं निकाले जा सकते। लेकिन यह संभावना नहीं है कि यह मामला सिर्फ़ पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ उनकी दोस्ती तक ही सीमित रहेगा। यह तय है कि इसमें और भी कुछ है। हरभजन और उनके पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली के अलावा, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खेल का अनुभव रखने वाले अन्य प्रतिनिधियों में जयदेव शाह, रघुराम भट्ट (कर्नाटक) और मिथुन मिन्हास (जेकेसीए) शामिल हैं।

पूर्व बीसीसीआई दिग्गज और दिल्ली क्रिकेट के कद्दावर नेता दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को दिल्ली ज़िला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने नामित किया है। उन्हें बीसीसीआई में एक प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संबंधित राज्य संघों द्वारा नामांकित होना महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल वही प्रतिनिधि 28 सितंबर को होने वाले चुनाव में भाग ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे और यह लगभग तय है कि सचिव देवजीत सैकिया (असम), कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया (छत्तीसगढ़) और संयुक्त सचिव रोहन देस्सा (गोवा) अपने पदों पर बने रहेंगे। बड़ा सवाल यह है कि अब अध्यक्ष कौन होगा क्योंकि रोजर बिन्नी 70 वर्ष की आयु सीमा पार कर चुके हैं।

मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने सिंधिया के बेटे और नवनिर्वाचित अध्यक्ष महानार्यमन राव सिंधिया का नाम भेजा है। अन्य प्रभावशाली प्रतिनिधियों में संजय नाइक (मुंबई), रोहित पवार (महाराष्ट्र), पी दामोदरन (पांडिचेरी) और अनिल पटेल (गुजरात) शामिल हैं। राजस्थान से धनंजयसिंह खींवसर इस बैठक में शामिल होंगे।

बीसीसीआई के निर्वाचन अधिकारी एके जोति ने राज्य संघों को भेजे अपने नोट में कहा, ''निम्नलिखित मसौदा मतदाता सूची में बीसीसीआई के पूर्ण सदस्यों द्वारा भेजे गए संचार के माध्यम से प्राप्त सभी प्रतिनिधियों के नाम सूचीबद्ध हैं। निर्वाचन अधिकारी द्वारा 6 सितंबर, 2025 को जारी चुनाव कार्यक्रम की सूचना और पात्र सदस्यों से अपने प्रतिनिधि के नामांकन हेतु आवेदन करने के आव्हान के पैराग्राफ 3 में निर्दिष्ट अभिलेखों की पूर्णता की जांच के बाद नामों को सूचीबद्ध किया गया है।''

एशिया कप में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

दुबई, 14 सितंबर । श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बंगलादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, जबकि बंगलादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, और कप्तान असलांका के साथ कामिंदु मेंडिस अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो श्रीलंका के पास दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा ने गति और सटीकता का मिश्रण है।

सेंट्रल जोन का दलीप ट्रॉफी चैंपियन बनना तय

बेंगलुरु 14 सितंबर । कुमार कार्तिकेयन (चार विकेट) और सारांश जैन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत सेंट्रल जोन ने रविवार को दलीप ट्रॉफी मुकाबले के चौथे दिन साउथ जोन को 426 के स्कोर पर समेट दिया। सेंट्रल जोन को अब जीत के लिए 65 रन बनाने है तथा अभी एक दिन का खेल शेष है।

साउथ जोन ने कल के दो विकेट पर 192 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज साउथ जोन ने कल के स्कोर में महज 30 रन जोड़कर अपने चार विकेट गंवा दिये। साउथ जोन का तीसरा विकेट रिकी भुई (45) के रूप में गिरा। उन्हें दीपक चाहर ने एस शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन (27) को कुमार कार्तिकेय ने अपना शिकार बना लिया। सलमान निजार (12) और आर स्मरण (47) भी कार्तिकेयन का शिकार बने। 222 के स्कोर पर छह विकेट गंवा चुकी हार की डगर पर खड़ी साउथ जोन को अंकित शर्मा और सी आंद्रे सिद्धार्थ की जोड़ी ने संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 330 गेंदों में 192 रनों की साझेदारी हुई। कार्तिकेयन ने शतक की ओर बढ़ रहे अंकित शर्मा को आर पाटीदार के साथ हाथों कैच आउट कराकर सेंट्रल जोन को बड़ी सफलता दिलाई। अंकित शर्मा ने 168 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 99 रन बनाये। वह महज एक रन से शतक से चूक गये। गुरजपनीत सिंह (नाबाद तीन) को सारांश जैन ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय सेंट्रल जोन ने साउथ जोन को 426 के स्कोर पर समेट दिया।

प्रतीका, मंधाना और हरलीन के अर्धशतक, भारत ने बनाये 281

न्यू चंडीगढ़, 14 सितंबर । प्रतीका रावल (64) और स्मृति मंधाना (58), हरलीन देओल (54) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारतीय महिला टीम ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर में सात विकेट पर 281 रन का मजबूत स्कोर बना लिया।

आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम के लिए प्रतीका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की। 22वें ओवर में फीबी लिचफील्ड ने स्मृति मंधाना को रनआउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। मंधाना ने 63 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए 58 रनों की पारी खेली। इसके बाद 31वें ओवर में अलाना किंग ने प्रतीका रावल को अपना शिकार बना लिया।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को आठ विकेट से हराया

न्यू चंडीगढ़, 14 सितंबर । गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद फीबी लिचफील्ड (88), बेथ मूनी (नाबाद 77), ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 54) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को 35 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1–0 से बढ़त बना ली है।

282 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के लिए कप्तान अलिसा हीली और फीबी लिचफील्ड की सलामी जोड़ी ने 45 रन जोड़े। सातवें ओवर में क्रांति गौड़ ने अलिसा हीली (27) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। एलिस पेरी 30 रन पर रिटायर हर्ट हुई। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट फीबी लिचफील्ड के रूप में गिरा। फीबी लिचफील्ड ने 80 गेंदों में 14 चौकों लगाते हुए 88 रन बनाये। बेथ मूनी और ऐनाबेल सदरलैंड शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 44.1 ओवर में दो विकेट पर 282 रन बनाकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी।

तिलक वर्मा और रजत पाटीदार ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करेंगे

मुंबई, 14 सितम्बर । रजत पाटीदार और तिलक वर्मा को 30 सितंबर से कानपुर में शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए कप्तान बनाया गया है। पाटीदार ग्रीन पार्क स्टेडियम में होने वाले पहले मैच में टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक 3 और 5 अक्टूबर को होने वाले दूसरे और तीसरे मैच में कप्तानी संभालेंगे, जबकि पाटीदार उनके उप–कप्तान होंगे।

पहले वनडे के लिए, पाटीदार के साथ विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह और अभिषेक पोरेल के साथ–साथ रियान पराग, आयुष बदौनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, प्रियांश आर्य, रवि बिश्नोई, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह और सिमरजीत सिंह शामिल होंगे।

28 सितंबर को एशिया कप के समापन के साथ, वर्मा आखिरी दो मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे। टीम में अभिषेक शर्मा और हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह के रूप में अतिरिक्त तेज विकल्प भी शामिल हैं, जबकि पहले गेम के अधिकांश कोर को बरकरार रखा गया है।

पहले वनडे मैच के लिए भारत ए टीम: रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बदौनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत ए टीम: तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (वीसी), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बदौनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह। यह दो साल से अधिक समय में भारत ए का पहला एक दिवसीय मैच होगा, पिछला एशियन क्रिकेट काउंसिल मेन्स इमर्जिंग कप, 2023 फाइनल था जिसमें वे पाकिस्तान शाहीन से हार गए थे। अभिषेक शर्मा, निशांत सिंधु, रियान पराग और हर्षित राणा भी उस टीम का हिस्सा थे।

सात्विक–चिराग और लक्ष्य हांगकांग ओपन के फाइनल में हारे

हांगकांग, 14 सितंबर । सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेन आज हांगकांग ओपन के फाइनल में हार गए और उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी फाइनल में जीत के करीब पहुंच गयी थी, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21–19, 14–21, 17–21 से हार गए। पुरुष एकल में भारत का खिताब का सपना टूट गया। लक्ष्य सेन को पुरुष एकल फाइनल में दूसरे वरीय चीन के ली शि फेंग से 21–15, 21–12 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस परिणाम के साथ, भारत ने दो रजत पदक के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

दो बार की ओलंपिक चैंपियन ऑलमैन ने विश्व एथलेटिक्स में महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण जीता

टोक्यो, 14 सितंबर । दो बार की ओलंपिक चैंपियन अमेरिका की वैलेरी ऑलमैन ने रविवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्पर्धा का खिताब अपने नाम कर लिया।

बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता ऑलमैन ने 69.48 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता।

नीदरलैंड की जोरिंडे वैन क्लिंकेन ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 67.50 मीटर के साथ रजत पदक जीता, जबकि क्यूबा की सिलिंडा मोरालेस ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 67.25 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

स्वीडन की वैनेसा कामगा चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्होंने 66.61 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। 2022 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले चीन की फेंग बिन 65.28 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहीं।

भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप 2025 के खिताबी मुकाबले में चीन से हारी

हांगझोऊ (चीन), 14 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम को महिला एशिया कप 2025 के खिताबी मुकाबले में चीन से 1–4 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय टीम के लिए नवनीत कौर ने पहले ही मिनट में गोल किया। वहीं चीन की कप्तान ओउ जिक्सिया ने (21वें मिनट), ली होंग ने (40वें मिनट), ज़ू मीरॉन्ग ने (51वें मिनट) और झोंग जियाकी ने (53वें मिनट) मे गोल किए।

भारत ने फाइनल में पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बढ़त बनाकर शानदार शुरुआत की। अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर ने पहले मिनट गोल किया। एक गोल से पीछे, चीन ने खेल की गति बढ़ा दी और पहले हाफ के दौरान ज़ोरदार हमले किए। चौथे मिनट में उन्हें अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे सुनीता टोप्पो ने गोललाइन ब्लॉक करके गोलकीपर बिचू देवी के एक और बचाव से रोक दिया। 15वें मिनट में, चीन को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इस बार वे भारत के पहले रशर को चकमा नहीं दे सके।

दूसरे क्वार्टर में भी यही क्रम जारी रहा और चीन ने 17वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिसे बिचू देवी ने 20वें मिनट में ओपन प्ले में एक और शानदार ब्लॉक लगाकर बचा लिया। चीन को 21वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इस बार कप्तान ओउ जिक्सिया (21वें मिनट) ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत मजबूती से की और चीन को उसके ही हाफ तक सीमित रखा और बढ़त बनाने की कोशिश में लगातार सर्कल में घुसते रहे, हालाँकि, चीन ने ही गतिरोध तोड़ा। 40वें मिनट में, भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे इसे गोल में नहीं बदल पाए, जिससे गेंद चीन को मिल गई। चीन ने तुरंत पलटवार करते हुए भारत को चौंका दिया। ली होंग (40वें मिनट) में गोलकर स्कोर 1–2 कर दिया। चीन ने चौथे क्वार्टर में क्रमशः 51वें और 53वें मिनट में दो तेज गोल करके अंतर बढ़ा दिया। इसी के साथ चीन एशिया कप का खिताब 4–1 से अपने नाम कर लिया।

मीनाक्षी और जैस्मीन ने विश्व मुक्केबाजी में जीते स्वर्ण

लिवरपूल, 14 सितम्बर । जैस्मीन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिए। जैस्मीन ने पोलैंड की स्ज़ेरमेटा जूलिया (पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता) को 4:1 से हराकर स्वर्ण जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह वाली पहली भारतीय बन गईं। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की नाजिम काइज़ेबे (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के खिलाफ 4:1 से जीत हासिल की और चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गईं। नुपुर (80 किग्रा) ने रजत पदक जीता जबकि पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ समापन किया।

जयपुर पिंक पैंथर्स के मुख्य कोच नरेंद्र रेड्डू ने यूपी योद्धाज़ पर जीत के बाद घरेलू प्रशंसकों का ऊर्जावान उपस्थिति के लिए धन्यवाद किया

जयपुर,14 सितम्बर। जयपुर पिंक पैंथर्स ने पीकेएल सीज़न 12 के घरेलू चरण में अपनी पहली जीत दर्ज की, एसएमएस इंडोर स्टेडियम, जयपुर में यूपी योद्धाज़ को 41–29 के स्कोर से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद, पोस्ट–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जयपुर पिंक पैंथर्स के मुख्य कोच नरेंद्र रेड्डू ने प्रशंसकों के समर्थन को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, मैं प्रशंसकों का धन्यवाद करना चाहता हूं, जो हमें इतनी ऊर्जा देते हैं। हमें हर मैच में यही ऊर्जा मिलनी चाहिए। मैं दिल से प्रशंसकों का आभार प्रकट करता हूं।

कोच टीम के प्रदर्शन, खासकर शनिवार को युवा खिलाड़ियों के खेल से भी बेहद खुश थे। उन्होंने कहा, देखिए, हमारी टीम में कई नए खिलाड़ी हैं, जिनमें ज़्यादातर एनवाईपी (न्यू यंग प्लेयर) हैं, और हम हर मैच में अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश कर रहे हैं। आज के मैच में हम टूर्नामेंट की एक बेहतरीन टीम के खिलाफ खेले। यूपी योद्धाज़ के पास बेहद अच्छे खिलाड़ी हैं, जिनमें अनुभवी डिफेंडर और रेडर शामिल हैं।

मुख्य कोच नरेंद्र रेड्डू ने टीम को समर्थन देने में अपनी फ्रैंचाइज़ी की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हम अपनी टीम पर दबाव नहीं डालना चाहते। मैं दबंग दिल्ली केसी के खिलाफ खेले गए मैच को याद करना चाहता हूं, जिसमें हम मामूली अंतर से हारे थे। उस हार के बाद भी हमने टीम पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं डाला।

हमें विश्वास है कि जब तक खिलाड़ियों को अपना खेल खेलने की आज़ादी मिलेगी, टीम सही नतीजे हासिल करेगी। खिलाड़ियों, कोचों और फ्रैंचाइज़ी के बीच का बंधन शानदार है। वे सभी को परिवार की तरह मानते हैं। इसी कारण कोई दबाव नहीं है और टीम में जुझारूपन की भावना बनी रहती है।

राज्य स्तरीय अंडर-19 ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल, जयपुर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, जोधपुर जीती

आज खेले गए क्वार्टर फाइनल मैचों में शिफॉन खान, कार्तिक बदलानी, अभय शर्मा, शोएब खान, साहिब अबिचंदानी, जगदीश चौधरी, अभिषेक मूँद, नमन शर्मा, भव्य राज, अपूर्व शर्मा, सचिन सेन, रोहित का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 14 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए प्री क्वाटर फाइनल मैचों का परिणाम व स्कोर।

के एल सैनी स्टेडियम जयपुर – नागौर (जयपुर 7 विकेट से जीती), नागौर पारी 153 आल आउट। टीम के लिए विहान जैन 30 , राहिल , कीरत प्रत्येक 22 –22 रन। जयपुर के गेंदबाज कार्तिक 25/3, अविनाश 23 /2, पर्व झालानी 37/2 व प्रखर शर्मा , जतिन , रोबिन प्रत्येक 1–1 विकेट। **जयपुर पारी** 154/3, टीम के लिए शिफॉन खान 64 , अभय शर्मा नाबाद 36 व गौरव 29 रन। नागौर के गेंदबाज विराट 34 /2 विकेट। **नारायणा ग्राउंड** कोटा - बीकानेर (बीकानेर 9 विकेट से जीती), कोटा पारी 79 आल आउट, टीम के लिए ऋतिक 20 , आशीष 17 रन। बीकानेर के गेंदबाज रोहित 11/3 , सचिन 23/3 व गुरमान 18/2 विकेट बीकानेर पारी 80/1, टीम के लिए सचिन लखेसर नाबाद 51 व हरेंद्र नाबाद 16 रन। **सोनी ग्राउंड** जोधपुर - भीलवाड़ा (जोधपुर 28 रन से जीती), जोधपुर पारी 200 आल आउट, टीम के लिए ऋषभ 39 , आर्यन 35 , जगदीश 30 रन। भीलवाड़ा महेंद्र रावत 28/2 , अपूर्व शर्मा 30/2 व अनिल 57/2 विकेट। भीलवाड़ा पारी 172 आल आउट, टीम के लिए अपूर्व शर्मा 22 , कुशल 22 रन। जोधपुर के गेंदबाज जगदीश चौधरी 29/4 व गौरव 17/2 विकेट

पी एस ग्राउंड सवाईमाधोपुर – सीकर (सवाई माधोपुर 10 रन से जीती), सवाई माधोपुर पारी 257 /7 टीम के लिए शोएब खान 71, साहिब अबिचंदानी 59, मयंक 35 , रक्षित 34 व नमन शर्मा नाबाद 19 रन सीकर के गेंदबाज भव्य राज 46/3 , अभिषेक मूंड 39/2 विकेट। सीकर पारी अभिषेक मूंड 54, अनित राज 41, सुनील 36 ,हितेश 36 व भव्य राज 32 रन सवाई माधोपुर के गेंदबाज नमन शर्मा 34/2 , तनिष्क सिंघल 36/2 व साहिब अबिचंदानी 53/2 विकेट।

रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर रावणा राजपूत समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित लोककल्याणकारी नीतियों, विकासोन्मुखी योजनाओं तथा बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमण्डल में जनप्रतिनिधिगण एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे। रविवार को ही एक अन्य कार्यक्रम में खटीक समाज का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री से मिला। प्रतिनिधिमण्डल में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधायक रमेश खींची सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाला

काठमांडू, 14 सितम्बर। नेपाल की नव नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को पदभार ग्रहण कर लिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय एवं मंत्रिपरिषद का भवन हाल ही में आंदोलनकारियों की हिंसात्मक घटना में क्षतिग्रस्त हो गया था जिसकी वजह से गृह मंत्रालय भवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। कांतिपुर समाचार पत्र के मुताबिक कार्की ने कार्यभार संभालने से पहले लांचोर पुघेर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री कार्की ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद "जैन-ज़ैड" आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया और कहा कि आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा।

इज़रायली बमबारी से उत्तरी गाज़ा में 13 फिलिस्तीनी मारे गये

लगातार हमलों से रोजाना हजारों लोग गाज़ा सिटी से पलायन कर रहे हैं

■ अल-जजीरा के हमज़ा मोहम्मद ने कहा कि गाज़ा सिटी इमारत दर इमारत, परिवार दर परिवार खाली होता जा रहा है। जल्द ही जो बचेगा वह एक शहर नहीं, बस एक शहर की याद बनकर रह जाएगा।

गाज़ा, 14 सितंबर। इज़रायल की ओर से अंधाधुंध बमबारी में उत्तरी गाज़ा में रविवार को 13 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा सिटी से हर दिन हजारों फिलिस्तीनी भागने को मजबूर हो रहे हैं, जिसमें रोजाना दर्जनों नागरिक मारे जा रहे हैं। परिवार दक्षिण की ओर पलायन कर रहे हैं, जिसमें कई भीड़भाड़ वाले और कई बार निशाना बनाए जाने वाले अल-मवासी शिविर की ओर जा रहे हैं। अल-जजीरा की रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई।

फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के मुताबिक, इज़रायली सेना के लगातार हमलों के कारण शनिवार को छह हजार से ज्यादा लोग गाजा सिटी छोड़कर चले गए। हालांकि, करीबी नौ लाख फिलिस्तीनी अभी भी शहर में हैं, लेकिन यह संख्या तेजी से घट रही है। अल-जजीरा के हमजा मोहम्मद ने कहा, गाजा सिटी इमारत दर इमारत, परिवार दर परिवार खाली होता जा रहा है। जल्द ही जो बचेगा वह शायद एक शहर नहीं, बस एक शहर की याद बनकर रह जाएगा।

हमले के डर के कारण भागने वाले लोगों ने अपनी स्थिति के बारे में बताया। दक्षिण की ओर जा रहे एक फलस्तीनी खलील मतर ने कहा, हम चल ही रहे हैं। हमारे साथ बीमार लोग हैं और हमें नहीं पता कि कहां जाएंगे। कोई जगह सुरक्षित नहीं है।कई निवासियों ने कहा कि उनके पास कोई विकल्प नहीं है, इसलिए उन्होंने इस्राइल की निकासी चेतावनियों का पालन करते हुए अल-मवासी की ओर रुख किया है। हालांकि, जिसे सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है, उस शिविर से मिल रही रिपोर्ट में भारी भीड़ और खाने, पीने के पानी व आश्रय की गंभीर कमी की जानकारी दी गई है।

राजनाथ सिंह ने नई रक्षा खरीद नियमावली को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 14 सितम्बर। रक्षा मंत्रालय ने सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, सरल, सक्षम और युक्तिसंगत बनाने के लिए नयी रक्षा खरीद नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने नयी नियमावली को मंजूरी दे दी है। बजट अनुमान 2025 में राजस्व खरीद का बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये है। नयी नियमावली रक्षा क्षेत्र मेंआत्म निर्भरता को बढ़ ावा देते हुए सेनाओं के लिए राजस्व खरीद में तेजी लाएगी, स्टार्टअप और एमएसएमई सहित भारतीय उद्योग को सरल प्रक्रियाओं के साथ सक्षम बनाने के साथ साथ नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ ावा देगी। इसमें सहायक वित्तपोषण विकल्प और अनावश्यक दंड में ढील देकर उद्योगों के सामने आने वाली कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं को कम किया गया है। नयी नियमावली से उद्योग, शिक्षा जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अनुसंधान और विकास को कई सक्षम प्रावधानों के साथ बढ़ ावा मिलेगा।

अमृतसर मंदिर पर ग्रेनेड हमले के आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश

एनआईए की जाँच के अनुसार, विशाल गिल ने ग्रेनेड फेंका, मन्ना भट्टी व दीवान सिंह ने अभियुक्तों को शरण दी

■ एनआईए को अंदेशा है कि यह घटना भारत और विदेश में बैठे आतंककारी गुर्गों द्वारा रची गई एक बड़ी साजिश का हिस्सा है।

नयी दिल्ली, 14 सितंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल , भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है।

एनआईए के अनुसार विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च, 2025 तड़के ग्रेनेड फेंका था। दूसरा हमलावर, गुरसिदक सिंह सिदकी हमले के दो दिन बाद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

आरोप पत्र के अनुसार भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी ने हमले से पहले और बाद में हमलावरों को आश्रय, ग्रेनेडों को सुरक्षित रूप से छुपाने, टोही के लिए मोटरसाइकिल और रसद सहायता प्रदान करके उनकी मदद की थी। दीवान सिंह उर्फ सनी पर सह-अभियुक्तों को शरण देने और सबूत नष्ट करने में उसकी भूमिका के लिए आरोपपत्र दाखिल किया गया है। एक अन्य प्रमुख आरोपी शरणजीत कुमार को एनआईए ने पांच सितंबर 2025 को बिहार के गया से गिरफ्तार किया था। उसके और विदेश में रह रहे फरार आरोपी बादलप्रीत सिंह के खिलाफ जांच कर रही है। एजेंसी की जांच में यूपीआई और एमटीएसएस चैनलों के माध्यम से विदेशी संचालकों से स्थानीय गुर्गों को आतंकी धन हस्तांतरित करने का भी पता चला है। इसकी भी जांच की जा रही है।

मामले में अन्य फरार आरोपियों की पहचान करने और हमले में शामिल आतंकी मॉड्यूल के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। एनआईए को अंदेशा है कि यह घटना भारत और विदेश में बैठे आतंकवादी गुर्गों द्वारा रची गयी एक बड़ी साजिश का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लोगों में भय पैदा करना तथा पंजाब और देश के बाकी हिस्सों में सांप्रदायिक वैमनस्य भड़काना है।

नेपाल जेल से फरार 4 कैदी भारतीय सीमा पर पकड़े गये

नैनीताल, 14 सितंबर। भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने नेपाल जेल से फरार चार कैदियों को पकड़ा है। चारों भारतीय सीमा पर घुसपैठ कर रहे थे।

एसएसबी की 55वीं वाहिनी की ओर से साझा की गयी जानकारी के अनुसार एसएसबी के जवान शनिवार को सीमा पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान चार लोग देवताल क्षेत्र में रबर की ट्यूब से काली नदी को पार करते हुए भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश करते हुए दिखाई दिये। एसएसबी के जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों को घुसपैठ पकड़ लिया। इनमें से तीन कैदी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध में जबकि चौथा हत्या के मामले में आरोपी है। नेपाल पुलिस ने इस बात की पुष्टी की है। चारों को एसएसबी ने हिरासत में ले लिया है। पिथौरागढ़ पुलिस की मौजूदगी में इनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

व्यास नदी के किनारे बसे खैरी गाँव में वर्षा से तबाही

■ तीन घर उफनते नाले में डूबे, सड़कें बह गईं।

सुजानपुर टीरा (हमीरपुर), 14 सितंबर। हिमाचल प्रदेश के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में व्यास नदी के तट पर बसे खैरी गांव में शनिवार रात हुई भारी बारिश ने व्यापक तबाही मचाई जिससे क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

प्रभावित इलाके में बाढ़ के पानी और मलबे से सड़कें बह गयीं। किसानों के खेत जलमग्न हो गए और असंख्य घरों को नुकसान पहुंचा। कुछ घर पूरी तरह से मलबे में दब गए हैं। कई अन्य में दरारें पड़ गईं, जिससे लोगों में हड़कम्प मचा हुआ है। शनिवार की देर रात शुरू हुई बारिश कुछ ही घंटों में तेज हो गई, जिससे बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। तीन घर एक उफनते नाले के पानी में डूब गये जिससे निवासियों को भागकर अपनी जान बचानी पड़ी।

रविवार सुबह तक ग्रामीणों ने तबाही का जायजा लिया। गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़कें टूट गई हैं। सड़कों पर खड़े वाहन मलबे में दब गए और कई घरों को भारी नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोग अब अधिकारियों से तत्काल राहत और पुनर्वास की मांग कर रहे हैं।

घटना की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के साथ समन्वय करके जेसीबी मशीनों से सड़कें और मलबा साफ करवाया। विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने कहा, "खैरी में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। कई घर प्रभावित हुए हैं। सड़कें नष्ट हो गई हैं।

दिल्ली में हथियार सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 सितंबर। दिल्ली को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में क्राइम ब्रांच की नॉर्थ रेंज-2 टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने एक कुख्यात हथियार सप्लायर, मो. शाजिद उर्फ राशिद और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं।

मुख्य आरोपी, 42 वर्षीय मो. शाजिद उर्फ राशिद, अशोक विहार के वज़ीरपुर जेजे कॉलोनी का रहने वाला है। उसके पास से 10 पिस्टल, 118 जिंदा कारतूस और 8 अतिरिक्त मैगज़ीन बरामद की गईं। वह कार में हथियार लेकर घूम रहा था, तभी उसे नेताजी सुभाष प्लेस इलाके से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में शाजिद ने खुलासा किया कि वह पिछले कई सालों से दिल्ली और एनसीआर के गैंगस्टरों को हथियार सप्लाई कर रहा था। उसके ग्राहकों में नीरज बवानिया गैंग और अफसर गैंग जैसे बड़े नाम शामिल हैं। हथियारों की सप्लाई मेरठ और मवाना से की जाती थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908